* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.com

21 नवंबर, 2022
मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, द्वादशी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
सोमवार, वर्ष 08, अंक 33

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

मुकेश अंबानी बने नाना, ईशा ने दिया जुड़वां बच्चे को जन्म

धनबाद के बाघमारा इलाके में कोयला चोरों और सीआइएसएफ में मुठभेड़

फायरिंग में चार लोगों की मौत, तनाव

■ पथराव के बाद जवाबी कार्रवाई की जवानों ने ■ पुलिस छावनी में तब्दील हुई बेनीडीह साइडिंग ■ सीआइएसएफ डीआइजी और एसडीएम पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास/बाघमारा। बीसीसीएल ब्लॉक टू और बरोरा थाना क्षेत्र की बेनीडीह मेन साइडिंग में कोयला चोरों और सीआइएसएफ के बीच शनिवार देर रात मुठभेड़ हुई। इस दौरान जवानों द्वारा की गयी फायरिंग में चार लोगों की मौत हो गयी। वे सभी आसपास के इलाके के ग्रामीण थे और कोयला चोरी के धंधे में लिप्त थे। दो लोगों को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सकों ने दोनों को इलाज हेतु रांची रेफर कर दिया। कोयला चोरों द्वारा सीआइएसएफ जवान पर पथराव किया गया, जिसमें दो जवान घायल हो गये। वे अस्पताल में हैं। मृतकों की पहचान प्रीतम चौहान, शाहजादा अंसारी, अल्ताफ अंसारी और सूरज चौहान के रूप में की गयी है। घटना देर रात करीब 12 की है। मुठभेड़ के बाद साइडिंग में अफरा-तफरी मच गयी। कोयला चोर वहां से भाग निकले। घटनास्थल से सीआइएसएफ ने दर्जनों बाइक को जब्त किया है और मृतकों के शवों को धनबाद एसएनएमएमसीएच भेज दिया। वहां पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में भेज दिया।

घटना की सूचना पर रविवार की सुबह धनबाद एसडीएम सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी और सीआइएसएफ के वरीय अधिकारी बाघमारा थाना पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

घटनास्थल पर तैनात पुलिस के जवान (ऊपर)। घटना के बारे में जानकारी देते सीआइएसएफ डीआइजी और रोते-बिलखते परिजन।

पथराव के बाद भड़का मामला

सूचना के अनुसार लगातार कोलडंप और साइडिंग में कोयला चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा था। बार-बार सीआइएसएफ पर हमला किया जा रहा था, जिसके कारण जवान भी अब पूरी तैयारी में थे। इसी क्रम में देर रात दर्जनों कोयला चोर प्रतिदिन की तरह केकेसी मेन साइडिंग में बाइक से पहुंचे थे। इसी दौरान सीआइएसएफ जवानों और कोयला चोरो में भिड़ंत हो गयी। ड्यूटी में तैनात सीआइएसएफ जवानों ने चोरों को चेतावनी दी, मगर कोयला चोरों ने पथराव शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई में सीआइएसएफ ने फायरिंग की। घटना के बाद पूरे इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। थाना परिसर में भी अतिरिक्त बल की तैनाती की गयी है।

घटना के बाद सीआइएसएफ के उप महानिरीक्षक विनय काजला ने सीआइएसएफ यूनिट बीसीसीएल धनबाद की तरफ से गहरी संवेदना प्रकट की है। घटनाक्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया को बताया कि कोयला चोरों द्वारा जवानों पर हमले और हथियार छीना-झपटी के दौरान आत्मरक्षा में आकस्मिक गोली चली।

घटना की जांच के आदेश दिये गये हैं। कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए स्थानीय टीम के साथ सीआइएसएफ जवान मौके पर उपलब्ध हैं।

राज्य सरकार को बदनाम करने की साजिश : बन्ना

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने घटना को लेकर पूछे जाने पर कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन और सीआइएसएफ मिल कर खनिज संपदा की लूट करवा रहे हैं। अपने कुकृत्यों को छिपाने के लिए सुनियोजित साजिश के तहत राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए इस तरह की घटना को अंजाम देते हुए गरीबों पर गोली चलायी गयी है।

गुजरात में प्रधानमंत्री की रैली

कांग्रेस किस आधार पर मांग रही है वोट : मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस से सवाल किया कि किस आधार पर कांग्रेस गुजरात के लोगों से वोट मांग रही है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के साथ मेधा पाटकर के चलने पर मोदी ने सवाल किया। मोदी ने कहा, जिस महिला ने नर्मदा डैम प्रोजेक्ट का 30 सालों तक विरोध किया, कांग्रेस के नेता उसके साथ यात्रा कर रहे हैं। दरअसल पिछले दिनों नर्मदा बचाओ आंदोलन कार्यकर्ता मेधा पाटकर कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ चली थीं।

गुजरात के राजकोट में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध जैसी महत्वाकांक्षी योजना को पूरा करने में वक्त लगा, क्योंकि कुछ लोगों ने इसे रोकने की पूरी कोशिश की थी।

लोगों की प्यास बुझाने के लिए नर्मदा प्रोजेक्ट एकमात्र रास्ता

प्रधानमंत्री ने कहा कि काठियावड़ और कच्छ के सूखे इलाकों के लोगों की प्यास बुझाने के लिए नर्मदा प्रोजेक्ट ही एकमात्र रास्ता था। लोगों ने जरूर देखा होगा कि कैसे एक महिला कांग्रेस के नेता के साथ पदयात्रा कर रही थी, जो एंटी-नर्मदा एक्टिविस्ट है। उसने और दूसरे लोगों ने नर्मदा प्रोजेक्ट को रोकने के लिए कई कानूनी अड़चने लगायीं।

इस तरह बदनाम किया कि विश्व बैंक ने रोक दिया फंड

मोदी ने कहा कि इन एक्टिविस्ट ने पानी इस क्षेत्र तक ना पहुंच पाये, इसके लिए कई दिनों तक आंदोलन किया। उन्होंने मेधा पाटकर की ओर इशारा करते हुए कहा कि एक एक्टिविस्ट ने गुजरात को इस तरह बदनाम करने की कोशिश की कि विश्व बैंक ने भी नर्मदा प्रोजेक्ट के लिए फंड रोक दिया था।

प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा कि जब कांग्रेस का कोई नेता आप से वोट मांगने आये, तो उससे पूछना कि किस आधार पर उन्हें वोद दें। उनके नेता एक ऐसी महिला के साथ पदयात्रा कर रहे हैं, जिसने 30 सालों तक नर्मदा प्रोजेक्ट का विरोध किया था।

धनबाद में एक हजार का कर्ज नहीं चुकाने पर विवाहिता से किया रेप

आरोपी ने पीड़िता के पति को धमकाया : पुलिस में शिकायत की तो पेट्रोल छिड़क जला देंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद जिले के कुमाधुबी ओपी क्षेत्र में मानवता को कलंकित करने वाला एक मामला सामने आया है। महज एक हजार रुपये का कर्ज नहीं चुकाने पर वहशी युवक ने गरीब दो बच्चों की मां की इज्जत लूट ली। पड़ोस में रहने वाले मनबढ़ू युवक विक्की रविदास ने यह करतूत की। महिला घर पर अकेली थी। दोनों बच्चे स्कूल गये थे और पति काम से बाहर गया था। इसका फायदा उठाते हुए युवक ने घर में घुसकर घटना को अंजाम दिया। महिला के शोर मचाने पर स्थानीय लोग जुटे, तब तक युवक फरार हो गया था। पति जब काम से लौटा, तो युवक के घर जाकर इसका विरोध किया, लेकिन युवक ने माफी मांगने की बजाय धमकी दी कि यदि पुलिस से शिकायत की, तो पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला देंगे। घटना 18 नवंबर की है और 20 नवंबर को प्रकाश में आयी।

इधर, ओपी प्रभारी ललन प्रसाद सिंह ने कहा कि महिला के पति की लिखित शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी युवक को जल्द गिरफ्तार किया जायेगा।

आंदोलन की चेतावनी पर रेस हुई पुलिस : हद तो तब हो गयी, जब पुलिस से शिकायत की तो समझा-बुझाकर महिला को घर भेज दिया। रविवार की सुबह पीड़िता को लेकर उसका पति व मुहल्ले के कुछ लोगों के साथ ओपी पहुंचा और ओपी प्रभारी के समक्ष नाराजगी जतायी। उसने कहा कि यदि दोषी को जल्द नहीं गिरफ्तार किया गया, तो ओपी के मुख्य द्वार पर धरना पर बैठेंगे। इसके बाद पुलिस रेस हुई। महिला के पति की लिखित शिकायत पर एफआइआर दर्ज कर पुलिस ने आरोपी युवक के घर पर छापा मारा, लेकिन वह फरार था। पुलिस ने युवक के पिता को हिदायत दी कि बेटे को अविलंब सरेंडर कराओ, नहीं तो घर की कुर्की-जब्ती की जायेगी।

यह है पूरा मामला : पीड़ित महिला ने बताया कि उसके भाई ने पड़ोस के युवक विक्की रविदास से सात हजार रुपये कर्ज लिया था। इसमें से छह हजार वापस कर दिया था। बकाया एक हजार रुपये के लिए विक्की लगातार परेशान कर रहा था।

18 नवंबर की सुबह करीब नौ बजे विक्की उसके घर आया। वह आंगन में स्नान कर अपने कमरे में जा रही थी। तभी विक्की ने पीछे से उसे दबोच लिया और मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। मारपीट भी की और कपड़े फाड़ दिये।

आरोपी का पिता बोला, बेटे को झूठा फंसाया गया

आरोपी के पिता, मां और पत्नी ने कहा कि विक्की को साजिश के तहत फंसाया गया है। दुष्कर्म का आरोप बेबुनियाद है। महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वह किसी के बहकावे में आकर झूठा आरोप लगा रही है। पिता ने कहा कि विक्की कैटरिंग का काम करता है। इसी काम से वह बाहर गया है। लौटने के साथ ही उसे सरेंडर करवा देंगे।

डर की वजह से गंभीर अपराधों में जमानत देने से हिचकते हैं जिला जज : सीजेआइ

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाइ चंद्रचूड़ ने कहा है कि जिला जज जघन्य अपराध में जमानत देने से हिचकते हैं। यही वजह है कि हाइकोर्ट में जमानत याचिकाओं की बाढ़ आ रही है। यह बात उन्होंने रविवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया की तरफ से आयोजित सम्मान समारोह के दौरान कही। इस दौरान कानून मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद थे।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि ऐसा नहीं है कि जिला स्तर पर जज अपराध को नहीं समझते हैं। बल्कि उन्हें जमानत देने के बाद खुद को निशाना बनाये जाने का डर होता है। इस डर के बारे में कोई बात नहीं करता, जो हमें करनी चाहिए। इससे जिला अदालतों का पैनापन कम हो रहा है और हाइकोर्ट के कामकाज पर असर पड़ा है।

जिला जज खुद पर भरोसा करें : मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अगर जिला जजों को अपनी योग्यता और ऊपरी अदालतों पर भरोसा नहीं होगा, तो हम उनसे किसी अहम मामले में जमानत की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। भारत में न्यायपालिका प्रणाली कैसे काम करती है, यह सभी को समझना होगा।

सुप्रीम कोर्ट और हाइकोर्ट के बराबर हैं जिला अदालत

चीफ जस्टिस ने कहा कि जिला न्यायपालिका में बहुत सुधार की गुंजाइश है। सबसे पहले हमें उसके लिए सम्मान की भावना लानी होगी। मैं हमेशा कहता हूं कि जिला न्यायपालिका छोटी नहीं है। यह राष्ट्रीय न्यायपालिका में वही महत्व रखती है, जो हाइकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का है। सुप्रीम कोर्ट बड़े फैसले कर सकता है, लेकिन डिस्ट्रिक्ट कोर्ट उन छोटे-छोटे मामलों को निपटाता है, जो आम नागरिकों को शांति, खुशी और विश्वास देते हैं।

सत्ता में बैठे लोगों से सवाल करें, लेकिन उन पर भरोसा भी करें

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा, जब हम सुप्रीम कोर्ट में एक फैसला लेते हैं तो हम चीजों को राष्ट्रीय दृष्टिकोण से देख रहे होते हैं। ये ध्यान रखें कि एक कानूनी या सामाजिक मुद्दे के हमेशा दो रंग होते हैं। सत्ता में बैठे लोगों से सवाल जरूर करें, लेकिन, कुछ उन पर भरोसा करना भी सीखें। हमें ये भरोसा करना चाहिए कि वो भी बेहतर के लिए ही काम करेंगे।

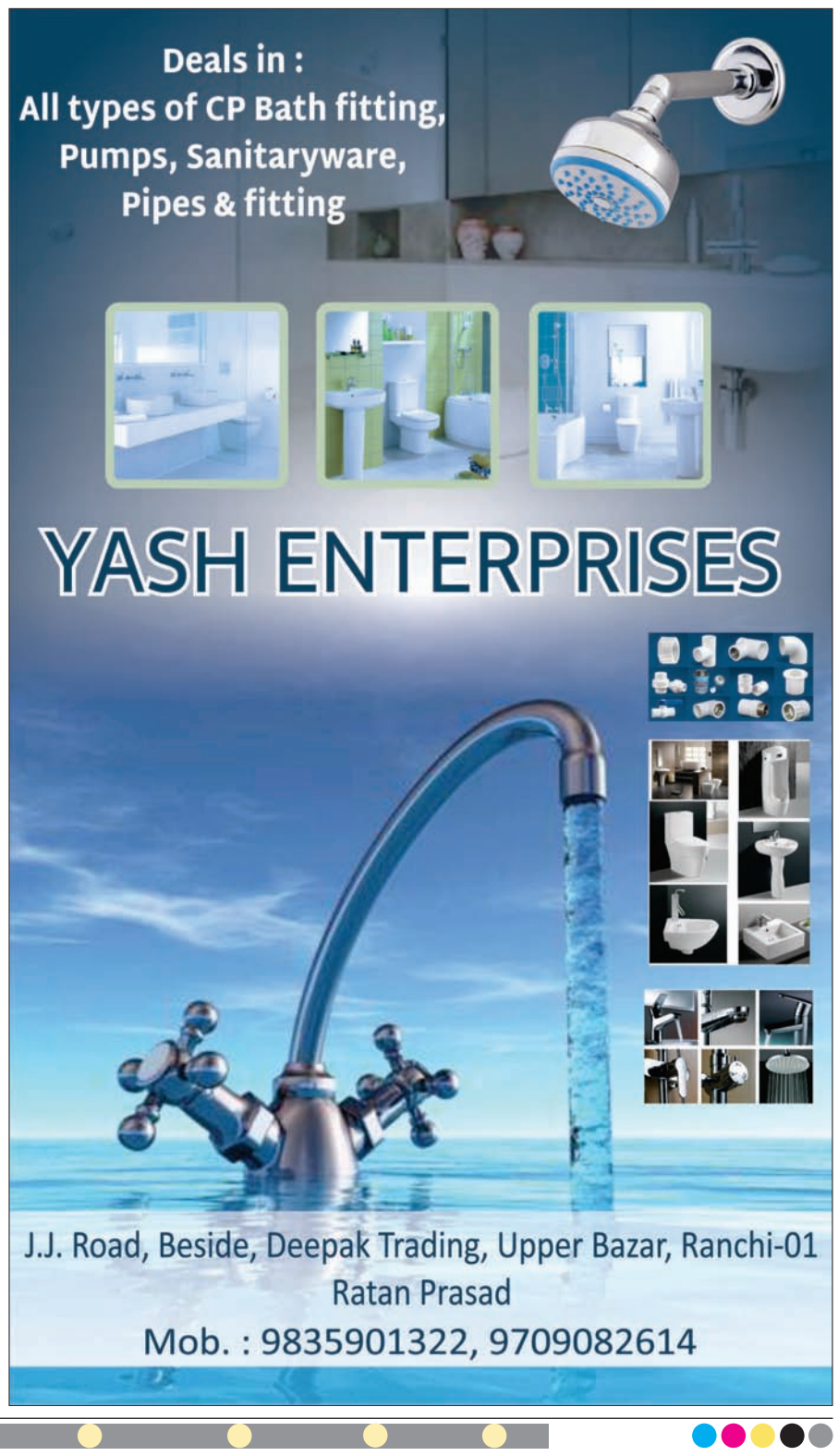

सर्राफा

सोना (बिक्री)	49,600 रु./10 ग्राम
चांदी	64,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 21 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

गुजरात में इस बार दुविधा में मुसलमान वोटर

पछली बार मुस्लिम प्रभाव वाली 10 में से आठ पर भाजपा जीती थी : भाजपा को इस बात की चिंता है कि अल्पसंख्यक बिगाड़ेंगे उसका गेम

आजाद सिपाही विशेष

गुजरात में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुस्लिम मतदाताओं को लेकर सियासी अटकलें तेज हो गयी हैं। सवाल उठ रहे हैं कि गुजरात के मुस्लिम मतदाता पिछली बार की तरह इस बार भी भाजपा के साथ जायेंगे या फिर वे भगवा झंडे की पार्टी का गेम बिगाड़ेंगे। यह भी कहा जा रहा है कि आम आदमी पार्टी की गुजरात चुनाव में एंट्री के साथ ही मुस्लिम मतदाता इस बार अपना मूड बदल सकते हैं। वैसे गुजरात का राजनीतिक माहौल और अब तक कराये गये तमाम जनमत सर्वेक्षणों में यही कहा गया है कि राज्य में 27 साल से अपराजेय रही भाजपा एक बार फिर बहुमत हासिल करेगी। स्थानीय सर्वेक्षणों के अनुसार इस बार भाजपा को मुसलमान वोट का करीब 23 प्रतिशत हिस्सा मिलने की संभावना है। वहीं, कांग्रेस को करीब 45 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी को करीब 30 प्रतिशत मुस्लिम वोट शेयर मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है। गुजरात की 10 विधानसभा सीट ऐसी है, जहां मुस्लिम वोटर निर्णायक होते हैं। पिछली बार इनमें से आठ सीटें भाजपा के पाले में आयी थीं, क्योंकि मुस्लिमों ने थोक में उसे वोट दिया था। हालांकि यह भी सही है कि भाजपा ने किसी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया है, जबकि उम्मीद की जा रही थी कि मुस्लिम वोटरों को आकर्षित करने के लिए पार्टी एकाध मुस्लिम प्रत्याशी जरूर उतारेगी। इसके इतर कांग्रेस के साथ-साथ आम आदमी पार्टी तक के प्रमुख नेता मुस्लिम हिमायती बनने की होड़ में जुटे हैं। इने आंकड़ों के बीच भाजपा मुसलमानों के बीच अपनी छवि सुधारने की कोशिश में जुट गयी है। लेकिन गुजरात के मुसलमान अब भी दुविधा में हैं। उनकी इसी दुविधा के संभावित असर का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही **के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

गुजरात विधानसभा चुनाव का मैदान सज-धज कर तैयार हो गया है। अब तमाम राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने की कवायद में जुट गये हैं। ऐसे में पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य में एक सवाल बड़ी तेजी से उभर रहा है कि इस बार राज्य के मुसलमान वोटर किसे समर्थन करेंगे। इसके साथ यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि क्या गुजरात में मुसलमान के बारे में बात करने का मतलब चुनाव हारना है।

बात दूसरे सवाल से शुरू करते हैं। छह साल पहले 2016 में अहमदाबाद के एक एनजीओ ह्यूमन डेवलपमेंट एंड रिसर्च सेंटर (एचडीआरसी) ने कुछ सफाईकर्मियों की भर्ती के लिए एक विज्ञापन निकाला था। इस विज्ञापन में लिखा था कि ब्राह्मण, क्षत्रिय, बनिया, पटेल और जैन समुदाय से जुड़े लोगों को प्राथमिकता दी जायेगी। विज्ञापन के नीचे एनजीओ के निदेशक का हस्ताक्षर था। यह विज्ञापन वायरल हो गया था, क्योंकि इसमें ऊंची जातियों को प्राथमिकता देने की बात कही गयी थी। इसे लेकर काफी विवाद हुआ और एनजीओ के ऑफिस पर लोगों ने हमला बोल दिया था। उस समय निदेशक ने इस तरह के विज्ञापन के बारे में कहा था कि ऊंची जातियों में आरक्षण को लेकर विरोध है। ऐसे में वह यह देखना चाह रहे थे कि जो काम दलित सदियों से करते आये हैं, उस काम के लिए ऊंची जातियों को नियुक्त करने की बात की जाये, तो कैसी प्रतिक्रिया होगी। यह तो पता चला गया। कुछ लोगों ने एनजीओ के इस प्रयोग की तारीफ की थी, लेकिन अब 2022 में यही सवाल मुसलमानों के संदर्भ में पूछा जा रहा है। सभी राजनीतिक दल और उनके प्रबंधक इस बात को स्वीकार करते हैं कि गुजरात में मुसलमानों

की बात करना सीधे-सीधे हिंदुओं को नाराज करने के बराबर है और यह विभाजन इतना गहरा हो गया है कि इसे पाटना अब असंभव नहीं, तो मुश्किल जरूर है। शायद यही कारण है कि कांग्रेस के साथ आप भी अब न बिलकिस बानो की बात कर रही है और न मुसलमानों की। ये दोनों पार्टियां अब गुजरात मॉडल और विकास, गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी जैसे आम मुद्दे ही उठा रहे हैं।

अब पहले सवाल पर लौटते हैं कि इस बार गुजरात में मुसलमान वोटर किसका साथ देंगे। भाजपा गुजरात में मुसलमानों को टिकट नहीं देती है, जबकि राज्य में करीब 10 फीसदी मुसलमान हैं। कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव में केवल छह मुसलमानों के टिकट दिया था, जिनमें से तीन को जीत मिली थी। राज्य में 30 से अधिक विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटरों की संख्या 15 फीसदी से ज्यादा है। इनमें से 20 में ये संख्या 20 फीसदी से भी ज्यादा है और 10 में तो मुस्लिम निर्णायक होते हैं। आबादी के लिहाज से देखा जाये, तो राज्य विधानसभा में करीब 18 मुस्लिम विधायक हो सकते हैं। हालांकि किसी भी विधानसभा में उनकी संख्या कभी सात से ज्यादा नहीं रही। कांग्रेस ने मौजूदा चुनाव में छह मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं। आम आदमी पार्टी ने तीन मुस्लिम चेहरों को अपना उम्मीदवार बनाया है।

गुजरात में 30 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान करने वाली एआइएमआइएम ने 28 मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट दिया है। पिछले चुनावों में मुस्लिम वोटरों का झुकाव कांग्रेस की ओर ज्यादा रहा था, लेकिन इस बार स्थिति बदलती नजर आ रही है। इस बार आप के आने से लड़ाई रोचक हो गयी है। जिन सीटों पर एआइएमआइएम ने उम्मीदवार उतारे हैं, वहां मुकाबला और दिलचस्प हो सकता है। मुस्लिम वोटों में अगर बंटवारा होता है, तो इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। ऐसा ही कुछ पिछली बार हुआ था, जब भाजपा ने उन 10 में से आठ सीटों पर जीत हासिल की थी, जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक हैं।

2011 की जनगणना के मुताबिक गुजरात में कुल मुस्लिम आबादी करीब 10 फीसदी है। भुज और भरूच जिलों में मुस्लिमों की संख्या 20 फीसदी से ज्यादा है। वहीं, अहमदाबाद में वेजलपुर, दरियापुर, जमालपुर खाड़िया और दानीलिमड़ा जैसी सीटों पर मुस्लिम निर्णायक भूमिका में हैं। कुल 20 सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाताओं की आबादी 20 फीसदी से ज्यादा है। इनमें से चार अहमदाबाद, तीन-तीन सीटें भुज और भरूच जिले की हैं। जमालपुर खड़िया गुजरात की इकलौती सीट है, जहां मुस्लिम मतदाता 50 फीसदी से भी ज्यादा हैं। यहां कुल मतदाताओं में 61 फीसदी आबादी मुस्लिम मतदाताओं की है। इसके अलावा दाणिलिमड़ा में 48 फीसदी, दरियापुर में 46 फीसदी, वागरा में 44 फीसदी, भरूच में 38 फीसदी, वेजलपुर में 35 फीसदी, भुज में 35 फीसदी, जंबुसर में 31 फीसदी, बापूनगर में 28 फीसदी और लिंबायत में 26 फीसदी मुस्लिम वोटर हैं। 2012 में भी इन 10 में से आठ सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी।

ऐसे में इस बार गुजरात के संभावित त्रिकोणीय मुकाबले में इन 10 सीटों पर पूरे देश की नजर टिकी हुई है, क्योंकि सर्वेक्षण बता रहे हैं कि जीत-हार का अंतर 10 से अधिक नहीं रहेगा। इसलिए गुजरात के मुस्लिम वोटर बेहद महत्वपूर्ण हो गये हैं।

बाघमारा की बेनीडीह साइडिंग में फायरिंग मामला

परिजनों ने उठाये सवाल, क्या गोली चलाना ही अंतिम विकल्प था

सत्येंद्र तिवारी

कतरास (आजाद सिपाही)। शनिवार की मध्य रात्रि में बीसीसीएल के ब्लॉक टू क्षेत्र के बेनीडीह साइडिंग में सीआइएसएफ और कोयला चोरों के बीच मुठभेड़ में चार लोगों की मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण है।

रविवार को मृतकों के परिजनों ने कोयला उत्खनन करने वाली कंपनियों पर मनमानी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को कोल माइंस में नौकरी नहीं दी गयी। हमारी जमीनें ली गयीं। बाघमारा की अधिकांश आबादी बेरोजगार है। बेरोजगारी में लोग कोयला चोरी नहीं करेंगे तो क्या करेंगे। हमारे पास आखिर विकल्प क्या है। एक युवक ने कहा कि मैं मानता हूं कि चोरी अपराध है, लेकिन क्या फायरिंग ही विकल्प था। किसकी अनुमति से गोली चलायी गयी। यदि हमारे लोग दोषी थे, तो गिरफ्तार करते। वहीं एक मृतक की बहन ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता था। पिटाई कर लेते, लेकिन गोली क्यों चलायी। महिला ने कहा कि हमें इंसाफ चाहिए। हमें जवाब चाहिए। परिजन मुआवजे की मांग भी कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ में मारे गये चारों युवक निम्न आय वर्ग के हैं। बताया जाता है कि बेरोजगारी के कारण वे कोयला चोरी का काम करते थे। घटना में घायल युवकों के परिवार की आर्थिक स्थिति भी काफी दयनीय है। मुठभेड़ में मारे गये शहजादा खान की डेढ़ साल की एक बेटी है। पति की मौत की खबर मिलने पर शहजादा की पत्नी रोजिया ने चीखते हुए बताया कि कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि यह अंजाम होगा।

गाड़ी में की गयी तोड़फोड़।

शहजाद। फाइल फोटो

प्रीतम चौहान। फाइल फोटो

अताउल्लाह। फाइल फोटो

ग्रामीणों का आरोप

इस संबंध मे रथटांड के ग्रामीणों ने बताया कि उनके बच्चे कोयला लेने गये थे, लेकिन अबतक उनके बारे में कोई सूचना नहीं मिल रही है। बताया जा रहा है की कुछ शव एनएसएनएमएसीएच में हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस प्रशासन और सीआइएसएफ ने जानबूझ कर हमारे बच्चों को मारा है। उनका कहना है कि बढ़ती बेरोजगारी के कारण बच्चे कोयला बेचकर परिवार का भरण पोषण करते हैं, जिन्हें एक साजिश के तहत मार दिया गया है। परिजनों ने संसद और विधायक के खिलाफ रोष व्यक्त किया है।

प्रशासन के अधिकारी पहुंचे

मुठभेड़ के करीब 12 घंटे बाद आज रविवार को दिन 11:30 बजे उपायुक्त संदीप सिंह के निर्देश पर मामले की जांच को घटनास्थल पर एसडीओ प्रेम कुमार तिवारी, बीडीओ सुनील कुमार प्रजापति और सीओ कमल किशोर सिंह पहुंचे। उन्होंने सीआइएसएफ जवानों और अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। एसडीओ ने कहा कि जानकारी जुटायी जा रही है। अभी चार लोगों की मौत और दो लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। जांच के बाद ही आगे अधिकृत रूप से कुछ कहा जा सकता है।

सीआइएसएफ ने घटना को लेकर कहा

इधर, घटना को लेकर सीआइएसएफ की तरफ से आधिकारिक प्रेस रिलीज जारी की गयी है। इसमें बताया है कि 19 नवंबर को रात के 11:45 बजे जवान बेनिडीह रेलवे साइडिंग की तरफ जा रहे थे, तो पाया कि 4-5 बाइक के जरिये असामाजिक तत्वों द्वारा कोयला चोरी की जा रही है। जवानों ने चेतावनी दी तो वे लोग बाइक छोड़कर भाग निकले। जब जवान 20 नवंबर को 12:15 बजे वापस लौट रहे थे, तो पाया कि 40-50 बाइक पर 90-100 की संख्या में लोग घातक हथियारों से लैस होकर रास्ता रोककर खड़े थे। सीआइएसएफ का दावा है कि उन लोगों ने क्यूआरटी प्रभारी को वाहन से उतारा और कुछ दूर घसीट कर ले गये और हमला किया। एक ग्रुप ने दूसरे क्यूआरटी वाहन पर हमला किया। ऐसे में जवानों ने आत्मरक्षा में हवाई फायरिंग की। भीड़ में शामिल कुछ लोगों को गोली लग गयी। गोली लगने से घायल हुए पांच लोगों को फौरन पीएमसीएच ले जाया गया। वहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि एक को प्राथमिक उपचार के बाद रांची रेफर किया गया। बाद में एक अन्य व्यक्ति को भी इलाज के लिए पीएमसीएच लाया गया, लेकिन हम उसकी पुष्टि नहीं करते।

एसएसपी बोले, जांच के लिए एसआइटी का गठन

बेनीडीह साइडिंग में शनिवार की रात हुई मुठभेड़ मामले में एसएसपी संजीव कुमार ने बताया कि चार लोगों की मौत की बात कही जा रही है, वहीं दो लोग घायल हैं। पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू करेगी। इसके लिए एसआइटी का गठन भी किया जायेगा।

बाघमारा विधानसभा के विभिन्न इलाकों में इन तस्करों का सम्राज्य

1. कतरास थाना क्षेत्र के चैतूडीह : वशिष्ठ चौहान
2. कतरास थाना क्षेत्र के आकाशकिनारी की बंद परियोजना : लोयाबाद निवासी जितेंद्र कुमार
3. सोनारडीह ओपी क्षेत्र में रोहित कर्मकार
4. सोनारडीह ओपी क्षेत्र तिवारीडीह में मिथुन सिंह

सोनारडीह ओपी क्षेत्र के काको लाल चौक : अभय सिंह और चंदन दुबे

5. रामकनाली ओपी क्षेत्र में छोटू रवानी
6. तेतुलमारी थाना क्षेत्र में रतिलाल टुडू
7. तेतुलमारी थाना क्षेत्र में रिंकू महतो
8. बाघमारा थाना क्षेत्र में मुन्ना यादव और अरविंद सिंह व पिंटू महथा

घटना स्थल पर पहुंचे सीआइएसएफ के डीआइजी

घटना स्थल पर पहुंचे सीआइएसएफ के डीआइजी विनय काजला ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पूरे मामले की जांच होगी। साथ ही सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम कैसे हो, इस पर भी विचार किया जायेगा। श्री काजला ने घटना के बारे में बताया कि उनकी पेट्रोलिंग पार्टी रेलवे साइडिंग के तरफ जा रही थी। रास्ते में चार पांच मोटर साइकिल पर लोग चोरी का कोयला ले जाते दिखे, जिसे पेट्रोलिंग पार्टी ने ललकारा तो वे बाइक छोड़ भाग गये। उसके बाद पेट्रोलिंग पार्टी साइडिंग की तरफ चली गयी। वहां सब कुछ सामान्य था।

घातक हथियार लिये हुए थे हमलावर

साइडिंग से लौटते वक्त सीआइएसएफ ने देखा कि 40-50 बाइक पर लगभग एक सौ आदमी घातक हथियार के साथ रास्ता अवरुद्ध कर खड़े हैं। हमलावरों ने पेट्रोलिंग पार्टी के प्रभारी को गाड़ी से खींचकर उतार लिया और घसीटते हुए ले गये। इधर कुछ हमलावर गाड़ी में तोड़फोड़ करने लगे। गाड़ी में फंसे जवानों को अपनी जान और हथियार की चिंता होने लगी। हमलावरों द्वारा छीना-झपटी किये जाने के क्रम में गोली चल गयी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गयी और दो जख्मी हो गये। गोली चलने की आवाज सुनकर साइडिंग पर तैनात जवान जब घटना स्थल की ओर दौड़े, तो हमलावर वहां से भाग खड़े हुए। श्री काजला ने कहा कि सीआइएसएफ के दो जवान जख्मी हुए हैं। वे अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच होगी।

कोने कोने में कोयला तस्करों का बोलबाला

धनबाद जिले की निरसा, बाघमारा एवं बरवाअड्डा कोयला चोरी के अवैध कारोबार की बड़ी मंडी में शुमार है। कहा जाता है कि यहां से प्रतिदिन हजारों टन कोयले की चोरी होती है और इस धंधे में अलग-अलग क्षेत्र में कई सिंडिकेट काम करते हैं। कोयला के अवैध कारोबार से अकेले बीसीसीएल को ही प्रतिदिन लगभग 11 करोड़ का नुकसान हो रहा है। आरोप है कि कोयले का यह अवैध कारोबार पुलिस की मिलीभगत से हो रहा है। सिंडिकेट से जुड़े लोग पुलिस को प्रतिदिन एक निश्चित राशि पहुंचाते हैं। वहीं कथित तौर पर कुछ गिने-चुने पत्रकारों को भी मासिक चढ़ावा चढ़ाया जाता है, जबकि, कुछ स्थानीय पत्रकार भी लाभ से बंधे हुए हैं। पुलिस के वरीय अधिकारियों के संरक्षण में यह कारोबार किया जा रहा है, जिससे सरकार को भी राजस्व की हानि हो रही है।

ओरारी डैम में डूबने से दो छात्रों की मौत

सुधीर सिन्हा

गिरिडीह (आजाद सिपाही)। जिले के जमुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवसिंहडीह स्थित ओरारी डैम में जमुआ के दो छात्र नवनीत कुमार (उम्र लगभग 10 वर्ष) पिता नकुल साव एवं जय कुमार (उम्र लगभग 11 वर्ष) पिता सुभाष अग्रवाल का रविवार को निधन हो गया। परिजनों के अनुसार दोनों मृतक बच्चे संत जोसेफ विद्यालय के छात्र थे। नवनीत कुमार क्लास 6 छठा एवं जय कुमार सप्तम वर्ग का छात्र था। इस बाबत जय कुमार के दादा राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि रविवार दोपहर को मेरा पोता घर से यह कहकर निकला कि आधा घंटा में आ रहे हैं, इस बीच 12 बजे कोई यह कहते हुए आया कि आपका ऐभव उर्फ जय कुमार डैम में डूब गया है। जब हम शिवसिंहडीह स्थित ओरारी डैम आये तो देखा कि मेरा पोता का साइकिल एवं सर्ट-पेंट डैम के आस पास पड़ा हुआ था। इस बीच आस पास के सैकंड़ों ग्रामीण जुट गये और डैम में जाकर खोजबिन करने लगे। काफी जद्दोजहद के बाद, करीब 3 घंटे के बाद ग्रामीणों ने डैम से ऐभव उर्फ जय कुमार के शव को निकालने में सफल हुए।

इधर जमुआ थाना प्रभारी पप्पू कुमार ने बताया कि एक छात्र ऐभव उर्फ जय कुमार का शव एवं आधा घंटे के बाद नवनीत कुमार पिता नकुल साव का शव भी ग्रामीणों के अथक प्रयास से डैम से निकाल लिया गया है। ततपश्चात दोनों छात्रों को अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने जब दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया, तब शव जमुआ थाना लाया गया।

खोरीमहुआ अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार सिंह एवं खोरीमहुआ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश महतो भी जमुआ थाना पहुंचे। दोनों मृतक छात्रों के अभिभावक के आग्रह पर कागजी प्रकिरिया पूरी करने के बाद शव को अभिभावकों को सौंप दिया गया।

सूत्र बताते हैं दोनों मृतक के साथ दो और बच्चे साथ में थे। जब नवनीत कुमार एवं ऐभव उर्फ जय कुमार डैम की गहराई में जाने लगा तो एक दूसरे काफी बचने की प्रयास भी किया। मगर वह गहरा पानी में चला गया। बच्चे की हो हल्ला सुनकर आस पड़ोस में मवेशी चराने वाले दौड़कर डैम में कुछ पानी तक गये भी निकालने के लिए मगर वह असफल रहे। किसी तरह वह भी निकले और परिजनों एवं जमुआ चौक पर सूचना दिया।

इधर जमुआ विधायक केदार हाजरा, प्रखंड़ प्रमुख प्रतिनिधि संजीत उर्फ लाटी यादव, भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष परमेश्वर यादव, भाकपा माले मो असगर अली, उप प्रमुख रब्बुल हसन रब्बानी, बंटी यादव, अरुण वर्मा, झामुमो अध्यख निजामुदीन उर्फ चिना खान आदि ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है।7

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No.1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.2 ℃	10.7 ℃
सूर्यास्त (आज)	:	17.02 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.06 बजे

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 21 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक दल के नेता ने सीएम पर साधा निशाना

भ्रष्टाचार में लिप्त हेमंत सरकार को उखाड़ फेकेंगे : बाबूलाल

पीसीसी पथ का शिलान्यास करते पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, सांसद संजय सेठ, आदित्य साहू और रामकुमार पाहन समेत अन्य।

भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते बाबूलाल मरांडी।

- भगवान बिरसा मुंडा अनगड़ा पार्क का उद्घाटन
- मिलन चौक पर तोरणद्वार का उद्घाटन
- हेसल चौक में तोरणद्वार का उद्घाटन
- खोपी सरना हाइस्कूल में कमरा का शिलान्यास
- गोंदलीपोखर में पीसीसी पथ का शिलान्यास
- चिलदाग में पीसीसी पथ का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

फुटबाल मैच का उद्घाटन करते बाबूलाल मरांडी साथ में रामकुमार पाहन, प्रदीप वर्मा और अन्य।

अनगड़ा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने झारखंड की वर्तमान हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त हो गयी है। अब इसे उखाड़ फेकेंगे। राज्य की गठबंधन सरकार ने झारखंड की जनता को छलने का काम किया है। चारों तरफ लूट मची हुई है। इस सरकार के आने के बाद झारखंड में विकास कार्य ठप हो गया और भ्रष्टाचार अपने चरम पर पहुंच गया है। आये दिन इनकी भ्रष्टाचार की गाथा हमें सुनने को मिलती है। लेकिन अब इस सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है।

भाजपा की सरकार बनी तो समस्याएं दूर होंगी

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनी तो समस्याओं को दूर करने का काम किया जायेगा, क्योंकि भाजपा जनता की चिंता करती है, ना कि अपने परिवार की। वर्तमान गठबंधन सरकार सिर्फ और सिर्फ अपने परिवार की चिंता करती है। उन्हें जनता की परेशानियों से कोई लेना देना नहीं है।

मरांडी ने कहा कि झारखंड बनने के बाद भाजपा की सरकार ने ही गांवों का विकास किया। पीएमजीएसवाइ से गांवों में रास्ते बनवाये गये। गांव-गांव में बिजली पहुंचायी गयी।

सीएम बनने के बाद मैंने गांव को बिजली और सड़क देने का काम किया

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल ने कहा कि मैं भी एक शिक्षक था। इसलिए मैं शिक्षा के महत्व को समझ सकता हूं। शिक्षा से ही विकास का मार्ग प्रसस्त होता है। शिक्षा के लिए जरूरी है बिजली और सड़क। बिजली और सड़क, ये दोनों चीजें शिक्षा के लिए बेहद अहम हैं। इसलिए मुख्यमंत्री बनने के बाद मैंने गांवों में बिजली पुहंचाने के साथ-साथ सड़क को प्राथमिक्ता में रख कर काम किया।

कुछ दूर मैं साइकिल की सवारी करता था तो कुछ दूर साइकिल मेरी सवारी करती थी

बाबूलाल ने कहा कि जब मैं छोटा था तो पैदल ही स्कूल जाया करता था। मेरे कई साथी साइकिल से आया करते थे। मैंने अपने पिता से साइकिल मांगी तो उन्होंने धान बेचकर मेरे लिए साइकिल ले ली। अब साइकिल तो आ गयी, लेकिन समस्या थी कि यह चलेगी कहां, क्योंकि गांव में तो सड़क ही नहीं थी। इसलिए कुछ दूर मैं साइकिल पर सवार होता तो कुछ दूर साइकिल को अपने कंधे पर लादकर उसे अपनी सवारी करानी पड़ती थी। इसलिए जब मैं मुख्यमंत्री बना, तो मुझे ये सब बातें याद थीं और मैंने सड़क और बिजली को प्राथमिकता दी।

जब मेरे काफिले को रोककर ग्रामीणों ने बिजली की मांग की

बाबूलाल ने कहा कि जब वे मुख्यमंत्री बने, तो एक कार्यक्रम में शामिल होने वह महुआडांड़ जा रहे थे। महुआडांड़ जाने के क्रम में कुछ ग्रमीणों ने मेरे काफिले को रोक दिया। यह देख मैं गाड़ी से बाहर निकला और उनसे बात की। उन्होंने कहा कि गांव में बिजली नहीं है। आप हमारे गांव में बिजली दो। मैंने तुरंत इस पर निर्णय लेते हुए अधिकारियों से बात की और उस गांव में जल्द से जल्द बिजली पहुंचाने का निर्देश दिया। कुछ ही दिनों में उस गांव में बिजली पहुंच गयी। तब मैं फिर से उसी गांव में उद्घाटन के लिए जा रहा था, तब फिर से ग्रामीणों ने मुझे रोक दिया। मैंने उनसे कहा कि अब क्यों रोका, अब तो बिजली आ गयी है। तब उन ग्रामीणों ने कहा कि बिजली तो आ गयी, लेकिन उस बिजली से एक व्यक्ति की मौत हो गयी है। पहले उसका मुआवजा दिया जाये। यह सुनकर मुझे लगा कि शायद किसी अधिकारी की गलती से यह हादसा हुआ होगा। मैंने पता लगाया, तो पता चला कि वह व्यक्ति खंभे पर चढ़कर यह देखने की कोशिश कर रहा था कि बिजली होती कैसी है। इसलिए मैं कहता हूं कि शिक्षा बहुत जरूरी है और शिक्षा से ही देश और राज्य का विकास हो सकता है।

इस दौरान कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, जेटीयू के कुलसचिव डॉ अमर कुमार चौधरी, भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार महतो, वरिष्ठ भाजपा नेता जाकिर खान, प्रभु दयाल बड़ाइक, डॉ रिझू नायक, रामनाथ महतो, विजय महतो, सिकंदर अंसारी, नरेश साहू, उमेश बड़ाइक, दुर्गा महतो, राजेंद्र महतो, सुनील महतो, प्रमोद सिंह, रामसाय मुंडा, कामेश्वर महतो, सत्यदेव मुंडा, अनुराधा मुंडा, माधुरी देवी, किरण देवी, घनेनाथ महतो, सुरेश महतो, जगेश्वर महतो, अगामलाल महतो, मनेश महतो, कविता देवी, रंथा महली, धनीराम महतो, बनमाली महतो, रेखा देवी आदि मौजूद थे।

बिजली सप्लाई सामान्य नहीं हुई, तो देंगे धरना : संजय सेठ

रांची से भाजपा सांसद संजय सेठ ने कहा कि बिजली सभी वर्गों की एक आवश्यक संसाधन है। भाजपा के शासनकाल में बिजली की समस्या नहीं थी। छात्र, किसान, व्यवसायी को बिजली के प्रति इतनी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता था। किंतु वर्तमान हेमंत सरकार बिजली कटौती करके अपनी नाकामी को स्पष्ट प्रदर्शित कर रही है। झारखंड सरकार हर मामले में विफल रही है। मुख्यमंत्री ने तीन वर्षों में एक हजार करोड़ रुपये चेहरा चमकाने के लिए फ्लैक्स पर खर्च दिया है, लेकिन राज्य के बच्चों को पढ़ने के लिए बिजली नहीं मिल रही है। 48 घंटे में बिजली आपूर्ति सामान्य नहीं हुई, तो भाजपा धरना पर बैठेगी।

अंतिम व्यक्ति की चिंता करती है बीजेपी :आदित्य साहू

राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस के शासनकाल में जितने भी राज्यसभा सांसद बने, किसी का भी क्षेत्र में विकास के प्रति समर्पण भाव नहीं था। लेकिन भाजपा के शासनकाल में राज्यसभा सांसदों के द्वारा विकास का कार्य तेजी से बढ़ा है और मैंने सबसे पहले विद्यालय में विकास के लिए विभिन्न मदों में करोड़ों की स्वीकृति प्रदान की है। मैं एक गांव के किसान परिवार में जन्मा हूं। इसलिए मेरी सबसे पहली प्राथमिकता गांव में सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा का स्तर को दुरुस्त करना है।

भ्रष्टाचार के काले कारनामों का इतिहास रचने वाली सरकार का नाम है हेमंत सरकार : दीपक प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि राज्य के संवैधानिक पद पर बैठे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को संवैधानिक संस्थाओं का और न्यायालय का सम्मान करना चाहिए। जब इडी ने उन्हें पूछताछ के लिए समन जारी किया तो झामुमो और कांग्रेस वालों ने ऐसी राजनीतिक नौटंकी और बयानबाजी की, जैसे वे कोई भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करके आये हों, आजादी की लड़ाई लड़कर आये हों, या जैसे कोई जनता को राहत पहुंचाने वाला कार्य करके आय हों। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री को यह याद रखना चाहिए कि वे भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। इसलिए इडी ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया है। उन्होंने कहा कि जब इडी ने मुख्यमंत्री से पूछताछ की तो उन्हें कुछ याद नहीं आ रहा है। उन्हें ये भी याद नहीं है कि पंकज मिश्रा, अमित अग्रवाल, पूजा सिंघल, डाहु यादव कौन है। प्रकाश ने कहा कि जब से राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार बनी है, तब से लेकर आज तक राज्य में लगातार अवैध खनन, टेंडर मैनेज करना जैसे कार्य सरकार के संरक्षण में चल रहे हैं। आज राज्य के किसी भी सरकारी विभाग में हाथ डालने से काजल ही काजल मिलता है। प्रकाश ने कहा कि जिस प्रकार से राज्य की जनता का समर्थन और सहभागिता भाजपा के कार्यक्रम में

देखने को मिला, इससे यह साबित होता है कि राज्य की जनता भ्रस्ट हेमंत सरकार से आजिज आ चुकी है और निजात पाना चाहती है।

आज से 25 नवंबर तक सभी जिला मुख्यालयों में भाजपा का प्रदर्शन

भाजपा द्वारा सात नवंबर से लेकर 14 नवंबर तक राज्य के प्रखंडों व मंडलों में आयोजित हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ प्रदर्शन के बाद अब भाजपा 21 से 25 नवंबर तक सभी जिला मुख्यालयों में हेमंत सरकार के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन करेगी। 21 नवंबर को रांची में प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश करेंगे, तो वहीं नेता विधायक दल एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी 22 नवंबर को चाईबासा में, 24 को गिरिडीह एवं 25 को दुमका जिला में आयोजित आक्रोश प्रदर्शन में शामिल होंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा 22 नवंबर को गुमला में, 23 नवंबर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास धनबाद में, 24 नवंबर को केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी पलामू में प्रदर्शन में शामिल होंगी। वहीं 21 नवंबर को साहेबगंज में सुनील सोरेन एवं अमित मंडल, 22 नवंबर को सिमडेगा में कोचे मुंडा, सुबोध सिंह गुड्डू, कोडरमा में पीएन सिंह एवं प्रणव वर्मा, खूंटी में संजय सेठ और मुनेश्वर साहू, प. सिंहभूम में बाबूलाल मरांडी एवं किसलय तिवारी, सरायकेला-खरसावां में दिनेश उरांव एवं अमरदीप यादव, गुमला में अर्जुन मुंडा एवं प्रदीप वर्मा, 23 नवंबर को हजारीबाग में सीपी सिंह और पवन साहू, देवघर में सुनील कुमार सिंह, जामताड़ा में अनंत ओझा एवं अपर्णा सेन गुप्ता, बोकारो में रवींद्र कुमार राय एवं मनोज सिंह, गढ़वा में डॉ दिनेशानंद गोस्वामी एवं श्याम नारायण दुबे, लोहरदगा में समीर उरांव एवं अभयकांत प्रसाद, धनबाद में रघुवर दास एवं जेपी पटेल, रामगढ़ में विद्युतवरण महतो एवं नीलकंठ सिंह मुंडा, 24 नवंबर को पूर्वी सिंहभूम जिला में जयंत सिन्हा एवं नवीन जायसवाल, पलामू में अन्नपूर्णा देवी एवं शिवशंकर उरांव, लातेहार में सुदर्शन भगत एवं आदित्य साहू, गिरिडीह में बाबूलाल मरांडी ,चतरा में वीडी राम एवं बालमुकुंद सहाय, गोड्डा में बिरंची नारायण एवं मिस्त्री सोरेन, पाकुड़ में यदुनाथ पांडेय तथा अमर कुमार बाउरी तथा 25 नवंबर को दुमका जिला में बाबूलाल मरांडी एवं गंगोत्री कुजूर उपस्थित रहेंगे। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

26 नवंबर को मुख्य न्यायाधीश आयेंगे रांची

ज्यूडिशियल एकेडमी में आयोजित सेमिनार में होंगे शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाइ चंद्रचूड़ 26 नवंबर को रांची आयेंगे। वह 'कानून और प्रौद्योगिकी के माध्यम से समकालीन न्यायिक विकास और न्याय' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इस सेमिनार में झारखंड हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन और अन्य जज भी शामिल होंगे। रांची के धुर्वा स्थित ज्यूडिशियल एकेडमी में यह सेमिनार होगा। सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ पहली बार झारखंड आ रहे हैं। इसको लेकर तैयारियां तेज कर दी गयी हैं।

राजकीय सम्मान के साथ हुई डॉ सबा अहमद की अंत्येष्टि

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। संयुक्त बिहार में लालू प्रसाद यादव की सरकार में कद्दावर मंत्री रहे डॉ सबा अहमद का पार्थिव शरीर रविवार को गिरिडीह के बोरो सिथत आवास पहुंचा। वहां उनका अंतिम दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य लोग जुटे थे। सीएम के निर्देश पर उनके शव को राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्दे-ए-खाक किया गया। उनके आवास पर ही उन्हें अंतिम सलामी दी गयी। इस मौके पर सूबे के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, गांडेय विधायक सरफराज अहमद, डीसी नमन प्रियेश लकड़ा, एसपी अमित रेनू, एएसपी हरीश बिन जमा, डीएसपी संजय राणा, पूर्व मंत्री चंद्रमोहन प्रसाद, पूर्व विधायक लक्ष्मण स्वर्णकार, अधिवक्ता प्रकाश सहाय, कांग्रेस नेता सतीश केडिया, नरेश वर्मा समेत कई नेता और पचंबा के स्थानीय लोग मौजूद थे।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष परिस्थिति में सुधार, महत्वपूर्ण कार्य में सफलता,धनलाभ, शुभ समाचार मिलेगा।

वृष प्रेम-प्रसंग में सफलता, विरोधियों पर विजय, पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

मिथुन व्यावसायिक स्थिति में निरंतर मजबूती बढ़ेगी, शत्रु पराभूत होंगे, आकस्मिक धनलाभ होगा।

कर्क अनेक रचनात्मक काम शुरू होंगे, मानसिक परेशानियों में कमी होगी।

सिंह धर्म-समाज के प्रति दायित्व पूरे होंगे, गृह-भूमि-वाहन का सुख, आमदनी के स्रोत बढ़ेंगे।

कन्या संतानपक्ष से हर्षदायक समाचार की प्राप्ति होगी, इच्छित कार्य में सफलता, मन प्रसन्न रहेगा।

तुला कानूनी उलझनों से छुटकारा, रोग-शोक-दुःश्चिंताओं से मुक्ति मिलेगी।

वृश्चिक जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी, संपत्ति बढ़ेगी

धनु सरकारी नौकरी से जुड़े लोग खुशहाल रहेंगे, गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा।

मकर कामकाज की स्थिति बेहतर होगी, परिश्रम-प्रयत्न से वांछित उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे।

कुंभ जमीन-मकान, आवास, वाहन संबंधी समस्या का समाधान मिलेगा, राजकीय उलझने दूर होगी।

मीन कार्य की अधिकता, रोजगार-व्यवसाय में समस्याओं के समाधान का रास्ता निकलेगा।

झारखंड में नगर निकाय चुनाव को लेकर तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है

झारखंड में क्रिसमस से पहले नगर निकाय चुनाव, जल्द की जायेगी तारीखों की घोषणा

राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव की तिथि निर्धारित कर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में क्रिसमस के पहले नगर निकायों का चुनाव संपन्न करा लिया जायेगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव की तिथि निर्धारित कर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है।

झारखंड में नौ नगर निगम, 20 नगर परिषद और 19 नगर पंचायत मिलाकर कुल 48 नगर निकायों का चुनाव कराना है। इनमें 13 नगर निकायों का चुनाव पहले से लंबित चला आ रहा है। शेष निकायों का कार्यकाल

अगले साल अप्रैल में खत्म हो रहा है। संवैधानिक प्रावधानों के तहत छह महीने पूर्व चुनाव कराया जा सकता है। इसलिए सरकार ने सभी निकायों का एक साथ चुनाव कराने का फैसला लिया है। राज्य निर्वाचन आयोग के प्रस्ताव पर नगर विकास विभाग को तारीख पर अंतिम फैसला लेना है। चुनाव के कार्यक्रम पर राज्यपाल की औपचारिक सहमति लेनी होगी। राज्यपाल की सहमति के बाद नगर विकास विभाग इससे संबंधित अधिसूचना जारी करेगा फिर चुनाव आयोग चुनाव के कार्यक्रम की जानकारी देगा।

चुनाव आयोग चुनाव की तैयारी को लेकर लगातार जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा कर रहा है। जिलों में नगर निकायों की नयी मतदाता सूची, मतदान केंद्रों, वार्डों के आरक्षण का रोस्टर तैयार कर इसकी पूरी सूची राज्य निर्वाचन आयोग को भेजा जा चुका है। मतगणना केंद्र के बारे में भी चुनाव आयोग ने जिला निर्वाचन पदाधकारियों से रिपोर्ट मांगी है। चुनाव आयोग निकायों में चुनाव की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। निकायों में मतदाता सूची व आरक्षण रोस्टर का प्रकाशन, वार्डों का परिसीमन, मतदान केंद्रों और स्ट्रांग रूम का गठन किया जा चुका है। चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक फोर्स का आकलन कर शांतिपूर्ण मतदान कराने की पूरी योजना पहले ही तैयार कर ली गयी है। राज्य निर्वाचन आयुक्त लगातार जिलों के उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं।

बाबा मंदिर नहीं जा सके राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस के बाबा मंदिर आगमन को लेकर मंदिर में पूरी तैयारी की गयी थी, लेकिन अंतिम समय में उनका मंदिर का कार्यक्रम रद्द हो गया। हालांकि उनके परिवार के लोग मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। दरअसल, राज्यपाल के आगमन को देखते हुए उनके स्वागत के लिए मंदिर कार्यालय को फूलों से आकर्षक तरीके से सजाया गया था। इधर, कार्यक्रम को देखते हुए 11 बजे के करीब दो घंटे तक आम श्रद्धालुओं के बाबा मंदिर में प्रवेश पर रोक लगा दी गयी थी।

बनाया गया था छोटा पंडाल

झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस के देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर में आगमन पर हाथ-पैर

प्रशासन ने की थी पूरी तैयारी, परिवार के लोगों ने की पूजा

धोने के लिए छोटा पंडाल भी बनाया गया था। इसके साथ ही संकल्प पूजा के लिए फूल, बेलपत्र, नैवेद्य सहित पांच वैदिक पंडित भी तैयार थे। सुरक्षा के लिए मंदिर प्रभारी सह एसडीएम दीपांकर चौधरी सहित पुलिस बल की तैनाती की गयी थी। इस क्रम में राज्यपाल का कार्यक्रम रद्द होने के बाद मंदिर को सूचना मिली कि उनके कुछ रिश्तेदार पूजा करने आयेंगे। इन्होंने बाबा मंदिर आकर पूजा अर्चना की। इन्हें पुरोहितों ने पूजा करायी।

दो घंटे तक प्रवेश पर रोक

राज्यपाल रमेश बैस के रिश्तेदार करीब 12:50 बजे मंदिर पहुंचे। सभी को स्टेट पुरोहित श्रीनाथ पंडित की अगुवाई में पांच वैदिक पंडितों ने पूजा करायी। अंत में राज्यपाल के पुश्तैनी पुरोहित गोपाल शास्त्री ने विधिवत संकल्प कराया। उसके बाद सभी को बाबा बैद्यनाथ एवं माता पार्वती की पूजा करायी गयी। इधर, कार्यक्रम को देखते हुए 11 बजे के करीब दो घंटे तक आम श्रद्धालुओं के बाबा मंदिर में प्रवेश पर रोक लगा दी गयी थी।

आध्यात्मिक ज्ञान, कर्मकांड का अगुआ है मिथिला समाज : दीपक प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मिथिला मंच की ओर से रविवार को अरगोड़ा तालाब के समीप स्थित लेक गार्डन बैंक्वेट सभागार, रांची में कैलेंडर विमोचन सह परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर सांसद और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि मिथिला मंच समाज का सरपंच है। यह समाज को अपनी समृद्ध विरासत, संस्कृति के साथ आईना, दृष्टि दिखाता है। इस संस्कृति की सभ्यता, भाषा केवल देश में ही नहीं, विदेशों में भी विशिष्ट पहचान रखती है। अत्यंत लोकप्रिय है। जब कभी आध्यात्मिक ज्ञान का अभाव महसूस होता है, कर्मकांड और अन्य विषयों पर समाज को जरूरत लगती है, मैथिली समाज अगुआ बनता है। आजादी की लड़ाई से लेकर भाषा संस्कृति, नारी संस्कृति की सुरक्षा, इसके संवर्धन में इस समाज का विशिष्ट योगदान है। मिथिला समाज की ओर से पहनाए गये पाग और दिये गये सम्मान के लिए वे सदा एक कार्यकर्ता की भांति इस समाज के साथ बने रहेंगे। इस दौरान मंच पर विधायक सीपी सिंह, नवीन जयसवाल, मेयर आशा लकड़ा, मिथिला मंच के मनोज मिश्रा, मिथिलेश कुमार मिश्रा, श्रीपाल झा, वरिष्ठ पत्रकार विजय कुमार पाठक समेत कई गणमान्य अतिथि भी मौजूद थे। मनोज मिश्रा ने बताया कि इस साल सबसे पहले मिथिला मंच ने नववर्ष का कैलेंडर जारी किया है। 25 हजार कैलेंडर मिथिला समाज और अन्य लोगों के बीच निःशुल्क वितरित किये जायेंगे। इसकी डिमांड विदेशों में भी खूब है। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत में सभी अतिथियों, विशिष्ट जनों को पाग पहनाया गया। पुष्प गुच्छ के साथ स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए।

अरगोड़ा-कटहल मोड़-दलादली तक चौड़ी होगी सड़क, प्रक्रिया शुरू

215 करोड़ की आयेगी लागत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अरगोड़ा से दलादली तक करीब आठ किमी सड़क चौड़ी होगी। इस सड़क को बनाने में करीब 215 करोड़ से अधिक की लागत आने का आकलन किया गया है। इस राशि में आवश्यक जमीन भी ली जायेगी। पथ निर्माण विभाग ने दो चरणों में इस सड़क के निर्माण की मंजूरी दी है। पथ प्रमंडल रांची ने इसके निर्माण के लिए प्रक्रिया शुरू की है। टेंडर भी जल्द निकलेगा। पहले चरण में अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ तक 5.30 किमी सड़क का चौड़ीकरण-मजबूतीकरण होना है। इसमें कुछ दूर तक सड़क दो लेन बनेगी। घनी आबादी के बाद रोड चार लेन बनाया जायेगा। अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड निर्माण में करीब 198 करोड़ रुपये लागत आयेगी। वहीं,पथ निर्माण विभाग ने कटहल मोड़ से दलादली तक रोड बनाने की भी प्रक्रिया प्रारंभ की है। 2.07 किमी इस रोड का भी चौड़ीकरण-मजबूतीकरण किया जाना है। इसके काम में 18.36 करोड़ लागत आयेगी। कटहल मोड़ से दलादली रिंग रोड को जोड़ने वाली यह रोड काफी महत्वपूर्ण है। यह सड़क आगे जाकर एनएच 75 में रातू-कांठीटांड और इधर लालगुटवा रोड एनएच 23 को भी जोड़ता है। वर्तमान में भी अरगोड़ा-कटहल मोड़ तक की रोड काफी व्यस्त है। हजारों वाहन इसके जरिये इटकी रोड एनएच 23 को निकलते हैं। यह रातू रोड जाने के लिए भी सुगम है। ऐसे में दो चरणों में अरगोड़ा-कटहल मोड़-दलादली रिंग रोड सड़क के चौड़ीकरण-मजबूतीकरण हो जाने ट्रैफिक काफी सुगम हो जायेगा।

रांची में पांच साल बाद होगी यूनिफाइड कमांड की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में नक्सल क्षेत्रों के विकास और नक्सलियों पर नकेल के लिए पांच साल बाद आगामी दो दिसंबर को झारखंड मंत्रालय में यूनिफाइड कमांड की बैठक होगी। गौरतलब है की इससे पहले जून 2017 में यह बैठक हुई थी। इसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव करेंगे। इस बैठक में नक्सल क्षेत्रों में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा से लेकर सुरक्षा विकास योजनाओं की समीक्षा से लेकर सुरक्षा समन्वय और अन्य उन सभी बिंदुओं पर चर्चा होगी, जो नक्सल पर नकेल के लिए जरूरी है। केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में साल 2019 में दिल्ली के उग्रवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलायी गयी थी। इस बैठक में सभी राज्यों को यूनिफाइड कमांड की बैठक लगातार करने का सुझाव दिया गया था, पर ऐसा हो नहीं पाया।

रांची नगर निगम मेयर के एकल पद को एससी सीट करने का विरोध

आदिवासी सामाजिक संगठनों ने बंधु तिर्की को सौंपा ज्ञापन

आदिवासी मूल निवासियों को विभाजित करने का राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा है यह कृत्य, नौकरशाहों ने राज्य सरकार को गुमराह किया है : बंधु

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र रांची नगर निकाय चुनाव में एसटी आरक्षित सीट को हटाकर एससी सीट करने का आदिवासी सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है। इसी के तहत रविवार को झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर बंधु तिर्की ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर समस्त आदिवासी संगठनों का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें अपनी भावना से अवगत करायेगा।

एकता को छिन्न-भिन्न करने का षड्यंत्र

बंधु तिर्की ने कहा कि रांची नगर निगम के मेयर के एकल पद को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित करना आदिवासी, दलित, पिछड़ों की एकता को छिन्न-भिन्न करने का षड्यंत्र है। यह जानते हुए भी कि रांची आदिवासी बहुल जिला है, जो पांचवीं अनुसूचित जिलों में से एक है। राज्य के नौकरशाही द्वारा जानबूझकर इसे अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित कर दिया गया, ताकि आदिवासियों और दलितों को एक दूसरे के खिलाफ भड़काया जा सके। रांची शहरी क्षेत्र की लगभग 15 लाख 11 हजार की आबादी में भी अनुसूचित जनजातियों की संख्या अनुसूचित जाति समुदाय से अधिक है।

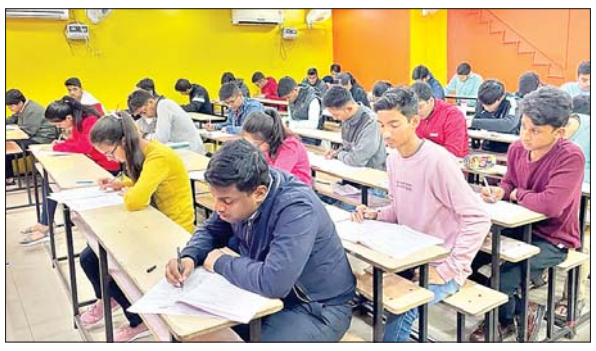

फिर किस आधार पर इसे अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। निश्चित रूप से यहां के आदिवासी मूल निवासियों को विभाजित करने का राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा है और नौकरशाहों ने राज्य सरकार को गुमराह किया है। नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत सहित विभिन्न वार्डों में आदिवासी, दलित, पिछड़ों के सम्मानजनक प्रतिनिधित्व का समर्थन करते हैं, ताकि सभी की समुचित भागीदारी सुनिश्चित हो और शहर के विकास में सभी का योगदान हो। हम राज्य सरकार से आग्रह करते हैं। नगर निगम, नगर पंचायत चुनाव को लेकर जारी पदों के आरक्षण रोस्टर नियमावली की त्रुटियों को दूर करें।

ब्रदर्स ऐकेडमी की प्रवेश परीक्षा ऑफलाइन मोड में आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नये सत्र के लिए रविवार को ब्रदर्स ऐकेडमी के विभिन्न कोर्स में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन सफलता पूर्वक हुआ। प्रवेश परीक्षा ऑफलाइन मोड में आयोजित की गयी थी जिसमें विभिन्न सत्रों में कुल मिलाकर 1225 से उपर की संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे। अभ्यर्थियों ने प्रश्न पत्र के पैटर्न और पूछे गये प्रश्नों की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस पैटर्न की परीक्षा से ही वास्तविक मेधा का चयन संभव है। जो छात्र आज की प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुए हैं, वे ब्रदर्स एकेडमी की अगली ग्रैंड-स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट 18 दिसंबर में भाग ले सकते हैं जो कि ऑफलाइन मोड में नये सत्र के लिए आयोजित की जायेगी। जी-सैट आवेदन पत्र ऑनलाइन ttp://www.brothersacademy.co.in/admissions.php पर भरा जा सकता है। साथ ही आवेदन पत्र रांची में हमारे लालपुर या डोरंडा परिसर से भी प्राप्त किए जा सकते हैं और भरे जा सकते हैं।

डीएसपीएमयू के कुलपति लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

अवार्ड शैक्षिक और प्रशासनिक योगदान के लिए प्रदान किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। एएस कॉलेज देवघर में भारतीय आर्थिक परिषद एवं आर्थिक परिषद बिहार की ओर से आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दो दिवसीय सेमिनार के उदघाटन के दौरान राज्यपाल रमेश बैस ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया।

यह अवार्ड भारतीय आर्थिक परिषद के द्वारा डॉ तपन कुमार शांडिल्य को उनके लंबे शैक्षिक और प्रशासनिक योगदान के लिए प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि वर्तमान में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य एक अर्थशास्त्री होने के साथ-साथ इसके पूर्व में नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय, बिहार और वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुलपति और भागलपुर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति के तौर पर अपनी अकादमिक और प्रशासनिक योग्यता के लिए जाने जाते रहे हैं। इसके अतिरिक्त अपनी लंबी सेवाअवधि के दौरान उन्होंने बिहार के कई महत्वपूर्ण महाविद्यालयों में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। इसके साथ प्रो शांडिल्य पूर्व में भारतीय आर्थिक परिषद के अध्यक्ष के तौर पर भी कार्यरत रहे हैं। राज्यपाल रमेश बैस के द्वारा सम्मानित होने के बाद तपन कुमार शांडिल्य ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष रूप से राज्यपाल महोदय के हाथों यह सम्मान प्राप्त होना एक गौरवान्वित करने वाला पल है। इसके आगे शैक्षिक दिशा में क्या योगदान दिया जाये , यह चिंतन करने की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर उस दो दिवसीय सेमिनार में उपस्थित कुलपति डॉ सोनझरिया मिंज, झारखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ टीएन साहू, कोल्हान विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो शुक्ला मोहंती, भारतीय आर्थिक परिषद के मुख्य संयोजक डॉ अनिल कुमार ठाकुर, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के डॉ के एल वर्मा एवं अन्य उपस्थित लोगों के अलावा ृ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय परिवार ने उन्हें इस विशिष्ट उपलब्धि के लिये बधाई दी है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

रूपरेखा तैयार : राजधानी में होने वाले एक्सपो उत्सव की तैयारी शुरू

24 नवंबर से मोरहाबादी मैदान में लगेगा मेला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेसीआइ रांची का बहुचर्चित एक्सपो 24 नवंबर से मोरहाबादी मैदान में लग रहा है। 28 नवंबर तक चलने वाले इस एक्सपो में कई इवेंट कराये जायेंगे। एक्सपो चीफ को-ऑर्डिनेटर अभिषेक केडिया ने बताया कि इस बार एक्सपो के पांचों दिन मुफ्त परामार्श और निःशुल्क जांच शिविर लगाया जा रहा है। डिवाइन हॉस्पिटल के द्वारा एंट्री टिकट के साथ 36 डिस्काउंट वाउचर रहेंगे। इसके अलावा रोजाना कुछ नया रहेगा, जैसे कि फैशन शो, तंबोला, हेल्दी बेबी एंड मॉम शो, वॉयस ऑफ एक्सपो, डॉग शो, एक्सपो ट्रेजर हंट, पेंटिंग कंपिटीशन, फैंसी ड्रेस कंपिटीशन, एक्सपो ढिंचक ढा जैसे इवेंट होंगे।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष एक्सपो में नया बहुत कुछ रहेगा, जैसे कि क्यूआर कोड सिस्टम रहेगा, जिससे कि एक्सपो के अंदर आते ही लोग क्यूआर कोड स्कैन करके सभी स्टॉल की जानकारी ले सकते हैं। निरंतर प्रयास हो रहा है कि रांची के लोगों के लिए एक्स्पो को आकर्षक बनाया जाये, ताकि लोग उसका लुफ्त उठा सकते हैं। इस साल एक्सपो में बैंक ऑफ बड़ौदा, ब्रदर्स अकादमी, डिवाइन हॉस्पिटल, नींव प्ले स्कूल, स्वर्णभूमि बैंक्वेट, अल्पाइन मांगो टांगो, प्रभुजी नागपुर, गजानंद ज्वेलर्स, बगला सिक्योरिटी, स्पाइडर फाइबर, प्रांजल फोटोग्राफी और फोटोन गैलेक्सी प्रायोजक हैं। इस कार्यक्रम में संयोजक सिद्धार्थ जयसवाल और अमन सिंघानिया थे और कार्यक्रम में संस्था के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व सचिव, पूर्व एक्स्पो कोऑर्डिनेटर और अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

वार्ड 11 में 2 करोड़ 43 लाख की योजना का शिलान्यास

रांची (आजाद सिपाही)। रांची नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 11 में विकास कार्य प्रगति पर है। वार्ड के कई गली मोहल्लों में सड़कें एवं पुरानी जर्जर नालियां बनायी जा रही हैं। इसी कड़ी में पार्षद रंजू सिंह की अनुशंसा पर वार्ड के लोगों को एक सौगात मिली है। नगर विकास विभाग द्वारा 2 करोड़ 43 लाख की योजना का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय और वार्ड पार्षद रंजू सिंह ने किया। निर्माण कार्य का शिलान्यास होने से लोगों में खुशी की लहर दौड़ गयी है। स्थानीय लोगों की कई वर्षों से सड़कें और नालियां समस्या रही हैं। विशेषकर पुरानी और जर्जर हो चुकी नालियों से लोग काफी परेशान थे। कांटा टोली की यह मुख्य सड़क है जो की कई मोहल्लों को जोड़ती है। अब निर्माण हो जाने के बाद कांटा टोली के लोगों को काफी राहत मिलने वाली है। शिलान्यास के दौरान डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय ने कहा कि मैं यहां की समस्या के अवगत हूं और इस का निवारण होता देख खुशी हो रही है। मौके पर पार्षद रंजू सिंह ने कहा वार्ड में विकास का कार्य काफी तेज गति से हुआ है जहां से समस्या आयी है उसे मैंने पूरी निष्ठा से हल किया है। शिलान्यास में डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, पार्षद रंजू सिंह, पूर्व पार्षद अभय सिंह, झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैश अध्यक्ष मुजीब कुरैशी, पार्षद प्रतिनिधि गुलाम जावेद, पार्षद सहयोगी सदाम कुरैशी, मोहन राम, हाजी मिन्हाज, टिंकु राम, नौशाद, हसीब खान, परवेज कुरैशी, सहित कई प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

20 लावारिस शवों का मुक्ति संस्था ने किया दाह-संस्कार

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज रिम्स में लावारिस पड़े शवों का रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। रिम्स में पिछले कई माह से 20 शव लावारिस पड़े हुए थे। इससे पहले विधि विधान के साथ दाह संस्कार की रस्म भी की गयी। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया सहित अन्य सदस्यों ने दाह संस्कार से पहले ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। फिर उन्हें लवारिश शवों को मुखाग्नि दी गयी। बता दें कि मुक्ति संस्था पिछले 5 वर्षों से लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करते आ रही है। इसमें शहर के कई बड़े व्यवसाई शामिल हैं, जो लावारिस शवों को मुक्ति प्रदान कर रहे हैं।

मुरी में रक्तदान शिविर का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। स्वास्थ्य इकाई मुरी में रांची रेल मंडल एवं रिम्स रांची के संयुक्त सहभागिता से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक प्रदीप गुप्ता द्वारा किया गया। विशेष रूप से आज की परिस्थिति में थैलेसीमिया एवं अन्य वैसी बीमारियों से ग्रसित मरीज जिसमें खून की बड़ी मात्रा में आवश्यकता होती है, उन मरीजों को ध्यान में रखते हुए आज स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस एकदिवसीय शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एस के मिश्रा एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर झरिया कच्छप के मार्गदर्शन में किया गया। रक्तदान शिविर में 77 व्यक्तियों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर झरिया कच्छप ने स्वयं भी इस शिविर में रक्तदान किये। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर मनीषा वर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर ब्रजेश साहू,वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक तंगबालन एस एवं अन्य अधिकारी तथा स्वास्थ्य इकाई मुरी के कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सरकार जल्द फैसला ले : शिक्षक संघर्ष मोर्चा

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश शिक्षक संघर्ष मोर्चा के संयोजक विजय बहादुर सिंह, अमीन अहमद, प्रेम प्रसाद राणा, एवं ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि वर्तमान परिस्थिति में राज्य सरकार कई नीतिगत फैसले राज्य कर्मियों के हित में ले रही है। वैसी परिस्थिति में सूबे के शिक्षकों को सरकार का सहयोग करना आवश्यक प्रतीत होता है। विरोध मार्च का आयोजन तब होना चाहिए जब सरकार की और से सुनवाई न हो। कुछ संघ सिर्फ अपने हित की बात कर रहे हैं, शिक्षकों को गुमराह कर रहे हैं। आज शिक्षक एक बार फिर से अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। जबकि झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य कर्मियों के समस्याओं के प्रति गंभीर माने जाते हैं। जल्द ही झारखंड प्रदेश शिक्षक संघर्ष मोर्चा शिक्षकों की सेवानिवृति उम्र सीमा 60 से 62 करने, छठे वेतनमान की अनुशंसा के अनुरूप पे फिक्सेशन का लाभ, एमएसीपी एवं अन्य मांगों की पूर्ति एवं शिक्षा हित में राज्य के शिक्षकों एवं छात्रों के विभिन्न समस्याओं के निदान के लिए यथाशीघ्र मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा सचिव से मिलकर वार्ता करेगी।

धीरेंद्र प्रताप सिंह बने श्रीराम सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष

रांची/ पलामू। मेदिनीनगर निवासी धीरेंद्र प्रताप सिंह श्री राम सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के पलामू जिलाध्यक्ष बनाये गये हैं। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीतांबर महाराज ने उन्हें पलामू जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस बाबत पितांबर महाराज ने कहा कि धीरेंद्र प्रताप सिंह सामाजिक व्यक्ति है और लोगों के बीच उनकी छवि अच्छी है। उनके नेतृत्व में ना सिर्फ श्री राम सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट अपने उद्देश्यों को हासिल करेगा बल्कि समाज सेवा में भी एक मुकाम बनाएगा। वही धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी उसका भी पूरी जिम्मेवारी से निर्वाह करेंगे।

झारखंड विधानसभा के 22वें स्थापना दिवस समारोह में होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची । झारखंड राज्य विधानसभा के 22वें स्थापना दिवस समारोह के रूप में 23 नवंबर को झारखंड विधानसभा के द्वारा नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ रांची और पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च नई दिल्ली के साथ 'केंद्र-राज्य संबंध' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह भारत में पहली बार इस तरह की अकादमिक पहल राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सहयोग से एक विधानसभा द्वारा की जा रही है।

सम्मेलन का उद्देश्य भारत के संविधान में संरचित संविधानसभा द्वारा परिकल्पित भारत की संघीय संरचना और केंद्र-राज्य संबंधों की वर्तमान स्थिति पर विचार-विमर्श करना है। केंद्र-राज्य संबंधों के दस महत्वपूर्ण पहलुओं को विचार-विमर्श के लिए चुना गया है। वे हैंः केंद्र और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का वितरण, भारत में राज कोषीय संघवाद, अखिल भारतीय सेवाएं और केंद्र राज्य संबंध, संघवाद पर न्यायपालिका, भारतीय संघवाद के साथ राज्यपाल की भूमिका और कार्य, संघीय ढांचे में केंद्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका, भारत में राजकोषीय और प्रशासनिक संघवाद के साथ-साथ अंतर-राज्य परिषदों का कामकाज, स्थानीय स्वशासन और भारतीय संघवाद, केंद्र-राज्य संबंध और सुशासन पर इसका प्रभाव, केंद्र-राज्य संबंध और कोविड-19 महामारी और भारत में सहकारी संघवाद।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के कुलपति प्रसिद्ध शिक्षाविद और देशभर के विद्वान उपरोक्त विषयों पर भाषण देंगे। सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र-राज्य संबंधों के संदर्भ में मामलों की वर्तमान स्थिति पर अकादमिक प्रश्नों को लाना होगा। सम्मेलन में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों की मिसालों पर प्रकाश डाला जायेगा।

बाल विवाह, बाल श्रम, अशिक्षा का उन्मूलन आवश्यक है : राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि समाज से बाल विवाह, बाल श्रम, अशिक्षा का उन्मूलन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बाल विकास एवं कुपोषण को दूर करने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है लेकिन अभी भी इन क्षेत्रों में कार्य करने के साथ अन्य क्षेत्रों यथा बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल एवं स्वच्छता सुविधा की दिशा में बहुत सक्रियता से काम करने की जरूरत है। राज्यपाल रविवार को विश्व बाल दिवस के अवसर पर यूनिसेफ द्वारा होटल बीएनआर चाणक्य में बाल पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने बच्चों द्वारा बाल सम्मेलन के संचालन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए सभी को जिम्मेदारी के साथ मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि आज बच्चों पर पढ़ाई का अत्यधिक बोझ चिंता का विषय है, अभिभावक भी चिंतित रहते हैं लेकिन समझना चाहिए कि बच्चों का मस्तिष्क समय के साथ विकसित होता है। इसलिए बच्चों पर अधिक दबाव उचित नहीं है। देश के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा है कि सपने देखना चाहिए और लक्ष्य निर्धारित कर उस पथ पर अनवरत आगे बढ़ना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि पढ़ाई के साथ सामान्य ज्ञान भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा के लिए बहुत से साधन मौजूद हैं लेकिन उसका सदुपयोग करना चाहिए, न कि दुरुपयोग।

राज्यपाल के समक्ष बाल पत्रकारों ने अपने भविष्य के संदर्भ में विचारों को प्रकट किया। उन्होंने कार्यक्रम में बाल पत्रकारों को विभिन्न मुद्दों पर खुल कर अपने विचार और मंतव्य प्रकट करने, मंच संचालन, सामाजिक कुरीतियों पर प्रस्तुत किये गए नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर झारखंड प्रमुख, यूनिसेफ डॉ कनीनिका मित्र, राष्ट्रमंडल राष्ट्रमंडल खेल में रजत पदक विजेता दिनेश कुमार समेत यूनिसेफ के सदस्यगण व बाल पत्रकारगण उपस्थित थे।

भारतीय जनतंत्र मोर्चा की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष, धर्मेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में भाजमो के कार्यकर्ताओं एवं झारखंड पिपुल्स अंगेस्ट करप्शन (जेपैक) के सदस्यों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गयी। बैठक में रांची नगर निगम अंतर्गत आनेवाले वार्डों के प्रत्याशी चयन एवं समर्थन पर चर्चा की गयी। बैठक में श्री तिवारी ने कहा कि शीघ्र ही झारखंड पिपुल्स अंगेस्ट करप्शन (जेपैक) का संकल्प पत्र एवं उद्देश्य आमलोगों के लिए पब्लिक डोमेन में जारी कर दिया जायेगा।

श्री तिवारी ने भाजमो के कार्यकर्ताओं एवं जेपैक के सदस्यों में से कुछ का चयन कर वार्ड संयोजक बनाया एवं 14 वार्डों की जिम्मेवारी देते हुए उन्हें कहा कि आपलोग प्रत्येक वार्ड से पांच व्यक्तियों को चुनकर एक समूह बनाये एवं जनता के बीच जाकर उनकी बुनियादी समस्याओं से संबंधित एक सूची तैयार करे एवं निगम के पदाधिकारियों से संपर्क कर उन समस्याओं के निराकरण हेतु ईमानदारी से प्रयास करे। बैठक में पीएन सिंह, जॉन तिर्की, ओम प्रकाश, उदय शंकर तिवारी, आशीष शीतल, अंजू कुमारी, रेणु तिवारी, डॉ सत्यप्रकाश, डॉ रजनीकांत, मनोहर कुमार, शिवानी लता, मनोज सिंह, सहित अनेक जेपैक सदस्य उपस्थित थे।

रोटरी एवं योगदा सत्संग के नये आई हॉस्पिटल का उद्घाटन

स्वार्थरहित सेवा के लिए दुनिया में विख्यात है रोटरी : वैंकटेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आंख की रेटिना के जिस इलाज में करीब 50 रुपये तक खर्च होता है, या अन्य कोई परेशानी, सभी तरह का इलाज रोटरी वाइएसएस अस्पताल, स्टेशन रोड रांची में अब पूरी तरह से निःशुल्क होगा। इलाज की यह सुविधा रोटरी रांची एवं योगदा सतसंग द्वारा संयुक्त रूप से संचालित नये आंख के अस्पताल में मिलेगी। यहां रेटिना से संबंधित सभी तरह की बीमारियों का इलाज बिल्कुल मुफ्त किया जायेगा। किसी दूसरे हॉस्पिटल में इस इलाज पर करीब 50 हजार रुपये तक का खर्च आता है। क्लब की ओर से रेटिना की सर्जरी के लिए लगभग 45 लाख रुपये की मशीन भी अस्पताल को डोनेट की गयी है। रेटिना माइक्रोस्कोप मशीन भी लगायी गयी है।

रोटरी इंटरनेशनल के डायरेक्टर एपी वेंकेटेश ने बतौर मुख्य अतिथि इस अस्पताल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोटरी को अपनी स्वार्थरहित सेवाओं के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। क्लब के लाखों सदस्य अपने योगदान से इस सेवा को हमेशा स्थापित करते रहे है।

डिस्ट्रिक्ट 3250 के रोटरी गवर्नर संजीव ठाकुर ने कहा कि रोटरी रांची का कार्य हमेशा से उत्कृष्ट रहा है। इस नये अस्पताल के जरिये रोटरी राँची ने अपनी सेवा भावना की सोच को फिर से दोहराने का काम किया है। प्रोजेक्ट चेयरमेन मुकेश तनेजा ने कहा कि क्लब अपने सेवाभाव के सफर में लगातार आगे बढ़ रहा है। यह अस्पताल भी क्लब की इसी सोच का प्रतीक है। हमारा मानना है कि मानव सेवा से बड़ा कोई कर्म नहीं है। डॉ अनंत सिन्हा ने कहा कि रोटरी एवं योगदा सतसंग के इस नये आई हॉस्पीटल में अत्याधुनिक मशीनों से आंखों का इलाज किया जायेगा। ग्लूकोमा के इलाज के अलावा रेटिना की भी जांच अत्याधुनिक मशीन से होगी। सर्जरी फेको विधि से होगी। अस्पताल में आई ओपीडी, अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर, 6 बेड का आई वार्ड, ऑप्टिकल शॉप आदि सुविधाएं होंगी। यहां रियायती दरों पर चश्मे दिये जायेंगे। पूर्ण स्वचालित मशीन से चश्मे के नंबर की जांच होगी। मौके पर जोगेश गंभीर, राजीव मोदी, डाक्टर आर भरत, गोपाल खेमका, राजन गंड़ौत्रा, पूनम ठाकुर, रेखा सिंह, क्लब सचिव हितेश भगत, मास्टर ऑफ शिरोमणि शाहिद पॉल, मनोज तिवारी, सुमित अग्रवाल, भंडारी लाल, एसके मल्होत्रा, राजेश नाथ शाहदेव, आदित्य मल्होत्रा, ललित त्रिपाठी, अमित अग्रवाल, जसदीप सिंह विनय छपड़िया, गिरीश अग्रवाल, अजयदीप वाधवा, हेमंत गुप्ता, सुजाता गुप्ता, प्रवीण राजगढ़िया उपस्थित थे।

अखिल भारत वर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अखिल भारत वर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक बिहार क्लब रांची के सभागार में हुई। अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी एवं समाज के लोगों का स्वागत महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बजरंग वर्मा ने की। बैठक का संचालन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रविंद्र वर्मा ने की। इस अवसर पर ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि चंद्रवंशी महासभा झारखंड में अपने बलबूते मैदान उतरेगी समाज के प्रत्याशियों को तन मन धन से मदद किया जायेगा। श्री चंद्रवंशी ने कहा कि झारखंड सरकार नगर निगम चुनाव में अत्यंत पिछड़ा वर्ग के भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। उनको उनके हक से वंचित कर रही है। अगर हमारे हक अधिकार से वंचित किया गया, तो हम कोट का दरवाजा खटखटायेंगे।

झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बजरंग वर्मा ने कहा कि इस चुनाव में अधिक से अधिक वार्ड पार्षद एवं मेयर डिप्टी मेयर बनाने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। रविंद्र वर्मा ने कहा कि चैन मानसी समाज के लोग एकजुट होकर नगर निगम चुनाव में उतरें। बैठक में सर्वसम्मति से बालमुकुंद दिवाकर को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया जबकि शालू चंद्रवंशी को झारखंड प्रदेश महामंत्री एवं विजय चंद्रवंशी को झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गया बैठक में राजेंद्र सिंह रामजी सिंह बिंदु वर्मा राजन वर्मा पप्पू चंद्रवंशी संजय सिंह चंद्रवंशी विजय चंद्रवंशी अजय सिंह उमेश कुमार अविनाश आर्य चंद्रवंशी अमित वर्मा गणेश सिंह सिद्धू सुजीत नाग वाला प्रतिमा चंद्रवंशी सहित राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने अपनी बातों को रखा।

गैस्ट्रो लिवर, पेनक्रियाज, क्लिनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लालपुर थाना के सामने (आनंद कंपलेक्स) ओल्ड एचबी रोड लालपुर रांची में चिकित्सा गैस्ट्रो लिवर, पेनक्रियाज, क्लिनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर का शुभारंभ धर्मेंद्र तिवारी, केन्द्रीय अध्यक्ष भारतीय जनतंत्र मोर्चा के शुभ हाथों से किया गया। क्लीनिक का संचालन डॉक्टर अंतरिक्ष कुमार तथा डा मेहा मानसी के द्वारा किया जायेगा।

डॉक्टर अंतरिक्ष कुमार ने एमबीबीएस की डिग्री एमजीएम मेडिकल कॉलेज जमशेदपुर तथा एमडी मेडिसिन एम्स नई दिल्ली से गैस्ट्रोलॉजी में डीएम की पढ़ाई भारत की अग्रणी संस्थान पीजीआइ चंडीगढ़ से किया है। डॉक्टर अंतरिक्ष कुमार एंडोस्कोपी, कालोनॉस्कोपी, इआरसीपी, पॉलिपेक्टोमी तथा वेरिएसिल बैंडिंग में सिद्धहस्त है। इस क्लीनिक में पेट की बीमारियां अल्सर, पीलिया, पेनक्रिएटाइटिस, मल विसर्जन में कठिनाई, लीवर की बीमारियां, कब्ज, कोलाइटिस इत्यादि का इलाज हो सकेगा।

डॉ मानसी ने पैथोलॉजी में डीएनबी पुणे के दीनानाथ मंगेशकर हॉस्पिटल से किया है। उनकी महारत हिस्टो पैथोलॉजी में है। चिकित्सा में सभी प्रकार के पैथोलॉजिकल जांच की भी सुविधा उपलब्ध है। इस अवसर पर श्री तिवारी ने कहा झारखंड के लिए गौरव की बात है। डॉक्टर अंतरिक्ष कुमार से जनता जनार्दन को लाभ मिलेगा। इनके प्रतिभा को समझ रहे हैं। इस उद्घाटन समारोह में मोहम्मद जावेद खान प्रोपराइटर जेजे इंफोटेक, डॉ मनोरंजन कुमार जमुआर, आशीष शीतल, निरंजन सिंह, कुमार आदित्य, कुमार प्रभाकर, इरफान उल हक, कृष्ण प्रसाद, मनोज सिंह, शिवानी लता, अंशुल शरण, निरंजन जमुआर उपस्थित थे॥

280 फिल्में, 79 देश, 9 दिन, एक इफ्फी, कोई बहाना नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, इफ्फी का 53वां संस्करण, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम, तलेगाओ, गोवा में रंगारंग उद्घाटन समारोह के लिए तैयार है। महोत्सव का यह संस्करण फिल्म प्रतिनिधियों के लिए 280 फिल्मों का एक गुलदस्ता प्रस्तुत कर रहा है, जो उन्हें 79 देशों के लोगों के जीवन, आकांक्षाओं और संघर्षों में खुद को लीन करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। जोर-शोर से जारी महोत्सव की तैयारियों के बीच, महोत्सव निदेशक और प्रबंध निदेशक, एनएफडीसी रविंदर भाकर; सीईओ, ईएसजी स्वेतिका सचान; महानिदेशक, पीआईबी, मोनीदीप मुखर्जी; और अपर महानिदेशक, पीआईबी, प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने आज पणजी की ओल्ड जीएमसी बिल्डिंग में कर्टेन-रेजर - या कहें, कर्टन-फ़्लायर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

महोत्सव का आरंभ डाइटर बर्नर द्वारा निर्देशित ऑस्ट्रियाई फिल्म, अल्मा एंड ऑस्कर के प्रदर्शन से होगा। आरंभिक फिल्म के लिए रेड कार्पेट दोपहर 2 बजे आईनॉक्स-आई, पणजी में शुरू होगा। इसके बाद फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। वहीं महोत्सव का समापन पोलिश फिल्म करज़िस्तोफ जानुसीज परफेक्ट नंबर के प्रदर्शन से होगा।

समापन फिल्म के लिए रेड कार्पेट 28 नवंबर को दोपहर 2 बजे आईनॉक्स-आई, पणजी में शुरू होगा। इसके बाद फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। मर्सिडीज ब्रायस मॉर्गन द्वारा जर्मनी, कनाडा और अमरीका में स्थापित 2022 की फिल्म फिक्सेशन मिड-फेस्ट फिल्म होगी। 'इंडियन पैनोरमा' में भारत की 25 फीचर फिल्में और 19 गैर-फीचर फिल्में दिखाई जाएंगी, जबकि 183 फिल्में इंटरनेशनल प्रोग्रामिंग का हिस्सा होंगी। गांवों के लोगों तक पहुंच कायम करने की पहल के रूप में पूरे गोवा में कारवां लगाए जाएंगे और फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। ओपन एयर बीच स्क्रीनिंग भी की जाएगी। महोत्सव के निदेशक ने सूचित किया कि प्रसारण एवं सूचना मंत्रालय की पहल '75 क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो' का दूसरा संस्करण एक अन्य आकर्षण होगा। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के प्रतीक के रूप में अनेक फिल्म निमार्ताओं को सम्मानित किया जाएगा। महोत्सव के निदेशक ने मीडिया को बताया कि 118 अंतर्राष्ट्रीय फिल्मी हस्तियों ने महोत्सव में उपस्थित रहने की पुष्टि की है, जिनमें करजिस्तोफ जानूसी, लव डियाज, नादव लापिड, जिन्को गोटोह, मैडी हैसन, जॉन लॉयड क्रूज, जेनेसिस रोड्रिग्ज, मार्क ओसबोर्न, जियोन क्यू ह्वान, डैनियल गोल्डहैबर और नतालिया लोपेज गैलार्डो शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 221 भारतीय फिल्मी हस्तियों ने महोत्सव में उपस्थित रहने की पुष्टि की है, जिनमें अजय देवगन, सुनील शेट्टी, वरुण धवन, कृति सेनन, प्रभुदेवा, मनोज बाजपेयी, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, शेखर कपूर, राणा दग्गुबत्ती, मणिरत्नम, एआर रहमान, पंकज त्रिपाठी, परेश रावल, अक्षय खन्ना, कल्कि कोचलिन, यामी गौतम, दिनेश विजान, इलियाना डिक्रूज, आर बाल्की, अनुपम खेर और भूषण कुमार शामिल हैं।

अपर महानिदेशक, पीआईबी, प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने पीआईबी की ओर से सार्वजनिक संचार और मीडिया सुविधा प्रबंधों के संबंध में बनाई गयी योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मीडिया प्रत्यायन के लिए 500 से अधिक पत्रकारों ने आवेदन किया है और लगभग 420 आवेदनों को प्रॉसेस किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मीडिया प्रतिनिधि कार्ड का वितरण पहले ही शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि पीआईबी महोत्सव के विभिन्न पहलुओं के संबंध में फोटो और मल्टीमीडिया प्रेस विज्ञप्ति/इफ्फी क्रॉनिकल्स, अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू और देश की अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में लेकर आ रहा है। पीआईबी मीडिया कांफ्रेंस का आयोजन कर रहा है या जिसे हम फिल्म निमार्ताओं और फिल्मी हस्तियों और मीडिया और महोत्सव के प्रतिनिधियों के बीच इफ्फी टेबल टॉक्स कहकर पुकार रहे हैं। इन सत्रों को पीआईबी इंडिया के यूट्यूब चैनल पर भी सीधे प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के साथ लोगों के जुड़ाव, दिलचस्पी और भागीदारी में सुधार लाने के लिए पीआईबी सोशल मीडिया कम्युनिकेशन के साथ भी इन्हें जोड़ रहा है; जिसके लिए हम कम्युनिकेशन के रचनात्मक स्वरूपों जैसे मीम्स और कस्टम वीडियो का भी उपयोग कर रहे हैं। पीआईबी महोत्सव का ई-न्यूजलेटर इफिलॉयड भी जारी करेगा, जिसकी शुरूआत हमने इफ्फी के 52 वें संस्करण के साथ की थी।

महत्वपूर्ण न्यूज

पर्यावरण एवं जल संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए अर्चित आनंद सम्मानित

रांची (आजाद सिपाही)। विश्व युवा केंद्र,चाणक्यपुरी, नयी दिल्ली के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अर्चित आनंद को पर्यावरण एवं जल संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान करने हेतु सम्मानित किया गया। नयी दिल्ली में आयोजित मिट्टी फाउंडेशन एवं श्यामनारायण फाऊंडेशन के कार्यक्रम सह पुरस्कार समारोह में म्यूजिक मंत्रा 2022 के माध्यम से स्पेशल बच्चों ने लोकगीत के माध्यम से बांधा शमां। इस अवसर पर अर्चित आनंद ने बोलते हुए कहा कि संगीत में वो जादू है, जिसके माध्यम से बेजान वस्तुओं में भी जान आ जाती हैं। संगीत के माध्यम से विशेष बच्चों के जीवन में भी अब गुणात्मक सुधार हो रहा है। मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सह जेडीयू संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि विशेष बच्चों की प्रस्तुति देखने के बाद यह वाकई में विश्वास हो गया की संगीत इनके ऊपर जादू की तरह काम करता है। कार्यक्रम में मिट्टी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रमोद कुमार सुमन,अध्यक्ष चंदन कुमार सहित कई लोगों ने अपने विचार रखे।

झारखंड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप संपन्न

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड पावरलिफ़्टर्स एसोसिएशन की दो दिवसीय चैंपियनशिप का रविवार को दूसरा एवं अंतिम दिन कार्यक्रम हुआ। हरमु रोड स्थित जैन भवन में चैंपियनशिप प्रारंभ हुई। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि रांची के वरीय अधीक्षक किशोर कौशल ने शनिवार को किया। उन्होंने खेल के क्षेत्र में इस प्रकार के आयोजन की काफी सराहना की। चैंपियनशिप में झारखंड के विभिन्न जिलों से 200 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। चैंपियनशिप में मुख्यतः डेडलिफ्ट, स्कॉट एवं बेंच प्रेस की कैटेगिरी में चैंपियनशिप हुई। इसमें महिला एवं पुरुष की अलग अलग कैटेगिरी रखी गई। जूनियर में 23 वर्ष तक के प्रतियोगी एवं सीनियर में 23 वर्ष से अधिक के प्रतियोगी रहे। प्रतियोगिता में कुल 12 कैटेगिरी है।

सरकार गंभीर है, तो बहाली का आधार पंचायत एवं प्रखंड को बनाये : राजेंद्र प्रसाद

रांची (आजाद सिपाही)। शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के द्वारा शिक्षक नियुक्ति में खतियानी को नौकरी देने की बात कहे जाने पर मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री की भावना का हम सम्मान करते हैं, लेकिन इसके लिए सरकार को ईमानदारी पूर्वक पहल करनी होगी । उन्होंने कहा कि कानूनी अड़चनें को भी समझना पड़ेगा। प्रसाद सुझाव देते हुए कहा कि खतियानी लोगों की नौकरी देनी है, तो चतुर्थ वर्ग की नियुक्ति के लिए पंचायत को आधार बनाने और तृतीय वर्ग के लिए प्रखंड को आधार बनाना होगा। प्रसाद कहा इसके लिए खतियानी लोगों को 10 प्रतिशत ग्रेस मार्क्स के साथ राज्य सरकार अपने अधिकार आर्टिकल 16-4 का भी उपयोग करे। तभी खतियानी लोगों को तृतीय और चतुर्थ वर्ग की नौकरी मिल सकेगी। प्रसाद ने राजनीतिक दलों से नियोजन नीति के मामले पर राजनीति नहीं नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा झारखंडियों के अधिकार के लिए सरकार और प्रतिपक्ष मिलकर काम करें। प्रसाद ने कहा कि संविधानिक प्रतिक्रिया का पालन करते हुए सरकार पिछड़ी जातियों के साथ- साथ मूलवासी सदान से आने वाले सवर्ण समुदायों के लोगों का भी जातीय जनगणना और सामाजिक आर्थिक राजनीतिक स्थिति की सर्वेक्षण कराए जिससे कानूनी दांवपेंच से बचा जा सके। प्रसाद ने कहा ऐसा ना हो कि जिस तरह से पंचायत और नगर निकाय चुनाव में ओबीसी को उनके अधिकार से वंचित किया गया उसी तरह झारखंडियों को शिक्षक नियुक्ति में वंचित ना होना पड़े। प्रसाद ने कहा कि अब सरकार की जिम्मेदारी है ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की है तो ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की ईमानदारी पूर्वक पहल करे। प्रसाद ने कहा कि झारखंड के मूलवासी सदानों को अधिकार देना है तो कानूनी प्रक्रिया को पूरा करना होगा। इसके लिए सदान समुदाय से आने वाले सभी लोगों का जातीय जनगणना के साथ सामाजिक आर्थिक राजनीतिक स्थिति कि सर्वेक्षण कराना होगा तभी खतियानी लोगों को खास कर मूलवासी सदानों को उनका अधिकार मिल सकेगा।

इडी जांच का दायरा पूर्ववर्ती रघुवर सरकार के कार्यकाल तक बढ़ाये : विजय शंकर नायक

रांची (आजाद सिपाही)। आदिवासी मूलवासी जन अधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह हटिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कहा है कि इडी ने अपनी चार्ज शीट में यह स्पस्ट कहा है कि साहिबगंज मे हुए अवैध उत्खनन की जांच में यह पता चला है की पूर्ववर्ती रघुवर सरकार के कार्यकाल में 233 रैक रेलवे साइडिंग से बाहर गए और हेमंत सोरेन के कार्यकाल में मात्र 18 रैक ही रेलवे साइडिंग से बाहर भेजे गये। इसके वावजूद भी इडी रघुवर सरकार के कार्यकाल की जांच क्यों नहीं कर रही है। यह झारखंड की जनता इडी से जानने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि वोट से पराजित भारतीय जनता पार्टी अब इडी के माध्यम से सरकार को अस्थिर करने में लगी हुई है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में साहिबगंज में अवैध खनन व्यापक रूप से किया गया। जिसे झारखंड की दलित, आदिवासी और मूलवासी अब बर्दाश्त नहीं करेंगे।

'क्यों गरीबों का साथी बना, बन गया तो साथ निभाना पड़ेगा'

रांची (आजाद सिपाही)। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में रविवार को मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष की उत्पन्ना एकादशी उत्सव अत्यंत उल्लासपूर्ण वातावरण में पूर्ण भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। प्रातःकाल में श्री श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर विभिन्न प्रकार के फूलों जैसे गुलाब, जूही, बेला, मोगरा, गैंदा एवं तुलसी दल से मनभावन श्रृंगार किया गया साथ ही मन्दिर में विराजमान शिव परिवार एवम बजरंगबली का भी इस अवसर पर विषश श्रृंगार किया गया। रात्रि 9 बजे श्री श्याम देव के जयकारों के बीच ज्योत प्रज्वलित कर भक्तगण कटारब्रध होकर ज्योत में आहुति प्रदान कर मंगलमय जीवन की कामना कर रहे थे। श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा संगीतमय संकीर्तन प्रारंभ कर भजनों की अमृतवर्षा की गयी। श्याम नाम मुख से बोल भाई काम आवेगो... अलबेली इनकी सरकार रटेजा श्याम प्यारे... श्याम तेरा साथ हमको दो जहाँ से प्यारा है... हम तुम्हारे थे प्रभु जी तुम हमारे हो... इत्यादि भजनों की लय पर देर रात तक भक्तगण श्री श्याम प्रभु को रिझाते रहे । इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान - फल - मेवा का भोग अर्पित किया गया। रात्रि 12 बजे महाआरती व प्रशाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश सारस्वत, ओम जोशी, चंद्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, विवेक ढांढनियां, विकाश पाडिया, ज्ञानप्रकाश बगला, सुदर्शन चितलंगिया, अजय साबू, अरुण धानुका, जीतेश अग्रवाल एवं श्याम सुंदर पोद्दार का विशेष सहयोग रहा।

एक नये अंतरिक्ष युग की शुरुआत

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान इसरो देश में अंतरिक्ष कार्यक्रम को लगातार नयी ऊंचाइयों पर ले जा रहा है और अब इसने अपने अभियान में निजी कंपनियों को भी जोड़ लिया है। इसी सिलसिले में 18 नवंबर को सुबह 11.30 बजे देश का पहला निजी राकेट विक्रम-एस आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित कर-के इसरो ने भारत में एक नये अंतरिक्ष युग की शुरुआत की।भारत के महान वैज्ञानिक और इसरो के संस्थापक डॉ विक्रम साराभाई के नाम पर इस राकेट का नाम विक्रम-एस रखा गया है। देश में किसी निजी कंपनी के पास लांच पैड नहीं होने के कारण इस राकेट को इसरो के माध्यम से प्रक्षेपित किया गया और इस मिशन को इसने प्रारंभ नाम दिया है। इस राकेट को 15 नवंबर को प्रक्षेपित किया जाना था, परंतु उस दिन मौसम खराब होने के कारण इसे 18 नवंबर के लिए स्थगित कर दिया गया था। 545 किलो वजनी तथा 0.375 मीटर व्यास का 6 मीटर लंबा यह राकेट आवाज की गति से 5 गुणा अधिक तेज अर्थात हाईपरसोनिक गति से एक विदेशी और दो घरेलू कंपनियों के तीन उपग्रह अपने साथ लेकर अंतरिक्ष की ओर गये। पूरी तरह कार्बन फाइबर से निर्मित दुनिया का यह पहला आल कंपजिट राकेट है अर्थात इसमें धातु का इस्तेमाल कम किया गया है। इसकी मुड़ने की क्षमता को संभालने के लिए इसमें आम इंजनों की तुलना में अधिक विश्वसनीय थ्री डी प्रिंटेड सॉलिड थ्रस्टर्स युक्त क्रायोजेनिक इंजन लगाये गये हैं। इसमें आम ईंधन के स्थान पर किफायती और प्रदूषण मुक्त ठोस ईंधन का इस्तेमाल किया गया है। राकेट ने अपने साथ लेकर जाने वाले तीनों उपग्रहों को कक्षा में स्थापित कर दिया। यह 89.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंचा तथा इसने 121.2 किलोमीटर की दूरी तय की (जैसी कि इसके निमार्ताओं स्काईरूट एयरोस्पेस ने योजना बनायी थी)। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्द्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन स्पेस) के अध्यक्ष पवन गोयनका ने स्काईरूट को राकेट प्रक्षेपण के लिए अधिकृत की जाने वाली पहली भारतीय कंपनी बनने पर बधाई देते हुए इसे भारत में अंतरिक्ष के क्षेत्र में कदम रखने जा रहे निजी क्षेत्र के लिए बड़ी छलांग तथा नयी शुरुआत बताया है, जिसके इस अभियान में इसरो ने सहायता की है। इसरो के अध्यक्ष डॉ एस सोमनाथ तथा केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह देश के पहले निजी प्रक्षेपण के साक्षी बने। अतः भविष्य में इस दिशा में भारतीय अंतरिक्ष उद्योग के नयी ऊंचाइयों पर पहुंचने की प्रबल संभावना है।

545 किलो वजनी तथा 0.375 मीटर व्यास का 6 मीटर लंबा यह राकेट आवाज की गति से 5 गुणा अधिक तेज अर्थात हाईपरसोनिक गति से एक विदेशी और दो घरेलू कंपनियों के तीन उपग्रह अपने साथ लेकर अंतरिक्ष की ओर गये।

अभिमत
आजाद सिपाही

न्यायमूर्ति दिनेश महेश्वरी के नेतृत्व में बहुमत ने कहा कि (क) आर्थिक मानदंड आरक्षण का एकमात्र आधार हो सकता है। (ख) इडब्ल्यूएस आरक्षण निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों पर लागू किया जा सकता है (ग) कि इडब्ल्यूएस आरक्षण से सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को बाहर करना सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पुनः केशवानंद भारती ने प्रतिपादित बुनियादी संरचना सिद्धांत का उल्लंघन नहीं है।

योग्यता, उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की आवश्यकता

मनीष तिवारी

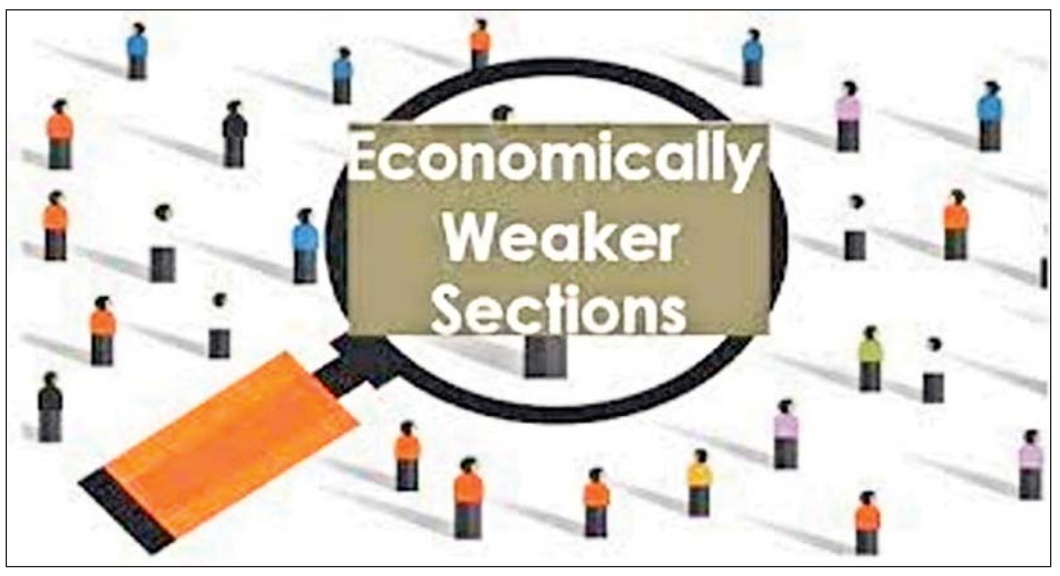

निकट भविष्य के लिए मानव सभ्यता के भविष्य को अत्याधुनिक तकनीकी नवाचारों द्वारा आचार दिया जाएगा जो मानवता को एक भौतिक सभ्यता के चौराहे पर खड़ा करेगा जो शताब्दियों से विकसित हुई है और एक आभासी सभ्यता अभी भी आकार ले रही है।

जनहित अभियान बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने संविधान में 103वें संशोधन को बरकरार रखा। इस प्रकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (इडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण की स्वीकृति प्राप्त हुई। इडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत तक आरक्षण प्रदान करने के लिए 103वें संविधान संशोधन ने धारा 15 (6) और 16 (6) को जोड़ कर क्रमशः अनुच्छेद 15 और 16 को संशोधित किया।

यह 10 प्रतिशत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी को बाहर करता है जिनके पास पहले से ही 49.5 प्रतिशत तक का आरक्षण है। इसलिए शीर्ष अदालत के समक्ष 3 सवाल थे :

1. क्या 103वां संशोधन आरक्षण के आधार के रूप में आर्थिक मानदंड पेश करने के लिए संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन था?

2. क्या 10 प्रतिशत आरक्षण के दायरे में निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों को शामिल करना मूल ढांचे का उल्लंघन है?

3. क्या एससी, एसटी और ओबीसी को इडब्ल्यूएस आरक्षण के दायरे से बाहर करना संवैधानिक रूप से स्वीकार्य था?

दिलचस्प बात यह है कि न्यायमूर्ति रविंद्र भट्ट द्वारा लिखित और मुख्य न्यायाधीश ललित (सेवानिवृत्त होने के बाद से) द्वारा शामिल किया गया।

5 में से 3 न्यायाधीशों ने इन सभी सवालों का नकारात्मक जवाब दिया तथा विवादित संशोधन को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति दिनेश महेश्वरी के नेतृत्व में बहुमत ने कहा कि (क) आर्थिक मानदंड आरक्षण का एकमात्र आधार हो सकता है।

(ख) इडब्ल्यूएस आरक्षण निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों पर लागू किया जा सकता है (ग) कि इडब्ल्यूएस आरक्षण से सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को बाहर करना सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पुनः केशवानंद भारती ने प्रतिपादित बुनियादी संरचना सिद्धांत का उल्लंघन नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि न्यायमूर्ति रविंद्र भट्ट द्वारा लिखित और मुख्य न्यायाधीश ललित (सेवानिवृत्त होने के बाद से) द्वारा शामिल किया गया। विरोध इस बात से सहमत है कि आर्थिक मानदंड आरक्षण देने का एकमात्र आधार हो सकता है।

हालांकि असहमति, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को इसके दायरे से बाहर करने के लिए असंवैधानिक संशोधन को असंवैधानिक मानती है। न्यायमूर्ति भट्ट ने कहा कि इस तरह का बहिष्करण गैर-भेदभाव तथा गैर-बहिष्कार के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है जिन्हें संविधान की मूल संरचना का एक हिस्सा माना जाता है। स्पष्ट रूप से यह स्वीकार करते हुए कि गरीबी एक दुर्बल करने वाली स्थिति है और आरक्षण के उद्देश्यों के लिए उचित वर्गीकरण का आधार हो सकती है, शीर्ष अदालत ने नये न्यायशास्त्रीय आधार को तोड़ दिया है।

कुछ समय के लिए भारतीय संवैधानिक कानून में इस पर विचार किया गया था। क्या हमारा संविधान केवल जाति आधारित आरक्षण की परिकल्पना करता है? क्या और क्या संसद को पिछड़ेपन का निर्धारण करने के लिए अन्य मानदंडों जैसे कि गरीबी को कभी भी ध्यान में रखना नहीं चाहिए? एमआर बालाजी 1963 सप (1) एससीआर 439 और एनएम थॉमस (1976) (2) एससीसी 310 सहित कई निर्णयों ने कहा कि जाति को आरक्षण के लिए एकमात्र मानदंड नहीं होना चाहिए।

हालांकि इंदिरा साहनी 1992 सप (2) एससीसी 2017 में न्यायमूर्ति बीपी जीवन रेड्डी ने बहुमत की राय लिखते हुए कहा कि आय या सम्पत्ति धारण आरक्षण के लिए एकमात्र आधार के रूप में कार्य नहीं कर सकता है।

सही ढंग से जनहित अभियान में न्यायालय इन पहले की मिसालों को अलग करता है कि इंदिरा साहनी मामले में आर्थिक मानदंड को बरकरार नहीं रखा गया था क्योंकि अनुच्छेद-15 (1) और 16 (1) के तहत लैक्स लता ने ऐसी स्थिति की परिकल्पना नहीं की थी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ऐसा कोई मानदंड संसद द्वारा कभी भी अधिनियमित नहीं किया जा सकता है।

दूसरा एक और मूलभूत प्रश्न था जिसे न्यायालय ने निपटा दिया। वह यह था कि क्या इडब्ल्यूएस आरक्षण 50 प्रतिशत की सीमा को भंग करने के लिए संविधान का उल्लंघन करता है जैसा कि माननीय शीर्ष अदालत ने निर्णयों के एक समूह में प्रतिपादित किया है। बहुमत के फैसले में कहा गया है कि 50 प्रतिशत सीमा का उल्लंघन मूल संरचना का उल्लंघन नहीं करता है, क्योंकि यह सीमा अनिवार्य रूप से केवल अनुच्छेद-15 (4) और 16 (4) के तहत लाभ प्राप्त करने वाले वर्गों पर लागू होती है।

दशकों से सकारात्मक कार्रवाई पर विभिन्न संवैधानिक संशोधनों और न्यायिक घोषणाओं ने निश्चित रूप से ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया जहां शिक्षा और रोजगार में योग्यता की पूरी तरह से अवहेलना की जाती है। निकट भविष्य के लिए मानव सभ्यता के भविष्य को अत्याधुनिक तकनीकी नवाचारों द्वारा आचार दिया जायेगा, जो मानवता को एक भौतिक सभ्यता के चौराहे पर खड़ा करेगा, जो शताब्दियों से विकसित हुई है और एक आभासी सभ्यता अभी भी आकार ले रही है।

यदि इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टीफिशियल इंटैलीजैंस, जैव और नैनो प्रौद्योगिकी आदि में प्रगति को व्यापक सामाजिक भलाई के लिए उपयोग किया जाता है तो इसके लिए योग्यता, उत्कृष्टता और प्रथम श्रेणी की महत्वपूर्ण सोच को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता होगी।

डॉ बीआर आंबेडकर ने संविधान सभा में अनुच्छेद-10 के मसौदे पर बहस करते हुए, जोकि अनुच्छेद-16 बन गया, ध्यान दिया कि आरक्षण अस्थायी है और इसे अल्पसंख्यक सीटों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए तभी संविधान के तहत समान अवसर का कोई अर्थ हो सकता है।

जमशेदपुर की खबरें

आदित्यपुर की सोसाइटी में हैवान पति ने अपनी पत्नी और इकलौते पुत्र की नृशंस हत्या की, खुद भी आत्महत्या की

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला-खरसावां जिला के आदित्यपुर थाना अंतर्गत को- ऑपरेटिव कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर स्वर्गीय सचिंद्र किशोर वर्मा के एम 47 निवासी किरायेदार ने अपनी ही पत्नी व 10 वर्षीय पुत्र की हत्या कर खुद का आत्महत्या करने का सनसनी मामला प्रकाश में आया है। रविवार शाम लगभग 3 बजे की घटना बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतकों में 51 वर्षीय इमानवेल टेलेरा, उसकी पत्नी 45 वर्षीय अनिमा एरे और 10 वर्षीय पुत्र अंकन एमोन टेलेरा शामिल हैं। उधर घटना की सूचना मिलते ही आदित्यपुर पुलिस मौके पर पहुची। जहा एक ही परिवार के तीनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक अनिमा एएसआईसी कर्मी थी। मकान मालिक के पुत्र बुंडू में डॉक्टर हैं। घटना की सूचना उन्हें दे दी गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से चापड़ बरामद कर लिया। फिलहाल पुलिस मकान को सील कर आगे की करवाई शुरू कर दी। उधर घटनास्थल का दृश्य बेहद ही विभत्स था। हर तरफ खून धब्बे बिखरे पड़े थे। अनुमान लगाया जा रहा है घटना दोपहर लगभग 3 बजे के आसपास की है। हैरान करने वाली बात है एक परिवार में कलह होता रहा, पड़ोसियों को इसकी सूचना तक नहीं मिली, और एक सोसाइटी में तीन-तीन हत्याएं हो जाती और किसी को भनक तक नहीं लगती। जबकि अथित्यपुर में एम टाइप रिहायशी इलाका है। जिस वक्त हत्यारा अपनी पत्नी व बच्चे की हत्या की उस वक्त शोर जरूर हुआ होगा, लेकिन रईसों की कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने अपने घरों से बाहर निकल कर यह जानना भी जरूरी नहीं समझा। घटना के बाद लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मगर तब तक सब कुछ समाप्त हो चुका था। फिलहाल पुलिस हत्या के मामले में जानकारी हासिल करने में जुट गयी है।

जमशेदपुर से ब्राउन शुगर बरामद 300 पुड़िया के साथ दो गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। मानगो पुलिस को रविवार की सुबह एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का खुलासा किया है, जो मछली लदे वाहन से ब्राउन शुगर की तस्करी करता था। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये दोनों तस्करों से थाना में पूछताछ की जा रही है। इस सबंध में बताया जाता है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मानगो थाना क्षेत्र मछली लदे वाहन से ब्राउन शुगर की तस्करी हो रही है। इसके बाद पुलिस ने मानगो चौक में वाहन चेकिग की शुरुआत की। इस दौरान मछली से लदे वाहन को मानगो चौक के पास रोका गया। उस वाहन से तलाशी के दौरान उसके केबिन से लगभग 300 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया गया। वहीं पुलिस ने तत्काल वाहन चालक सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पकड़े गये लोगों से पूछताछ कर रही है, वो लोग ब्राउन शुगर को कहां लेकर जा रहे थे।

शहर पहुंचे केकेसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारत जोड़ो यात्रा में होंगे शामिल, जोरदार स्वागत

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय गाबा दो दिवसीय दौरे पर रांची एयरपोर्ट पहुंचे। रविवार को प्रदेश अध्यक्ष शैलेश पांडेय सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। रांची में उन्होंने गुमला के केकेसी कार्यकर्ताओं के संग बैठक की। बैठक के बाद शाम 7 बजे जमशेदपुर पहुंचे। शहर पहुचने पर शैलेश पांडेय, कार्यकारी जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह व राजा सिंह ने फूल मालाओं के साथ आतिशवाजी के साथ जोरदार स्वागत की। मौके पर जिला कार्यालय का उद्घाटन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा किया गया। संजय गाबा ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज के निर्देश पर झारखंड में केकेसी के भारत जोडों यात्रा में शामिल होने आए हैं। कांग्रेस की विचारधारा के पंक्ति अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना लक्ष्य है। वही शैलेश पांडेय ने बताया कोल्हान में केकेसी की मजदूर सम्मेलन एवं भारत जोडों यात्रा सोमवार सुबह 10 बजे पश्चिम सिंहभूम के चाईबासा में होगी। जहाँ सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, विधायक सोनाराम सिंकू, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व जिला कांग्रेस प्रभारी कुमार राजा शामिल होंगे। दोपहर 3 बजे पूर्वी सिंहभूम के बिरसानगर से साकची गोलचक्कर तक पदयात्रा आयोजित की गयी है। बैठक में हरे कृष्ण लोहार को गोलमुरी एवं गौतम रविदास को बिरसानगर प्रखण्ड अध्यक्ष नियुक्त किया गया। मौके पर अजितेश उज्जैन, राजा सिंह राजपूत, पवन कुमार बब्लू, लकी शर्मा, हरे कृष्णा लोहार, यूके शर्मा, आशुतोष सिंह, गौतम रविदास, अजय मासी, राहुल कुमार, अभिषेक चटर्जी, बलदेव सिंह मनीष चंद्रवंशी, सुल्तान अहमद, अंजन राय, कौशल कुमार शामिल रहे।

भाजपा जमशेदपुर महानगर करेगी 25 को डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी ने की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर। राज्य सरकार के उदासीनता, वादाखिलाफी और विफलता पर भाजपा हमलावर हो गयी है। प्रखंड कार्यालयों पर जोरदार प्रदर्शन के बाद भाजपा सरकार को जिला स्तर पर घेरने की तैयारी की है। आगामी 25 नवंबर को उपायुक्त कार्यालय पर होने वाले जनाक्रोश प्रदर्शन को लेकर रविवार को बिस्टुपुर स्थित चैम्बर ऑफ कॉमर्स के भालोटिया सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बिहार-झारखंड के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री सह जिला के प्रभारी सुबोध सिंह गुड्डू, पूर्व सांसद आभा महतो, पूर्व विधायक मेनका सरदार समेत प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, पूर्व जिलाध्यक्ष, जिप अध्यक्ष, जिप उपाध्यक्ष एवं जिप सदस्य, जिला पदाधिकारी, मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षगण के अलावे विभिन्न मोर्चा के जिला अध्यक्ष शामिल हुए। उपायुक्त कार्यालय पर होने वाले जनाक्रोश प्रदर्शन की सफलता और हेमंत सरकार को घेरने को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान ब्रह्मदेव नारायण शर्मा, देवेंद्र सिंह, चंद्रशेखर मिश्रा, रामबाबू तिवारी, दिनेश कुमार, नंदजी प्रसाद, राजकुमार श्रीवास्तव, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मु, जिप उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, जिप सदस्य कुसुम पूर्ति, प्रदीप बेसरा शामिल रहे।

वीर युवा सेना ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। वीर युवा सेना संगठन के संयोजक वीर सिंह देवगम के नेतृत में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम पत्र लिखकर वीर शहीदों का सम्मान के लिए कार्य करने की बात कही। पत्र के माध्यम से उन्होंने बताया कोल्हान के तीनो जिलों में कई वीर शहीदों की प्रतिमा स्थापित किया गया है। उन सभी के समय-समय पर साफ-सफाई कर वीर शहीदों का मान प्रतिष्ठा को बचाए रखने के लिए छोटा सा प्रयास किया जायेगा। इस कार्य को पूर्ण रूप से पुरे प्रदेश स्तर पर करने कि इच्छा संगठन रखती है। संगठन उन तमाम मुद्दों पर भी काम करना चाहती है, जिसमें झारखंड प्रदेश के कोष का दुरुपयोग किया जा रहा है। संयोजक वीर सिंह देवगम,भरत सिंह एवं सभी कार्यकर्ता ने कार्य को श्रद्धा पूर्वक करने की सूचना राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र के माध्यम से प्रेषित की।

आदिवासी एकता मंच ने मनायी पद्मश्री प्रो दिगंबर हांसदा की पुण्यतिथि, मूर्ति स्थापित करने का संकल्प

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला के आदिवासी एकता मंच ने नेशनल हाइवे 33 नारगा के बाढ़ारडीह चौक में पद्मश्री प्रोफेशर दिगंबर हांसदा के द्वितीय पुण्यतिथि मनाया। इस अवसर पर पत्थलगड़ी स्थल में उनके आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। इस दौरान संकल्प सभा का भी आयोजन किया गया। आदिवासी एकता मंच के अध्यक्ष दिनोबन्धु सरदार ने कहा प्रो. साहब का शैक्षणिक क्षेत्र में अहम योगदान रहा। उन्हें पद्मश्री अवार्ड से नवाजा गया था। इसको देखते हुए आदिवासी एकता मंच ने संकल्प लिया 9 अगस्त को आदिवासी दिवस 2023 से पूर्व बाढ़ारडीह में प्रो. दिगंबर हांसदा का आदमकद मूर्ति का स्थापना की जायेगी। एकता मंच के प्रतिनिधियों ने सभी के सहयोग व समर्थन देने की अपील की। वही पद्मश्री प्रोफेशर दिगंबर हांसदा के पुण्यतिथि के अवसर पर उनके नाम से किये गए पत्थलगड़ी पर माल्यर्पण किया गया। इसके बाद उनके आत्मा के शांति के लिए दो मिनट मौन रखा गया। मौके पर सुंदर सोरेन, बिराम टुडू, सोनातन मार्डि , पिताम मुर्मू, रामराई मुर्मू, प्रभात कुमार किस्कु, अमित टोप्पो, राकेश मुर्मू, बेंगल सोरन, जैकब किस्कु, राजा राम मुर्मू, दीपक रंजीत, दीनबंधु भूमिज, बादल धोरा, मंगल टुडू, सागर पाल सहित सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

प्रेस कांफ्रेंस : अपने वादों को भूलता नहीं, पूरा करता हूं : मिथिलेश ठाकुर

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में 16 करोड़ की लागत से पांच पुलों का होगा निर्माण

ग्रामीण विकास विभाग से मिली प्रशासनिक स्वीकृति

शीघ्र ही निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न नदी व नालों पर पांच उच्चस्तरीय पुल का निर्माण किया जाएगा। करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इन पांच पुलों की ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार ने प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। शीघ्र ही निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि गढ़वा सदर प्रखंड, मेराल व रंका प्रखंड में एक-एक तथा

रमकंडा में दो पुलों का निर्माण किया जायेगा।

इसके तहत रमकंडा प्रखंड के हरहे एवं चटकमान के बीच हातु नदी पर तीन करोड़, 21 लाख, 51 हजार रुपये की लागत से, बलीगढ़ ग्राम पंचायत के ग्राम कुसमार में सड़काही नदी पर दो करोड़, 74 लाख, 94 हजार पांच सौ रुपए, गढ़वा सदर प्रखंड के नवाडीह के उरांव टोला में बंडा नदी (अन्नराज) पर तीन करोड़, सात लाख, 20 हजार 600 रुपये, मेराल प्रखंड के पढुआ एवं रकियाढेरी बीच लोकल नाला पर तीन करोड़, 11 लाख, पांच हजार 300 रुपये एवं रंका प्रखंड के चुतरू पंचायत में बंदू से अनहर रोड में सोरतघटी नदी पर तीन करोड़, आठ लाख, 99 हजार, 400 रुपये की लागत से उच्च स्तरीय पुल का निर्माण किया जाएगा।

मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि वे जो वादा करते हैं उसे भूल नहीं जाते हैं बल्कि पूरी तत्परता के साथ पूरा करते हैं। उनके कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पूर्व एवं चुनाव के बाद भी क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की दुर्दशा देखी है और उसी समय उन सभी समस्याओं को दूर करने का संकल्प लिया है। जो अब एक एक कर पूरा किया जा रहा है। उक्त गावों में पुल नहीं होने के कारण ग्रामीणों को बरसात के समय में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। परंतु अब आगामी बरसात से पूर्व ही ग्रामीणों की समस्या दूर हो जाएगी। पिछले कई दशकों से ग्रामीण इन पुलों के निर्माण की मांग कर रहे थे। पिछले चुनाव में क्षेत्र भ्रमण के दौरान मैंने ग्रामीण जनता से यह वादा किया था कि यदि मैं प्रतिनिधि बनता हूं तो अपने कार्यकाल में इनका निर्माण जरूर कराऊंगा। आज अपना वादा पूरा करते हुए असीम प्रसन्नता हो रही है।

कांडी के युवक की चेन्नई में मौत, शव पहुंचते ही गांव में छाया मातम

कांडी (आजाद सिपाही)। पलायन की बलि वेदी पर प्रखंड के एक और युवक की मौत हो गयी। रविवार की सुबह आठ बजे जैसे ही मृतक का शव लेकर एम्बुलेंस घर पर कोरगांई पहुंची घर व गांव में कोहराम मच गया। थाना क्षेत्र अंतर्गत खरौंधा पंचायत के कोरगाईं गांव निवासी रामावतार मेहता का 36 वर्षीय पुत्र हरिद्वार मेहता की मौत 18 नवम्बर को इलाज के दौरान चेन्नई के नेल्लौर स्थित एक हॉस्पिटल में हो गई थी। मृतक हरिद्वार नेल्लौर स्थित टाटा कंपनी में मैकेनिक के पद पर काम करता था। वह पिछले आठ वर्षों से उस कंपनी में काम करता था। हरिद्वार घर से 11 नवम्बर को नेल्लौर गया था। घर से जाने के बाद वह चार दिन काम किया था। 17 नवम्बर की रात 11 बजे उसने घर पर लोगों से बात की थी। 17 नवम्बर की रात्रि में उसकी तबियत खराब हुई इलाज के लिए किम्स नामक अस्पताल में भर्ती किया गया जहां हार्ट अटैक के कारण उसकी मौत हो गयी। मृतक का शव पैतृक आवास पहुंचते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। मृतक अपने पीछे पत्नी कंचन देवी, एक पुत्र चंदन कुमार (12), दो पुत्री चांदनी कुमारी (10), नंदनी कुमारी (08) को छोड़ गया है।

भूमि पर दखल कब्जा दिलाने पहुंची प्रशासनिक टीम को झेलना पड़ा लोगों का भारी विरोध

विरोध के बावजूद दंडाधिकारी ने ढोल बजवाकर भूस्वामी को दखल कब्जा दिलाया

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। गढ़वा कोर्ट के आदेश के अलोक में रविवार को दो डिसमिल भूमि पर भूस्वामी को दखल कब्जा दिलाने पहुंची कार्यपालक दंडाधिकारी निशात अंजुम एवं पुलिस प्रशासन को लोगों का विरोध झेलना पड़ा। विरोध के बावजूद दंडाधिकारी तथा पुलिस ने ढोल बजवाकर भू स्वामी बैजनाथ प्रसाद को दखल कब्जा दिलाते हुए खूंटा गड़ी कराया। इस दौरान कोर्ट के नाजिर और कर्मचारी भी मौजद थे। जानते चलें कि वन विभाग के चेकनाका के समीप एक वृद्ध विधवा महिला शिवकली कुंवर करीब 50 वर्षों से झोपड़ीनुमा मकान बना कर रह रही है। वहीं बैजनाथ प्रसाद का भी उसी जगह 10 डिसमिल जमीन है। उक्त जमीन को लेकर सिविल कोर्ट में बैजनाथ प्रसाद एवं शिवकली कुंवर के बीच 10 वर्षों तक चली केस में कोर्ट ने साक्ष्य के आधार पर बैजनाथ प्रसाद के पक्ष में फैसला सुनाया तथा दंडाधिकारी नियुक्त कर भूस्वामी को दखल कब्जा दिलाने का निर्देश दिया।

ग्रामीणों ने कहा- इस असहाय विधवा वृद्धा के साथ खड़े हैं, फैसले के खिलाफ हम सभी कोर्ट में याचिका दायर करेंगे

कोर्ट के निर्देश पर दखल कब्जा दिलाने पहुंचे कार्यपालक दंडाधिकारी तथा पुलिस को स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा। ग्रामीणों ने दंडाधिकारी से कहा कि एक गरीब वृद्ध विधवा महिला के घर को उजाड़ने नहीं देंगे। कहा कि एक गरीब विधवा जिसका समय के साथ सबकुछ छीन गया, वह अपने एकमात्र नाबालिग पोते के साथ पिछले 50 वर्षों से अधिक समय से अपना पूरा जीवनकाल यहीं पर गुजार चुकी है। कोर्ट ने एकपक्षीय फैसला देकर उसे दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर कर दिया है। कहा कि बिना सीमांकन कराये ही उसे घर से बेदखल करने का कार्य किया गया है, जो न्याय प्रणाली के खिलाफ है। जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने कहा कि भवनाथपुर वासी इस वृद्ध असहाय विधवा महिला के साथ खड़े हैं, कोर्ट के फैसले के खिलाफ हम सभी कोर्ट में याचिका दायर करेंगे।

बार बार बेहोश हो जा रही थी, वृद्ध महिला : रविवार की सुबह कोर्ट के आदेश पर जमीन खाली कराने पहुंची दंडाधिकारी और पुलिस प्रशासन को देख वृद्ध महिला शिवकली कुंवर हक्का बक्का रह गयी। वह दंडाधिकारी के पैरों पर गिरकर गिड़गिड़ाते हुए बोली कि हाकिम हम पिछले 50 साल से अधिक समय से इस भूमि पर अपना आशियाना बनाकर रह रहे हैं, जो मुझे वन विभाग ने दिया था। यह कहते कहते वह बेहोश हो जा रही थी। कहा कि मुझे यहां से भगाने के लिए दूसरे पक्ष के दबंग प्रवृत्ति के लोग कई तरह के प्रलोभन दिये, जब मैं नहीं मानी तो ये लोग अपने रुतबा और पैसे की बदौलत केस करते हुए अपने पक्ष में फैसला लिया और मुझे उजाड़ने में लगे हुए हैं। वृद्ध महिला के करूण क्रन्दन सुनकर अधिकारी भी हतप्रभ दिखे।

सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ अनिल साह

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। मेराल के प्रसिद्ध चिकित्सक व समाजसेवी डॉ अनिल साह शनिवार की देर शाम में सड़क हादसे में बाल-बाल बचे गए। एनएच 75 पर मेराल में एआईडी के समीप चरमुहान के पास एक साइकिल सवार वृद्ध व्यक्ति को बचाने में कार एक्सीडेंट हो गया। जानकारी के अनुसार डॉ अनिल साह अपनी कार से मेराल से गढ़वा की ओर जा रहे थे, कि चरमूहन के पास अचानक साइकल सवार पुरवारा टोला निवासी अलमुद्दीन शेख सड़क पार करने के लिए मुड़ गये। अचानक कार के सामने साइकिल सवार को देख चालक ने कार को तेजी से बायीं ओर काट दिया जिससे हाई वोल्टेज लोहे के पोल को छूते हुए लोहे के स्टेक में आगे जाकर फंस कर दूसरी तरफ के स्टेक में जाकर टंग गयी, नहीं तो

कर 7-8 फिट गढ्ढे में कार गिर जाती। गनीमत यह रही कि न तो कार पोल से टकरायी और न ही स्टेक में जोरदार टक्कर के बाद भी विद्युत प्रवाहित तार टूटा। नहीं तो बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। इस घटना में साइकिल सवार को मामूली चोट आयी है, जिन्हें अस्पताल में इलाज के बाद घर भेज दिया गया। हादसे के बाद बड़ी संख्या में उनके समर्थक तथा आम लोग पहुंच गए। घटनास्थल पर कार की स्थिति को देख सभी ने कहा कि डॉ अनिल साह के अच्छे कर्मों की वजह से कुछ नहीं हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर थाना पुलिस पहुंचकर घटना की जानकारी ली तथा हाइड्रा को बुलाकर कार को वहां से सुरक्षित निकाला गया।

घटनास्थल पर पहुंचे व्यवसायी संघ के अध्यक्ष नवीन कुमार जायसवाल, मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गोरखनाथ साह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ वीरेंद्र कुमार, डॉ दीपक कुमार सिन्हा, डॉ लाल बहादुर साह, मुखिया रामसागर महतो, डॉ दीपक कुमार यादव, डॉ लाल मोहन, पंकज जयसवाल, झामुमो नेता ज्ञान रंजन मिश्रा, संजय प्रसाद, रामाकांत प्रसाद सहित बड़ी संख्या में पहुंचे समर्थक एवं आम लोगों ने कहा कि लोगों की सेवा से मिली दुआ की बदौलत बड़ी दुर्घटना के बाद भी डॉ अनिल साह को खरोंच तक नहीं आयी।

पशु तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

मंझिआंव (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घुरूआ में वरीय पदाधिकारी की सूचना के आलोक में पशु तस्करों के विरुद्ध संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसमें घुरूआ में पशु तस्कर द्वारा तीन गोवंशीय पशु हांकर ले जाया जा रहे थे। जहां स्थानीय पुलिस ने तीन मवेशियों को जब्त कर पशु तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पशु तस्कर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पशु तस्कर शौकत अली (60) पिता स्व. मुरसलिम खान, ग्राम बभनी थाना बरडीहा का निवासी है। छापेमारी अभियान मेंपुलिस निरीक्षक राजीव कुमार, थाना प्रभारी कमलेश कुमार महतो, विकास कुमार वहीं थाना के सशस्त्र बल भी शामिल थे।

उपायुक्त ने मुसहर परिवारों की समस्याएं सुनी

उपायुक्त ने धर्मडीहा ग्राम के मुसहर परिवारों के सात दिनों के अंदर आधार कार्ड एवं राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त रमेश घोलप ने गढ़वा प्रखंड के कल्याणपुर पंचायत अंतर्गत धर्मडीहा ग्राम के मुसहर परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनी। समस्याओं से अवगत होने के उपरांत सभी मुसहर परिवारों के आधार कार्ड एवं राशन कार्ड निर्माण तथा बच्चों को स्कूल भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। सात दिनों के अंदर आधार कार्ड एवं राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। जमीन व घर की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। सभी से अपने अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजने की बात कही।

जिला शिक्षा अधीक्षक गढ़वा से बात करके कैंप लगाकर सभी बच्चों का नामांकन कराते हुए उनके लिए यूनिफार्म, टिफिन बॉक्स, कॉपी, कलम, किताबें, पोशाक आदि अन्य शिक्षण संबंधी आवश्यक सामग्री मुहैय्या कराने का निर्देश दिया गया। उपस्थित ग्रामीणों ने आधार कार्ड नहीं होने के कारण किसी भी वृद्ध व्यक्ति अथवा दिव्यांगों को पेंशन का लाभ नहीं मिलने की बात कही।

मौके पर उपस्थित डीपीओ यूयूआईडी गिरीश्वर सिंह को उपायुक्त श्री घोलप द्वारा निर्देश दिया गया कि कल ही (दिनांक 20 नवंबर 2022) को आधार कैंप लगाकर सभी का शत-प्रतिशत आधार कार्ड बनायें। उपायुक्त ने सभी मुसहर परिवारों के लिए सभी संभव सहायता यथाशीघ्र करने की बात कही। 17 परिवारों के लगभग 77 व्यक्तियों के लिए घर दिलाने हेतु अंचल अधिकारी, गढ़वा कुमार मयंक भूषण को भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया। मुसहर परिवारों से पशुपालन के संबंध में जानकारी ली गई। किसी ने भी अपने पास पशु नहीं रहने के कारण किसी भी प्रकार के पशु पालने की बात नहीं कही। उपायुक्त श्री घोलप ने मुसहर परिवारों को पशुपालन योजना से आच्छादित करने की बात कही, जिसके तहत सुकर एवं बकरी पालन करने की सलाह दी। आधार कार्ड बनने के उपरांत सभी को राशन कार्ड एवं पेंशन योजना से आच्छादित करने हेतु संबंधित पदाधिकारी को निदेशित किया गया। उपायुक्त श्री घोलप ने सभी मुसहर परिवारों से उन्हें अपने हक और अधिकार के लिए जागरूक रहने को कहा। उन्होंने कहा कि आप अपने बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें ताकि पढ़ लिख कर तरक्की करें। मौके पर सभी मुसहर परिवारों के बीच उपायुक्त द्वारा कंबल वितरण किया गया एवं उन्हें योजनाओं से आच्छादित करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को कैंप लगाते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करने हेतु निर्देशित किया गया। मौके पर निदेशक डीआरडीए दिनेश प्रसाद सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा राज महेश्वरम, अंचल अधिकारी कुमार मयंक भूषण, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा संजीव कुमार सिंह, जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडे, प्रखंड प्रमुख विमला देवी, मुखिया अशोक कुमार, पंचायत सेवक रंजन दुबे सहित समाहरणालय एवं प्रखंड के अन्य कर्मी एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

भंडरिया थाना प्रभारी ने फरार अभियुक्त के घर इश्तेहार चिपकाया

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडारिया। भंडरिया थाना एसपी अंजनी कुमार झा के आदेश पर भण्डरिया थाना प्रभारी शह इंस्पेक्टर संजय कुमार खाखा ने टीम गठित कर के कांड सं. 26 /16 एवं 28 /16 में फरार चल रहे अभियुक्त प्रदीप उर्फ प्रदीप सिंह खरवार पिता उपेंद्र सिंह खरवार, ग्राम बरियातू थाना लातेहार जिला लातेहार निवासी के यहां ढोल नगाड़े के साथ इश्तेहार एवं तमिला चिपकाया।

बताया गया कि यह अभियुक्त माओवादी उग्रवादी से संलिप्त है एवं लातेहार जिला के हेरहंज थाना के सिद्दीक गांव के रहने वाले छोटू जी उर्फ छोटू सिंह खरवार पिता नानकू सिंह खरवार के यहां भी इसी कांड संख्या में दोनों आदमी को अलग-अलग तमिला किया गया। भंडरिया थाना के एसआई आरके महतो के द्वारा इश्तेहार एवं तमिला चिपकाया गया। यह दोनों अभियुक्त बहुत दिनों से फरार चल रहे हैं। घरवालों को भंडरिया थाना के एसआई आरके महतो के द्वारा जल्द से जल्द भंडरिया थाना में आकर सरेंडर करने की बातें कही गयीं, नही तो कुड़की जब्ती कर ली जाएगी

भाजपा नेता की पत्नी के निधन पर शोक व्यक्त

रंका (आजाद सिपाही)। रंका अनुमंडल मुख्यालय के ग्राम कंचनपुर निवासी भाजपा नेता ललित राम की पत्नी प्रमिला देवी 55 वर्ष की मृत्यु रविवार को सुबह में हृदय गति रुकने से हो गई। वहीं दूसरी ओर दर्जी मोहल्ला निवासी मकसूद खलिफा (40) पिता स्व. जफरूद्दीन खलीफा की मृत्यु गत रात्रि को हृदय गति रुकने से हो गई है। भाजपा नेता की पत्नी के निधन पर भाजपा नेता डॉ दीनानाथ प्रसाद, विहिप अध्यक्ष सुलपानी सिंह, सुनील माली, बसंत प्रसाद, झामुमो नेता संतोष कुमार रवि, बसपा जिलाध्यक्ष भाई संजय कुमार गौतम, भाजपा नेता विनोद राम, अजय रविदास ने घर पहुंचकर शोक व्यक्त किया।

मार्गदर्शन कोचिंग सेंटर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

रंका (आजाद सिपाही)। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुमंडल मुख्यालय के मार्गदर्शन कोचिंग सेंटर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में नामधारी कॉलेज गढ़वा के हिंदी विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर घनश्याम पांडेय उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रोफेसर घनश्याम पांडेय ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में इस तरह के प्रतियोगिता कार्यक्रम के आयोजन से बच्चों में निखार आती है तथा बच्चों में प्रतियोगिता की भावनाओं का विकास होता है। इस अवसर पर कोचिंग सेंटर के व्यवस्थापक धीरज कुमार सिंह, संगीत शिक्षक पवन कुमार पांडेय, नंदन, सोनाली, रिया गुप्ता, अंगद, मनीष, अनु शुभम, गुंजाइश गुप्ता, तनु प्रिया पांडेय, इकबाल, शिवम, पवन पांडेय, अर्पणा सिंह, सुशील कुमार, रिया कुमारी दुबे सहित गणमान्य व्यक्ति काफी संख्या में उपस्थित थे।

बैठक : जिला स्तर पर आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजयुमो कार्यकर्ताओं को सौंपी गयी जिम्मेवारी

आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम में युवाओं की अहम भूमिका होगी : ओम प्रकाश केशरी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजयुमो जिला कार्यालय गढ़वा में आगामी आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रीतेश चौबे ने किया। जिला स्तर पर आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम के दौरान भाजयुमो को कार्यकर्ताओं को सफल बनाने को लेकर जिम्मेवारी सौंपी गयी। झंडा बैनर तख्ती सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य कार्य की जिम्मेवारी दी गयी।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी ने कहा कि आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम में युवाओं की अहम भूमिका होगी। झामुमो सरकार में आम जनता सुरक्षित नहीं है जनता त्राहि त्राहि कर रही है हर जगह लूट मची हुई है। व्यवसायी, युवा, किसान, महिला सभी लोग त्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार में अपराधियों का मनोबल काफी ऊंचा हो चुका है। लूट, हत्या, बलात्कार की घटनाएं आम हो चुकी हैं। घूसखोरी चरम पर पहुंच गयी है। भाजपा जिला महामंत्री सह भाजयुमो जिला प्रभारी संतोष दुबे ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में जनता सुरक्षित थी लेकिन हेमंत सरकार में लुट की पुरी छूट है। वर्तमान में सत्ता परिवर्तन लाकर ही झारखंड को बचाया जा सकता है। यहां पर लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार में गढ़वा जिले में अपराधियों का खुलेआम गुंडाराज चल रहा है। अवैध कारोबार सरकार का गहना बना हुआ है। सत्ता में बैठे लोग हर तरीके से गरीबों का खून चूस रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों को ठीक से राशन भी नहीं मिल रहा है। गढ़वा जिला के अनेकों स्थानों पर जनता के अधिकारों का हनन हो रहा है। लेकिन भाजपा कार्यकर्ता अब बर्दाश्त नहीं करेंगे। जनता के हित में जिला मुख्यालय पर बड़ा आंदोलन प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान नितीश पटेल को भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी ने पट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल किया।

बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरेंद्र दूबे, जिला मीडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष अरुण तिवारी, अविनाश पासवान, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीकांत पाण्डेय, नवीन जायसवाल, सोशल मीडिया प्रभारी अनिमेष दुबे, जिला कार्यसमिति सदस्य डॉ लालमोहन, अजीत तिवारी, रंजीत चौरसिया, संतोष चंद्रवंशी, राजकुमार विश्वकर्मा, महेंद्र यादव, बलराम यादव, रुपेश दुबे, अनीत तिवारी, रविन्द्र कुमार सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

आक्रोश प्रदर्शन में पांच हजार भाजयुमो कार्यकर्ता होंगे शामिल : रितेश चौबे

भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे ने कहा कि आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम में भाजयुमो की अहम भूमिका में रहेगी। जिस तरह से हेमंत सरकार ने विधानसभा चुनाव पूर्व 2019 में झारखंड के युवाओं से वादा किया था कि सत्ता में आने के बाद पांच लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा अन्यथा बेरोजगारी भत्ता देंगे और अगर नहीं दे सके तो राजनीति से संन्यास ले लेंगे लेकिन झामुमो सरकार जब सत्ता में आयी तो हेमंत सोरेन सत्ता भोगी बनकर राज्य की जनता को लूटने में मस्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री, विधायक और उनके बनाये गये प्रतिनिधि खुलकर झारखंड को लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो युवा हेमंत सरकार को सत्ता में बैठाये हैं वही झारखंड के युवा सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हो चुके हैं। हेमंत सरकार में लाखों पद खाली पड़े हुए हैं लेकिन झारखंड के पढ़े-लिखे युवा दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के खिलाफ गढ़वा जिला सहित पूरे झारखंड के युवाओं में काफी आक्रोश है। आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम को लेकर सभी मंडल में बैठकें की जा रही हैं। भाजयुमो कार्यकर्ता पंचायत स्तर से निकल कर आक्रोश प्रदर्शन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा आयोजित आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम में पांच हजार भाजयुमो कार्यकर्ता शामिल होंगे।

सूर्य नारायण मंदिर में आम आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम नरेश यादव ने टेका माथा

केतार (आजाद सिपाही)। केतार प्रखंड के सुप्रसिद्ध सूर्य मंदिर में आम आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम नरेश यादव एवं उनके सहयोगी ने आकर माथा

टेका। उन्होंने केतार प्रखंड वासियों की खुशहाल जीवन के लिए भगवान सूर्य से आशीष मांगा। उन्होंने बताया कि केतार प्रखंड में विकास की गति बहुत धीमी है, आजादी के बाद भी कुछ टोले में जाने के लिए सड़क नहीं है। वैसे अभी वृद्ध व्यक्ति को पेंशन नहीं मिल रही है, जिनकी उम्र 80 वर्ष के पार है। परंतु अभी तक पेंशन नहीं मिल रही है। रामनरेश यादव ने विकास से अछूते लोगों से आग्रह किया है कि अब जमीनी पार्टी आपके हर सुख दुख में साथ रहेगी एवं आपके अधिकार के लिए हमेशा आपका साथ देगी। साथ ही बताया कि आम आवाम मोर्चा पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी देगी। इसके लिए केतार प्रखंड के सभी गांव में दिसंबर के अंत तक कमेटी गठन करने का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर शिवशंकर यादव, रवि हुसैन, अशोक राम, बीडीसी प्रतिनिधि इम्तियाज आलम उपस्थित थे।

तमाड़ में फसल प्रदर्शनी दिवस का आयोजन

तमाड/मरधान (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के मरधान पंचायत के बारेडीह गांव में पायोनियर कंपनी की ओर से रविवार को फसल प्रदर्शनी दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कंपनी द्वारा किसानों को धान की अच्छी पैदावार करने के तरीके बताए गए। इस दौरान कंपनी के 27पी37 किस्म के धान की पैदावार की गई। साथ ही उत्कृष्ट पैदावार करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया गया। विदित हो कि पायनियर कंपनी के धान की उपज पिछले वर्ष भी अच्छा था। जिसकी प्रशंसा किसानों ने की। इस मौके पर पायोनियर कंपनी के टीवीएल संजीत कुमार, ईटीएम डी गोपाल मेहता और एमडीआर महावीर सिंह, शत्रुघ्न महतो, कालीचरण महतो, वीरेंद्र नाथ महतो आदि थे।

हादसा : कहीं खड़े ट्रक से टकरायी बाइक, तो कहीं वाहन ने कुचला

सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत

अज्ञात वाहन के धक्के से युवक की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू। बुंडू रोड में दानाडीह गांव के समीप शनिवार की देर शाम 7.30 बजे सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान लक्ष्मी नारायण सिंह मुंडा (39) के रूप में हुई है। वह चौका थाना क्षेत्र के उरमाल का रहने वाला था। उसकी जेब से बरामद आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई। उधर, सूचना मिलते ही सोनाहातू पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव का पंचनामा कर उसे अपने कब्जे में ले लिया।

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। खूंटी सिमडेगा रोड पर तोरपा थाना क्षेत्र के खसुवाटोली के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से बाइक सवार के टकराने से उसकी मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान जय मसीह टोपनो (30) के रूप में हुई है। वह रनिया थाना के बानाबीरा का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार जय मसीह तोरपा की ओर से अपनी बाइक से रविवार की रात 8.30 बजे अपने गांव रनिया थाना के बानाबीरा जा रहा था। तभी खसुवाटोली गांव के पास उसने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे रेफरल अस्पताल के जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, घटना की सूचना पाकर तोरपा थाने की पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को थाने ले गई। सोमवार को उसका सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

रक्षा मंच के प्रखंड अध्यक्ष बने सगीर अहमद और उपाध्यक्ष दुर्गा बड़ाइक

कर्रा (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय परिसर में रविवार को भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंच की प्रखंड कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष सगीर अहमद, उपाध्यक्ष दुर्गा बड़ाइक, सचिव शेख एजाज, सहसचिव महादेव लोहरा, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार, सह कोषाध्यक्ष हरेंद्र लोहरा, प्रखंड कार्यालय पदाधिकारी तारिक इकबाल बनाये गये हैं। इनके अलावा पांच कार्यकारी सदस्य का चुनाव किया गया। बैठक में भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंच के खूंटी जिला उपाध्यक्ष राहुल देव मिश्रा, जिला सचिव अनूज कुमार, जिला प्रवक्ता रूपेश कुमार, जिला संगठन मंत्री विपुल कुमार आदि मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुंजन कुमार ने की। इस मौके पर सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के संबंध में सदस्यों ने विचार रखे।

जान जोखिम में डाल कर सड़क पार करने को मजबूर नौनिहाल

स्कूल प्रबंधन ने नहीं उठाया कोई ठोस कदम

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। बुंडू के सूर्य मंदिर स्थित भास्कर सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में बढ़ने वाले नौनिहाल जान जोखिम में डालकर सड़क पार करने को मजबूर है। स्कूल प्रबंधन भी उदासीन बना हुआ है। जबकि कुछ माह पहले ही इसी विद्यालय के तीन छात्राओं की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी, लेकिन विद्यालय प्रबंधन ने अब तक इससे सबक नहीं लिया है। आजाद सिपाही की टीम ने जब इसकी जांच की तो पाया कि बच्चे रांची-टाटा राष्ट्रीय राजमार्ग को पार कर स्कूल आना-जाना करते हैं। उनके साथ ना कोई शिक्षक रहता है और ना ही कोई अभिभावक रहते हैं। बच्चे नेशनल हाईवे पर झुंड बनाकर चलते हैं जिससे बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

जान जोखिम में डालकर सड़क पर चलने को मजबूर बच्चे।

एबीवीपी की खूंटी नगर इकाई का हुआ पुनर्गठन, राहुल बने नगर मंत्री

खूंटी (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् एबीवीपी) खूंटी नगर की रविवार को बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष डॉ चंद्रकिशोर भगत ने की। इस दौरान खूंटी नगर इकाई का पुनर्गठन किया गया। समिति में नगर मंत्री राहुल कुमार बनाये गए। जबकि नगर सह मंत्री सुमित कुमार, सूरज कुमार गौंझू, अनामिका कुमारी, जनजातीय प्रमुख प्रकाश टूटी सह प्रमुख मनीषा सोनित बरला, छात्रा प्रमुख निशा कुमारी, सह प्रमुख शिल्पा कुमारी, कोषाध्यक्ष सत्यम कुमार, सह कोषाध्यक्ष चंदन हजाम बनाये गये हैं। इसके अलावा कार्यालय मंत्री लक्ष्मी नारायण साहू, सह मंत्री वशिष्ठ नारायण राम, सोशल मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र साहू, सह प्रभारी चंदन सिंह, खेल प्रमुख किशोर साहू, सह प्रमुख विशाल कुमार एसएफडी प्रमुख आयुष भगत, सह प्रमुख प्रियांशु कुमा,एसएफएस प्रमुख सचिन पातर, सह प्रमुख मयंक राज, कला मंच संयोजक माया कुमारी, सह संयोजक नंदु डोडराय बनाये गये। जबकि कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर दिनेश कुमार नाग, एमाकुलता कंडुलना, कार्तिक महतो, पवन कुमार, रेशमी खाखा का चयन किया गया।

विश्व बाल दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

खूंटी (आजाद सिपाही)। विश्व बाल दिवस के अवसर पर रविवार कों खूंटी प्रखंड के घाघरा और सिलादोन में अंतर ग्राम स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट (सीनी) के तत्वावधान में आयोजित किया गया। जिसमें बच्चों के बीच चेयर रेस, चम्मच रेस, जलेबी रेस, घड़ा फोड़, दौड़ जैसी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। साथ ही फुटबॉल मैच भी आयोजित किया गया, जिसमें खिजरी और घाघरा के बच्चों के बीच मुकाबला हुआ। मैच में घाघरा की टीम 5- 4 से विजयी रही। वहीं तारो और कुमकुमा के बीच हुए मैच में तारो गर्ल्स 5-4 से विजय रही। लड़कों के मैच में कुमकुमा बॉयज 2-1 से जीता। विजेताओं के बीच पुरस्कारों का वितरण खूंटी के प्रखंड प्रमुख छोटराय मुंडा, वार्ड सदस्य रामेश्वर धान ने किया।

नौकरी से निकाले जाने के विरोध में दो घंटे तक बंद रही आरसीएम साइडिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के अशोका से आरसीएम साइडिंग तक ट्रांसपोर्टिंग कार्य करने वाली निजी कंपनी के तीन मुंशी को काम से हटाये जाने के विरोध में रविवार को आरसीएम साइडिंग और कोयला ढुलाई का काम दो घंटे तक बंद रहा। कंपनी से तीनों मुंशी को निकाले जाने के विरोध में मजदूरों ने रविवार की दोपहर दो बजे से कोयला ढुलाई बंद करा दिया। वहीं नौकरी से हटाए गए मजदूरों का कहना है कि बिना कोई अग्रिम सूचना के उन्हें अचानक नौकरी से निकाल दिया गया है। जानकारी के अनुसार अशोक परियोजना से आरसीएम साइडिंग तक कोयला ढुलाई का काम सैनिक एवं पीएलआर कंपनी द्वारा पेटी कांट्रेक्ट के तहत दिया गया है। लेकिन कंपनी के अनुसार काम कम होने के कारण तीन मुंशी को काम से हटा दिया गया है। जिस कारण मजदूरों में आक्रोश देखा जा रहा है। करीब दो घंटे के बाद कंपनी के प्रतिनिधि और मजदूरों के बीच वार्ता हुई जिसमें 25 नवंबर को वार्ता कर समस्या का समाधान निकालने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद मजदूर शांत हुए और कोयला ढुलाई शुरू हुआ।

जायसवाल संघ के शिविर में 41 लोगों ने किया रक्तदान

खूंटी (आजाद सिपाही)। राय बहादुर लक्ष्मी नारायण जायसवाल की स्मृति में व्याहुत कलवार जायसवाल संघ, मुरहू के तत्वावधान में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संगठन के अध्यक्ष धनंजय भगत के नेतृत्व में आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि जिले के सिविल सर्जन डॉ अजीत खलखो के अलावा जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, मुरहू बीडीओ मिथिलेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे। लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एचडीएफसी बैंक द्वारा रक्तदाताओं को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आशुतोष तिग्गा, रक्तदान शिविर पदाधिकारी डॉ श्वेता, रौनियार समाज के अध्यक्ष अर्जुन साव, संघ के पूर्व अध्यक्ष सुबोध प्रसाद, महामंत्री सुरेश प्रसाद, उपाध्यक्ष राजू प्रसाद भगत, ओम प्रकाश भगत, सुधीर प्रसाद, सुधीर भगत, हेठगोवा पंचायत मुखिया जगमोहन मुंडा, पंचायत समिति सदस्य जुरण मुंडा, विजय प्रसाद, संजीत कुमार आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच की ओर से आयोजित क्विज प्रतियोगिता में शामिल हुए 15 स्कूल

क्विज प्रतियोगिता में शामिल विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागी।

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। मारवाड़ी युवा मंच की नगर शाखा की ओर से राजस्थान भवन में रविवार को आयोजित इंटर स्कूल क्विज प्रतियोगिता में 15 स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। जिसका उद्घाटन संत एंथोनी स्कूल के शिक्षक अनिल ने किया। मंच संचालन श्वेता भाला ने किया। क्विज मिस्ट्रेस में प्रियंका जैन के निर्देश पर पांच राउंड में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बजर और ऑडियो क्लिप राउंड में विभिन्न स्कूलों की टीम ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार लोयोला उच्च विद्यालय खूंटी की टीम के शशि रोशन साहू और शैलेंद्र नाग की जोड़ी को मिला। उन्हें पुरस्कार के रुप में स्मार्टवॉच दिया गया। दूसरे स्थान पर स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल खूंटी की टीम के माखन कुमार साहू और रमोला सांगा रहे, जिन्हें पुरस्कार के रूप में लैपटॉप बैग दिया गया। तीसरे स्थान पर एसएस डीएवी स्कूल खूंटी की टीम रही, इसमें अतुल कुमार गुप्ता और रमदी पूर्ति को पुरस्कार के रूप में फ्लास्क दिया गया। संस्था की ओर से प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी दिये गये। कार्यक्रम के सफल संचालन में अंकित जैन, राजेश मिश्रा, मुकुल पिपुरिया, संदीप पिपुरिया, अनुराग अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, गौरव जैन, अखिल सरावगी के अलावा अध्यक्ष उदय भाला, रिंकू जैन, शालू जैन, निक्की जैन आदि की भूमिका सक्रिय रही।

60वां श्रीकृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद वितरण

रांची (आजाद सिपाही)। रविवार को 60वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का संचालन अपने पोता-पोती के जन्मदिवस के अवसर पर संस्था की वरिष्ठ सदस्या विधा देवी अग्रवाल और उनके परिवार के सौजन्य से किया गया। पुंदाग स्थित संस्था के निमार्णाधीन श्री कृष्ण प्रणामी (राधा-कृष्ण) मंदिर के प्रांगण में समाचार पत्र फ्रीडम फाइटर के संपादक विष्णु शंकर उपाध्याय, आलोक कुमार सिन्हा, पूर्वांचल सूर्य के संपादक सुमन कुमार संस्था के राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, पूनम अग्रवाल भंडारे का उद्घाटन कर वितरण शुरू किया गया। मौके पर संस्था के सह-संरक्षक बसंत कुमार गौतम अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज चौधरी, ओम प्रकाश सरावगी, सज्जन पाड़िया, ओमप्रकाश सरावगी, विष्णु सोनी, मनीष सोनी, विशाल जालान, शिव भगवान अग्रवाल, ज्ञान प्रकाश शर्मा, कैलाश सिंघानिया, पवन पोद्दार, अंजनी अग्रवाल, शंकरलाल मोदी, धीरज कुमार गुप्ता,आलोक सिंह, रमेंद्र कुमार पांडेय, चंद्रदिप साहू, विधा देवी अग्रवाल उर्मिला पाडिया, सुनीता अग्रवाल, शकुंतला केजरीवाल, सुधा सुल्तानिया, शारदा खंडेलवाल अमिता जालान उपस्थित थे।

बचरा में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। बचरा चार नंबर खेल मैदान में श्री बालाजी मेडिकल स्टोर की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रांची से आये डॉक्टर पीके सिंह द्वारा स्थानीय ग्रामीणों का निःशुल्क उपचार किया गया। इस शिविर में हृदय रोग, ब्लड प्रेशर, थायराइड एवं मधुमेह रोग से ग्रसित लोगों का उपचार किया गया। इस दौरान शिविर में सभी लोगों का निःशुल्क उपचार कर उन्हें कई प्रकार की जानकारी दी गई। शिविर में कुल 60 लोगों का उपचार किया गया। डॉ पीके सिंह ने बताया कि इस तरह के आयोजन से स्थानीय लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलता है। श्री बालाजी मेडिकल स्टोर द्वारा लगाया गया शिविर सराहनीय कदम है। इस मौके पर श्री बालाजी मेडिकल स्टोर के संचालक संतोष कुमार आदि मौजूद थे।

पिपरवार के एरिया कोल प्रयोगशाला में चोरी का असफल प्रयास

15-20 संख्या में आये चोरों ने कार्यालय का तोड़ा ताला, जांच में जुटी पिपरवार पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। बचरा एक नंबर स्थित एरिया कोल प्रयोगशाला और विद्युत सब स्टेशन में शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी का असफल प्रयास किया। चोरों ने प्रयोगशाला के कार्यालय और सब स्टेशन के बंद कमरों का ताला तोड़ा, लेकिन चोरी की घटना को अंजाम नहीं दे सके। जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात को 15-20 संख्या मे अज्ञात चोर यहां पहुंचे और वहां सुरक्षा मे तैनात होमगार्ड के जवानो को बंधक बना लिया,जिसके बाद कोल प्रयोगशाला के तीन कार्यालय मे ताला तोड़ा, जबकि विद्युत सब स्टेशन के पास भी ताला तोड़ने की सूचना है। इसी बीच वहां काम करने वाले कर्मियों द्वारा इसकी सूचना पिपरवार पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पिपरवार थाना की गश्ती टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखकर सभी चोर बिना चोरी किये जंगल की ओर भाग गये। इधर, घटना की सूचना पाकर स्थानीय सीसीएल अधिकारी, सुरक्षा विभाग और पिपरवार पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। जांच के दौरान प्रयोगशाला के दो कमरो मे ताला टूटा हुआ वहीं रविवार की सुबह में इसकी सूचना पाकर क्षेत्रिय गुणवत्ता पदाधिकारी इंद्रजीत सिंह, एरिया सिक्यूरिटी ऑफिसर अरूण कुमार महतो, विद्युत एवं यांत्रिक विभाग के अजय कुमार सिंह आदि मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। इसके बाद पिपरवार पुलिस भी मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली और जांच शुरू कर दी।

मामले की जानकारी लेते पुलिस के अधिकारी।

बुंडू में कलश यात्रा निकाली

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। नगर पंचायत के देवी मंडप पर अंतरराष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार की ओर से दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में रविवार को सैकड़ों महिला एवं बच्चियों द्वारा कलश यात्रा रानी चूआ से जल उठाकर चौक बाजार होते हुए थाना रोड देवी मंडप तक लाया गया। सोमवार को गुरु पूजन एवं श्रीश्री मां दुर्गा देवी पूजन और हवन का आयोजन किया जाएगा।

आजाद सिपाही में छपी खबर का असर

डॉ धनुर्जय सुमराई पुनः सीएचसी कांके के प्रभारी चिकित्सा प्रभारी बनाये गये

वित्तीय अनियमितता की जांच की मांग को लेकर तीसरे दिन भी कार्यरत कर्मचारी चिकित्सक सामूहिक अवकाश पर रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके। सामुदायिक स्वास्थय केंद्र कांके में चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी व सहियाओं के आंदोलनरत रहने और आजाद सिपाही में छपी खबर का असर हुआ कि एयरपोर्ट पर पदस्थापित किए गए डॉ धनुर्जय सुमराई पुनः कांके के चिकित्सा प्रभारी बनाये गये। डॉ. धनुर्जय सुमराई, निगरानी निरीक्षक अखिलेश प्रसाद की कांके सीएचसी में वापसी व बीएएम प्रियंका कुमारी सिंह पर वित्तीय अनियमितता की जांच की मांग को लेकर तीसरे दिन भी कार्यरत कर्मचारी चिकित्सक सामूहिक अवकाश पर रहे। इसके कारण सीएचसी कांके में रविवार को भी आपातकालीन सेवा छोड़ ओपीडी व टीकाकरण आदि का कार्य नहीं हुआ।

आंदोलन के तीसरे दिन आखिरकार सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार को इनके आगे झुकना पड़ा। सीएस ने पूर्व के आदेश को निरस्त करते हुए नया कार्यालय आदेश जारी कर हवाई अड्डा में प्रतिनियुक्त किये चिकित्सा प्रभारी डॉ. धनुर्जय को वापस सीएचसी कांके भेजना पड़ा। वहीं सीएचसी कांके में पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रोजब्यूला को हवाई अड्डा भेजने का नया आदेश जारी किया। वहीं डॉ. सीमा प्रकाश को दिया गया चिकित्सा प्रभारी के प्रभार के आदेश को भी निरस्त किया।

प्रियंका सिंह को हटा कर वित्तीय अनियमितता की जांच की मांग

रविवार को आंदोलनरत सभी स्वास्थ्यकर्मियों ने कहा कि जिस तरह डॉ. धनुर्जय की वापसी हुई है उसी तरह सीएचसी कांके के निगरानी निरीक्षक अखिलेश कुमार की जब तक वापसी नहीं होती और बीएएम प्रियंका कुमारी सिंह को हटाकर उसके विरुद्ध वित्तीय अनियमितता की जांच का आदेश नहीं दिया जाता, तब तक सभी चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी सामूहिक अवकाश पर ही रहेंगे। साथ ही कहा कि पूर्व की तरह सीएचसी में इमरजेंसी सेवा चालू रहेगी। वहीं ओपीडी व टीकाकरण का कार्य पूरी तरह ठप रहेगा।

कार्यक्रम : इटकी में कलाल-एराकी जाति के राज्यस्तरीय सम्मेलन में आलमगीर आलम ने कहा

पहले विद्यालय खाली रहता था, अब आप लोग बच्चों को अच्छी तालीम दें

मंत्री ने कलाल-एराकी जाति को अत्यंत पिछड़ी जाति की सूची में शामिल कराने के लिए हरसंभव मदद का दिया आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

इटकी। हम क्यों आरक्षण के पीछे चले जाते हैं हमें अपने बच्चों को इस योग्य बनाना चाहिए जहां उसे आरक्षण की आवश्यकता ही ना हो। आपकी मांग जायज है, इस मांग को हम आगे बढ़ायेंगे। उक्त बातें इटकी बाजार परिसर में राज्य स्तरीय कलाल सम्मेलन में राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कही। उन्होंने आगे बताया कि पहले विद्यालय खाली रहता था अब आप लोग बच्चों को अच्छी तालीम दें।

राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कलाल-एराकी जाति को अत्यंत पिछड़ी जाति की सूची में शामिल कराने के लिए हरसंभव मदद किये जाने का आश्वासन दिया। इस क्रम में उन्होंने विधानसभा के माध्यम से मुख्यमंत्री को इस मांग से अवगत कराने की बातें कहीं। मंत्री आलम इटकी में रविवार को आयोजित राज्यस्तरीय कलाल- एराकी सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस जाति की आर्थिक व सामाजिक स्थिति को देखते हुए अत्यंत पिछड़ी जाति की सूची में शामिल करने की आवश्यकता जतायी।

सभा को पूर्व विधायक बंधु तिर्की ने भी संबोधित किया। उन्होंने समाज में पौराणिक वर्ण व्यवस्था जो कर्म के आधार पर चलती थी, को याद कराया। पूर्व विधायक बंधु तिर्की ने शिक्षित व संगठित होकर जाति के लोगों को इस मांग को लेकर आंदोलन किये जाने का आह्वान किया। उन्होंने समाज के लोगों को एक प्रतिनिधिमंडल बनाकर मुख्यमंत्री से भेंट किये जाने की बातें कहीं।

यंग एराकी, झारखंड के संयोजक शाह उमर ने जाति की दयनीय स्थिति की चर्चा की व जाति को अविलंब अत्यंत पिछड़ी जाति की सूची में शामिल कराने की मांग की। बिहार से पहुंचे अली कलाल ने कलाल-एराकी जाति को पिछड़ी जाति में शामिल किये जाने को लेकर पांच नवंबर 1994 को इटकी से शुरू किये गये आंदोलन की चर्चा विस्तार से की व कहा कि आंदोलन के कारण ही अविभाजित बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने इस जाति को अगड़ी से हटाकर पिछड़ी जाति की सूची में शामिल किया। सम्मेलन को आल इंडिया मोम मोमिन कांफ्रेंस के अध्यक्ष मंजूर आलम ने भी संबोधित किया।

समाज की स्थिति सुधारने के लिए सरकारी स्तर पर रोजगार सृजन करने की आवश्यकता है : विधायक शिल्पा नेहा तिर्की

सभा को वर्तमान विधायक शिल्पा नेहा तिर्की ने भी संबोधित किया। कहा हमारे देश में आरक्षण कब तक। उन्होंने कहा कि 75 साल से आज तक पिछड़ी जाति को आरक्षण है आज उसकी स्थिति को आप देखिये। सरकार का सिस्टम ही फेल है। विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आरक्षण से किसी समाज का भला नहीं हो सकता है। समाज की स्थिति सुधारने के लिये सरकारी स्तर पर रोजगार सृजन करने की आवश्यकता है।

चान्हो थाना प्रभारी ने अवैध बालू लदा टर्बो और ट्रैक्टर को किया जब्त

चान्हो (आजाद सिपाही)। चान्हो थाना क्षेत्र के सोंस गांव के समीप चान्हो पुलिस ने एक अवैध बालू लदे टर्बो संख्या जेएच01बीडब्ल्यू 0217 व एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। गाड़ी कैरो थाना क्षेत्र के हनहट गांव के निवासी हेफजुल अंसारी की है। दोनों वाहनों के विरुद्ध खनन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। बताते चलें कि अवैध उत्खनन के मामले में पुलिस सक्रिय रूप से लगातार कार्रवाई कर रही है ताकि क्षेत्र में इस तरह की घटना को रोका जा सके। चान्हो थाना क्षेत्र में अवैध बालू लदे वाहनों को जब्त करने से बालू माफिया में हड़कंप मच गयी है। वहीं चान्हो थाना प्रभारी रंजय कुमार क्षेत्र में लगातार आपराधिक गतिविधि में अंकुश लगाने का प्रयास कर रहे हैं। नशा पान को लेकर छापेमारी कर लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे हैं। कहते हैं अवैध शराब बिक्री को रोकने के साथ आम लोगों को इसकी लत छुड़वाने के लिए भी प्रेरित करना है। यहां युवाओं को शराब के कारण होने वाली मानसिक व आर्थिक नुकसान है। नशा एक सामाजिक बुराई है और इस बुराई से लड़ने के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होना होगा। नशा शरीर के लिए बेहद खतरनाक है, वहीं अपराध का भी मुख्य कारण है।

नगड़ी में एफसीआइ गोदाम के समीप कुआं से एक युवक का शव बरामद

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी थाना क्षेत्र के नगड़ी लोधमा मार्ग पर स्थित एफ सी आई गोदाम के समीप एक खेत के कुआं में एक लगभग 20 वर्षीय व्यक्ति का शव तैरता ग्रामीणों ने देखा इसकी सूचना पर नगड़ी पुलिस सदल घटना स्थल पहुंचा, और कुआं से शव को बाहर निकला. शव देखने से कई दिनों से कुएं में पड़े रहने से दुर्गंध आ रहा था . बाद में शव का पहचान लापुंग निवासी अनील बड़ाइक के रूप में की गई . नगड़ी पुलिस ने इसके परिजनों को खबर कर दी मृतक के पिता रामसेवक बड़ाईक ने नगड़ी थाना पहुंचकर शव की पहचान की परिजनों के आने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया.शव देखने से प्रतीत हो रहा है कि मृतक की हत्या कर साक्ष्य छुपाने की नियत से कुएं में फेंक दिया गया है मिली जानकारी के अनुसार मृतक लापुंग निवासी अनिल बड़ाइक एक ट्रक में खलासी का काम करता था इधर मृतक के पिता रामसेवक बड़ाइक ने बताया कि पिछले तीन चार दिन से मृतक अनिल घर नहीं आया था तो ट्रक चालक से पूछताछ की तो बताया कि इसके बारे में जानकारी नहीं है। मृतक के पिता रामसेवक बड़ाइक ने इस संबंध में नगड़ी थाना में यूडी केस दर्ज कराया है।

सांसद के प्रयास से मांडर विधानसभा में 23 सड़कों का होगा निर्माण

बेड़ो (आजाद सिपाही)। लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के सांसद सुदर्शन भगत के मांडर विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री सड़क निर्माण योजना के तहत स्वीकृत कराया है। उक्त जानकारी देते हुए जिला सांसद प्रतिनिधि राकेश कुमार भगत ने कहा कि भाजपा सरकार ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सांसद के प्रयास से पूरे मांडर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने ने कहा कि सड़क निर्माण होने से पूरा मांडर विधानसभा क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से जुड़ जाएगी। प्रखंड के दर्जनों गांवों का संपर्क बहाल हो जाएगा। जिससे सैकड़ों गांवों के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। इस सड़क निर्माण योजनाओं में क्रमशः एनएच 75 से सिसई तक पथ निर्माण, बूढ़ा खुखरा करम्बो रोड से बांसजाड़ी तक, मांडर टांगरबसली से गौरखो तक, मुड़मा इटकी रोड से टोटाम्बी तक, बूढ़ा खुखरा कैम्बो से सरगांव तक, सिलागाई से नरकोपी तक, मांडर बुढ़मू रोड से बट्टू टोली, टाँगरबसली रोड से डुमरी तक, मुड़मा इटकी रोड से मसमानो तक, मुड़मा इटकी से गोरे तक, एनएच 75 रांची डाल्टेनगंज रोड से पुनगी तक, टांगरबसली रोड से लोयो बगीचा टोली तक, बेड़ो चट्टी रोड से रानी टोली तक, चट्टी नरकोपी रोड से बिल्टी तक, घाघरा चट्टी टोली से दिघिया भाया अम्बा टोली टिकरा टोली तक, इटकी रेलवे स्टेशन से टुरुगुडू तक, इटकी पिच रोड से बारीडीह तक, चान्हो दमदमा से टोली से रानी चान्हो तक, खलारी रोड से बड़हिया रोड तक, नौदी से सिसई तक, बिजूपाड़ा खलारी रोड से खखसी टोली तक व कुल्लू से नवदी तक पथ निर्माण कार्य किया जायेगा।

कपड़ा बैंक ने लापुंग के बिरहोर जनजाति के बीच कंबल व कपड़े का किया वितरण

कपड़ा बैंक लगातार जरूरतमंदों के बीच कपड़े का वितरण कर रहा है, जिन लोगों के पास अनुपयोगी कपड़े हैं वो कपड़ा बैंक में दे सकते हैं : अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। कपड़ा बैंक बेड़ो की टीम ने रविवार को लापुंग प्रखंड के चंपाडीह गांव में कपड़ा बैंक के अध्यक्ष कैलाश कुमार के नेतृत्व में बिरहोर जनजाति के लोगों के बीच जरूरमंदों को 450 कंबल व कपड़ों का वितरण किया। लोगों के बीच ठंढ के कपड़े स्वेटर, जैकेट, कंबल, शॉल, साड़ी, जीन्स पैंट, सर्ट, कुर्ती, बच्चों के कपड़े सहित अन्य कपड़े बांटे गये।

कपड़ा बैंक के अध्यक्ष कैलाश कुमार ने कहा कि कपड़ा बैंक लगातार जरूरतमंदों के बीच कपड़े का वितरण कर रहा है। जिन लोगों के पास अनुपयोगी कपड़े हैं वो कपड़ा बैंक में दे सकते हैं ताकि अधिक से अधिक लोगों को कपड़ा वितरित किया जा सके। कपड़ा बैंक का संचालन उन्हीं लोगों के सहयोग से हो रहा है, जो कपड़े आपके लिए अनुपयोगी हैं। लोगों की जरूरत है और लोगों के जीवन मे खुशी ला सकती है। लोगों के जीवन की मुख्य आवश्यकता रोटी, कपड़ा और मकान होती है। जिसमें कपड़ा प्रमुख होता है, जो लोगों के तन ढंकने के लिए आवश्यक है जो हमें हरेक मौसम में जरूरी होता है। कपड़ा बैंक के सदस्य निःस्वार्थ इस कार्य में लगातार लगे हुए हैं और जरूरतमंदों तक अपने खर्च से कपड़ा पहुंचा रहे हैं।

कपड़ा वितरण कार्यक्रम में सुनील महतो, अनुज कुमार गुप्ता, जगरनाथ भगत, शक्ति साहू, चितरंजन कुमार लगे हुए हैं।

लापुंग के उलगाड़ा में महिला ने की आत्महत्या

लापुंग (आजाद सिपाही)। उलगड़ा खटाल में एक महिला ने घर में रस्सी के सहारे शनिवार की शाम चार बजे गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका सुशीला कुमारी (22) पति दिनेश खेरवार यहां रहकर खेती बाड़ी करती थी। लापुंग थाना प्रभारी सकुमार हेमरम ने लाश को अपने कब्जे कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। दिनेश खरवार मूल रूप से बोकरन्दा पंचायत के बड़का कुरा बरटोली का रहने वाला है। उलगड़ा में रहकर खेती बाड़ी करता था। मृतका की मां का कहना है कि उनकी बेटी को दिनेश खेरवार प्रताड़ित करता था इसी कारण सुशीला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लापुंग पुलिस घटना की छानबिन कर रही है।

खेल : सात दिवसीय शहीद सूबेदार मेजर शांति तिर्की फुटबॉल टूर्नामेंट भव्य उद्घाटन

अतिथियों ने शहीद की पत्नी सालेन तिर्की को किया सम्मानित

उद्घाटन मैच में संत जॉन रांची फुटबाल टीम ने जय मसीह फुटबाल टीम बारियातू को एक गोल से हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। प्रखंड के कोलाम्बी मोड़ जाजपुर खेल मैदान में रविवार को शहीद सुबेदार मेजर शांति तिर्की स्पोटिंग क्लब द्वारा आयोजित सात दिवसीय शहीद सुबेदार मेजर शांति तिर्की फुटबॉल टूर्नामेंट भव्य उद्घाटन किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच में संत जॉन रांची फुटबाल टीम ने जय मसीह फुटबाल टीम बारियातू को एक गोल से हराया। मौके पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि बैंक आफ इंडिया के वरीय प्रबंधक पास्कल लियो होरो एवं टूर्नामेंट के वरीय संरक्षक डॉ सुफल एक्का ने मैन आफ द मैच बने खिलाड़ी राहुल को शील्ड देकर सम्मानित किया।

इससे पूर्व मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नौशाद आलम एवं बिहार रेजिमेंट के कैप्टेन विश्वनाथ मिंज, विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय रेफरी ओम प्रकाश ठाकुर, नगड़ी थाना प्रभारी ओम प्रकाश टोप्पो, नगड़ी प्रमुख मधु कच्छप, उप प्रमुख अफसाना प्रवीण, समाजसेवी कलाम आजाद, पंकज शाहदेव, नगड़ी पंचायत के मुखिया जय गोपाल उरांव, पूर्व प्रमुख ललिता एक्का, जेम्स बोन खलखो, रामेश्वर लाल और बैंक आफ इंडिया के वरीय प्रबंधक पास्कल लियो होरो ने संयुक्त रूप प्रतियोगिता मंच पर उपस्थित शहीद सुबेदार मेजर शांति तिर्की की धर्मपत्नी सालेन तिर्की को शॉल ओढ़कर सम्मानित किया तथा सभी अतिथियों ने उद्घाटन मैच के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर तथा फुटबाल कीक मार कर फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया।

मौके पर उपस्थित ग्रामीणों और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस इनकी प्रतिभा को निखारने की जरूरत है। इस तरह के खेल आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को काफी लाभ पहुंचता है।

टूर्नामेंट को सफल बनाने में डॉ सुफल एक्का, सुदर्शन डेविड एक्का, केशव भगत, पियर्सन एक्का, विजय धान, चारो तिर्की, ऐनूल अंसारी, समीर खलखो, अनिल तिर्की, अनिल चौधरी लाला, मोम्मद इरशाद, इम्बेशाद आलम, सुभाष भारती, मोहम्मद गाजी, संतोष उरांव, मंगल उरांव, अल्फ्रेड लकड़ा, किशोर टोप्पो, संतोष उरांव, मनोहर कुमार सहित शहीद सूबेदार मेजर शांति तिर्की स्पोर्टिंग क्लब के सदस्य एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

टाटीसिलवे चौक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबूलाल मरांडी का किया स्वागत

नामकुम (आजाद सिपाही)। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी रविवार को खिजरी पहुंचे। खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा और टाटीसिलवे मंडल अध्यक्ष राजेंद्र महतो के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल को बुके देकर व माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबूलाल मरांडी के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। टाटीसिलवे चौक स्थित दुर्गा मंदिर में बाबूलाल ने माथा टेका और मां से आशिर्वाद लिया। इस मौके पर मुख्य रूप से रांची सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, मनेष महतो, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र महतो, पूर्व मंडल अध्यक्ष गाजू महतो, मुखिया कृष्णा पहान, पूर्व उपप्रमुख माधुरी देवी, टाटीसिलवे थाना प्रभारी महेंद्र करमाली, महामंत्री अमित कुमार मिश्रा, भाजपा नेता राजन साहू, विनोद अग्रवाल, प्रभुदयाल बड़ाईक, भोलानाथ मिश्रा, राणा दिनकर सिंह, गिरिधर मिश्र, प्रशांत किशोर, मुक्तिनाथ मिश्रा, संजू कच्छप, हलधर मिश्रा सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

खिजरी विधायक की पत्नी ने नामकुम में पीसीसी पथ का किया शिलान्यास

नामकुम (आजाद सिपाही)। खिजरी विधायक राजेश कच्छप की पत्नी रिया तिर्की ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र के बेरमाद में विधायक निधि से अखाड़ा से शीला तिर्की के घर तक पीसीसी पथ और तुपुदाना में रंजीत स्टोर से अर्जुन पंडा के घर तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर रिया तिर्की ने कहा कि वे ग्रामीणों की समस्याओं को दूर करने के लिये लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिये एकजुट रहे। अपनी समस्याओं को बेझिझक बताएं। ताकि सभी समस्याओं को दूर किया जा सके। इस मौके पर नामकुम प्रखंड प्रमुख आशा कच्छप, पार्षद निर्मला गाड़ी, विधायक प्रतिनिधि सतीश पंडा, मुखिया जिता कच्छप, लाल मोहित नाथ शाहदेव, माधो कच्छप, असफाक आलम, राजदीप कच्छप, तेलोस्फर मिंज, खोया पहान, लिटिया कच्छप, शीला तिर्की, विजय तिर्की, खुदिया कच्छप, पंचू तिर्की, दिनेश चंद्र प्रमाणिक आदि मौजूद थे।

टाटी पूर्वी मुखिया ने किया गरीब और असहायों के बीच कंबल का वितरण

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड के टाटी पूर्वी पंचायत स्थित पंचायत सचिवालय प्रांगण में रविवार को 60 गरीबों के बीच कंबल का वितरण किया गया। कंबल वितरण मुख्य रुप से मुखिया कृष्णा पहान, भाजपा नेता माधुरी देवी, सांसद प्रतिनिधि मनेष महतो, बड़ाम मुखिया कृष्णा लोहरा, राणा दिनकर सिंह, साईनाथ महतो ने संयुक्त रुप से किया। मौके पर मुखिया ने कहा कि ठंड से गरीबों को राहत देने के लिये कंबल वितरण किया जा रहा है। माधुरी देवी ने बताया प्रखंड कार्यालय से जरुरतमंदों के बीच वितरण के लिये कंबल प्राप्त हुआ है। कंबल मिलने के बाद लोगों को ठंड से राहत मिलेगी। वार्ड सदस्यों के माध्यम से सूची बनवा कर जरुरतमंदों के बीच वितरण किया गया। इस मौके पर उपमुखिया जय कच्छप, लीला देवी, प्रिती देवी, जयंती देवी, सिवाली कुमारी, प्रिया कुमारी, पलकी देवी, वार्ड सदस्य, गरीब एवं असहाय ग्रामीण मौजूद थे।

बोकरंदा पंचायत के पबिर और गाड़ी में कंबल, साड़ी और धोती का वितरण

लापुंग (आजाद सिपाही)। बोकरंदा पंचायत के पबीरा और लालगंज गाड़ी गांव में रामकृष्ण मिशन आश्रम के द्वारा असहाय, वृद्ध महिला पुरुषों के बीच वस्त्र वितरण किया गया। 200 कंबल, 60 साड़ी व 60 धोती का वितरण किया गया। रामकृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी महाराज प्रितिस जी के सौजन्य से यह धोती, साड़ी व कंबल का वितरण किया गया। मौके पर उप प्रमुख विश्नाथ मुंडा, मुखिया सरोज मुंडा ने वस्त्र वितरण में सहयोग किया। वस्त्र एवं कंबल पाकर गरीबों के चेहरे खुशी से खिल उठे। मौके पर मंगरा होरो, बिरंचि महतो, पवन बरला के अलावा अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

सडक दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी मोड़ से ब्राम्बे सड़क पर बारीडीह गांव के पांडे पतरा के निकट रविवार को एक कार और बाईक की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को इलाज के लिए अस्पाताल भेजा गया। घायल विनय मिंज और पंकज उरांव खंम्भा गांव के निवासी बताये गये हैं। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में कर लिया है। घटना के संबंध में बताया गया कि कार इटकी मोड़ की ओर जा रही थी इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही बाइक की आमने-सामने से भिड़ंत हो गयी।

झूठ की बुनियाद पर खड़ा संगठन राज्य चला रहा है : बबलू गुप्ता

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। झूठ की बुनियाद पर खड़ा संगठन झामुमो आज राज्य सरकार चला रही है। झारखंड आंदोलन को बेचनेवाले अब झारखंड की जनता को बांटने की साजिश कर रहे हैं। उक्त बाते आजसू के केंद्रीय सचिव बबलू गुप्ता ने आजसू के केंद्रीय समिति सदस्यों की राज्यस्तरीय बैठक में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहीं। बबलू गुप्ता ने कहा कि झामुमो की सरकार स्थानीय नीति और खतियान के नाम पर राज्य की जनता को बांटने की साजिश कर रही है।यह राज्य के विकास को तो रोकेगा ही,साथ ही झारखंड की आपसी सौहार्द्र की भावना में भी जहर घोलेगा। केंद्रीय कार्यसमिति सदस्यों की बैठक अखिल झारखंड श्रमिक संघ और अखिल झारखंड महिला संघ का राज्य स्तरीय सम्मेलन करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। मार्च में केंद्रीय महाधिवेशन के आयोजन का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, चंद्र प्रकाश चौधरी, रामचंद्र साहिस, लंबोदर महतो, देवशरण भगत, हसन अंसारी, शिवपूजन मेहता, माधव चंद्र महतो सहित कई नेता उपस्थित थे।

सफलता के लिए शिक्षा से बड़ा कोई हथियार नहीं : कमलेश

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। सफलता के लिये शिक्षा से बड़ा कोई हथियार नहीं है।शिक्षा जीवन मे सफलता के कई द्वार खोलती है। शिक्षा ही मात्र ऐसा माध्यम है जिसकी बदौलत सफल होकर कोई व्यक्ति अपने समाज और जरूरतमंदों के विकास में सहयोगी बन सकता है। उक्त बातें सदर थाना से स्थानांतरित थाना प्रभारी कमलेश कुमार ने पोखराहा खुर्द में आयोजित विदाई समारोह के दौरान कहीं। कमलेश कुमार ने कहा कि सरकारी नौकरी में पदभार ग्रहण करने के साथ ही स्थानांतरण के लिये तैयार रहना पड़ता है। लेकिन पुलिस पदाधिकारी की जिम्मेवारी बड़ी जिम्मेवारी होती है। अपने कार्यकाल को स्वसंतुष्टि के साथ पूरा करना बड़ा कठिन होता है। कमलेश कुमार ने कहा कि मुझे खुशी है कि मेरे कार्यकाल को आम लोगों ने सराहा है। इस अवसर पर मेयर प्रत्यासी प्रयाग राज चंद्रवंशी ने कहा कि प्रभारी सर हर जनता के सुख दुख के साथी बने।थाना क्षेत्र में कोई भी भय और अपराध का माहौल नही बनने दिया गया। प्रयाग ने कमलेश जी के स्थानांतरण पर दुख व्यक्त करते हुए सफल भविष्य की शुभकामनायें दी।इस अवसर पर वार्ड 5 की पार्षद नीरा देवी ने कहा कि प्रभारी कमलेश सर ने अपने कार्यकाल में चौबीस घंटे जनता को समर्पित किया। इनका यह स्वभाव इनके आगामी कार्यकाल को सफलता दिलाता रहेगा। इस कार्यक्रम में सदर थाना के शमाल खान को भी विदाई दी गयी। कार्यक्रम में राहुल चंद्रवंशी, अनिल चंद्रवंशी, श्यामदेव मेहता, मुखिया लालमुनि सहित कई लोग उपस्थित थे।

पलामू पुलिस के लिए रविवार कामयाबी वाला दिन रहा, दो-दो घटनाओं का किया उद्भेदन

अपहृत युवकों को पुलिस ने सासाराम से किया बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पुलिस ने शाहपुर चौक से अपहृत विमलेश कुमार दुबे एवं विवेक कुमार दुबे को सासाराम के बुद्धा होटल से बरामद कर लिया। साथ ही इस कांड में शामिल 32 वर्षीय अमित कुमार, 24 वर्षीय राकेश कुमार, 22 वर्षीय दीपक कुमार, 20 वर्षीय संदीप कुमार, 25 वर्षिय गगन कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि दोनों अपहृत व्यक्ति लोगों को नौकरी के नाम पर पैसा ठगी कर पैसा ले लिए थे। पैसा देने वाले व्यक्तियों को जब इस संबंध में पता चला कि हम लोग ठगी के शिकार हो गये हैं। तो उन लोगों ने पैसा मांगना शुरू किया। जिसके बाद अपहृत दोनों व्यक्ति को शाहपुर में बुलाया गया। शाहपुर से ही इन पांचों व्यक्तियों के द्वारा विमलेश एवं विवेक कुमार दुबे को अपहरण कर लिया गया। अपहरण करने के बाद विमलेश दुबे के मोबाइल से ही उसके घर वालों को फोन कर 25 लाख छोड़ने के नाम पर मांग की जा रही थी। एसपी ने बताया कि विमलेश व विवेक सभी से नौकरी के नाम पर प्रत्येक व्यक्ति से तीन- तीन लाख रुपये वसूली कर लिया था। जिसके लिए अपहरणकर्ता पैसा देने का दबाव बना रहे थे। जब इन लोगों के द्वारा पैसा नहीं दिया जाने लगा। तो इन लोगों ने इन दोनों व्यक्ति का अपहरण कर लिया। विमलेश व विवेक दोनों सगे भाई हैं। अपहरण के बाद विमलेश कुमार दुबे के ससुर बृजेश कुमार दुबे ने चैनपुर थाना में आवेदन देकर इसकी सूचना चैनपुर थाना को दी। जिसके बाद एसपी के निर्देश पर छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस ने दोनों अपहृत व्यक्ति को सासाराम के बुद्धा होटल से बरामद कर लिया। साथ ही पांचों अपहरणकर्ताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि अपहृत विमलेश एवं विवेक पर भी गढ़वा थाना में केस किया जायेगा. दोनों गढ़वा के रंका में फर्जी ट्रेनिंग कैंप चलाते थे। अपहृत का कहना है कि हम लोग पटना में रहने वाले गुड्डू जी के लिए काम करते थे। जबकि विमलेश कुमार दुबे 2019 में पलामू के वन विभाग में सर्वेयर का काम करता था। वहां से नौकरी छोड़ने के बाद यह पटना के गुड्डू जी के साथ जुड़कर फर्जी बहाली के नाम पर लोगों से पैसा लेने लगा। अपहरणकताओं से विभिन्न कंपनी का 8 मोबाइल व सीम बरामद किया गया है। छापामारी दल में छतरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय कुमार, चैनपुर थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक अमन कुमार, बिट्टू कुमार साहा, सहायक अवर निरीक्षक सुधीर कुमार, राजीव कुमार, आरक्षी सूरज कुमार सिंह, नंददेव राम, कर्म सिंह मुंडा, सुधीर कुमार पांडे सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

गढ़वा से मुक्त हुआ पांडू से अपहृत क्रसर संचालक, 20 लाख फिरौती के लिए घटना को दिया गया था अंजाम

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू जिला के पांडू थाना क्षेत्र के मुसीखाप से अपहृत क्रसर संचालक अनिल साव को रविवार के तड़के गढ़वा जिले के सोन नदी के किनारे केतार थाना क्षेत्र से सकुशल मुक्त करा लिया गया है। इस घटना को चार से पांच अपराधियों ने फिरौती के लिए अंजाम दिया था। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार की शाम एक प्रेस वार्ता में दी है। बताया कि अपहरण के बाद अनिल साव के मामा रामवृक्ष गुप्ता के मोबाइल पर 20 लाख रुपए फिरौती की मांग की गई थी। इधर अपहरण की सूचना के बाद एसडीपीओ सुरजीत कुमार के नेतृत्व में एसआईटी गठित कर मोबाइल लोकेशन के आधार पर अनुसंधान शुरू कर दिया गया। इस बीच पलामू सहित गढ़वा पुलिस ने पूरे क्षेत्र की नाकेबंदी कर अभियान को आरंभ कर दिया। इसमें बिहार के रोहतास जिला की पुलिस भी सहयोग कर रही थी। एसपी ने बताया कि अपराधियों को चारों तरफ से घिर जाने का एहसास हो गया था। इससे घबरा कर रविवार के तड़के चार बजे सभी अपराधी अनिल साव को जंगलों में छोड़ कर भाग खड़े हुए।

राज्यस्तरीय कला उत्सव-2022 के लिए केजीबीवी हुसैनाबाद की छात्रा का चयन

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा मेदिनीनगर में आयोजित जिला स्तरीय कला उत्सव-2022 में हुसैनाबाद कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्रा ने दृश्य कला त्रियामी में प्रथम स्थान लाकर बिद्यालय का नाम रौशन किया है। विदित हो कि जिला स्तरीय कला उत्सव में नौ से 12वी तक के 220 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में जिला स्तर पर संगीत, नृत्य, चित्रांकन,एकल नाट्य, अभिनय आदि प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें 10 छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। जो 22-23 नवम्बर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला में आयोजित प्रतियोगिता में हुसैनाबाद कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की सरस्वती कुमारी ने दृश्य कला त्रियामी में प्रथम स्थान लाकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी।उनकी इस सफलता पर विद्यालय की वार्डेन राकी मुक्ता, शिक्षिका रागनी कुमारी, दीपमाला कुमारी, शारदा भारती, सुमन कुमारी, आरजू खान, नीलम मेहता,नीलम अंसारी, सबिता कुमारी, मीना देवी, प्रियंका कुमारी, गार्ड सुनील कुमार आदि ने उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनायें और बधाई दी है।

नगर निगम में पेयजल समस्या का समाधान जरूरी है : मनोज सिंह

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। शहर में पेयजल समस्या की भयावहता को देखते हुए प्रत्येक मुहल्ले व निगम के सभी धार्मिक स्थलों में और सभी चौक-चौराहे पर वाटर कूलर की व्यवस्था नगरनिगम की जिम्मेवारी बनती है। उक्त बातें भावी मेयर प्रत्याशी मनोज सिंह ने कही।श्री सिंह रविवार को वार्ड नंबर 34 में घर घर यात्रा के तहत बोल रहे थे। इस दौरान श्री सिंह ने कहा कि पूरे नगर निगम क्षेत्र में पेयजल समस्या देखी जा रही है।पेयजल समस्या का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सिर्फ नगर निगम क्षेत्र में करोड़ों का पेयजल बिक्री हो रहा है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपयोग हेतु आज घर घर में पेयजल जार खरीदा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज लगभग घरों में एक हजार रुपये सिर्फ पेयजल उपलब्ध कराने पर खर्च किया जा रहा है। उनहोंने कहा कि अगर उन्हें जनता का आशीर्वाद मिलता है तो पहली प्राथमिकता होगी नगर निगम वासियों को पेयजल समस्या से दूर करने की। आज की परिस्थितियों में प्रत्येक मुहल्ला में वाटर कुलर की आवश्यकता है और इस पर विशेष बजट बनाकर काम करने की आवश्यकता है। श्री सिंह ने कहा कि घर घर यात्रा में वो लोगों की समस्याओं का गहराई से आकलन कर रहे हैं और आने वाले दौर में इन समस्याओं के निराकरण के लिए संघर्षरत रहेंगे और नगर निगम को बेहतर बनाने के लिए संकल्प लेते हैं। इस दौरान वार्ड नंबर 34 के काशी प्रसाद,लाडले खान,धीरज कमलापुरी, पिंटू कमलापुरी,तबरेज खान,भूषण कुमार, सत्य प्रकाश,तनवीर आलम, आजद, नीलेश ठाकुर, मुन्ना खान,सौरभ कुमार और डबलू खान सहित कई गणमान्य लोग शामिल थे।

नगर निगम की समस्याओं को सीएम तक पहुंचाऊंगा : मंत्री

चौधराना जब तीन रुपया ही मांग रही, तो सरकार को आपत्ति क्यों : महापौर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की विशेष बैठक आनंद शंकर की अध्यक्षता में होटल ज्योति लोक के सभागार में रखी हुई।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री, महासचिव डॉ अभिषेक रामदीन, उपाध्यक्ष अमित शर्मा, पीआरओ ज्योति कुमारी तथा कुमार शैलेश अग्रवाल उपस्थित थे। बैठक की शुरूआत सभी अतिथियों का बुके और शॉल देकर सम्मानित कर किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नगर निगम की प्रथम महिला महापौर अरुणा शंकर ने सभी अतिथियों को प्रधानमंत्री पर छपी किताब उपहार के रूप में दिया। चेंबर अध्यक्ष आनंद शंकर ने राज्य के कई मकान जो वर्षों से अनाधिकृत माने जा रहे थे उसका किशोर मंत्री द्वारा माननीय मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाकर चंद राशि में अधिकृत करने का प्रस्ताव पारित कराने के लिए सभी लोगों ने भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए सम्मानित किया। बैठक में उपस्थित प्रभात अग्रवाल, विनोद उदयपुरिया, नवल तुलस्यान, सरस जैन, जय शर्मा और विशेषकर सभा में उपस्थित महापौर अरुणा शंकर ने किशोर मंत्री से अनुरोध किया की खास महल भूमि का लीज नवीकरण नहीं बल्कि पूर्व सर्किल रेट का मात्र 2 प्रतिशत लेकर बिना सलामी बिना पेनाल्टी के फ्री होल्ड कराने के लिये सरकार से बात करने का प्रस्ताव दिया। साथ ही जिन लोगों ने एग्रीमेंट पर जमीन खरीदा है उनसे मात्र एकमुश्त 5000 तक फाइल लेकर उनके भी लीज भूमि को फ्री होल्ड कराने का प्रस्ताव रखा। महापौर ने किशोर मंत्री से कहा हमारे चौधरना बाजार के व्यवसायियों को निगम ने मात्र सैकड़ों वर्ष पूर्व भूखंड दिया था जिसका किराया पूर्व अध्यक्ष पूनम सिंह द्वारा एक रुपया से अचानक 6 रुपया कर दिया गया। जिसे मैं आते के साथ अपने प्रथम बोर्ड से तीन रुपया पारित कर प्रस्ताव सरकार को भेजी हूं जिसका निष्पादन आज तक नहीं हो सका। कृपया सरकार से बात करें जब किराया लेने वाले को ही 3 रुपया चाहिये तो नगर विकास इस मामले को क्यों अटका रखा है। मुख्यमंत्री हमारे नगर विकास मंत्री है, किराया घटाने की हमें अनुमति दें। महापौर अरुणा शंकर ने किशोर मंत्री से पूरे राज्य में होल्डिंग टैक्स दर को घटाने का प्रस्ताव रखा और कहा सरकार इसे भी सहानुभूति पूर्वक विचार करें। पलामू चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महिला इकाई की अध्यक्षा शर्मिला वर्मा ने सुदना इंडस्ट्रियल स्टेट में बने कमर्शियल कंपलेक्स को कम दर पर महिलाओं के लिए आवंटित करने का प्रस्ताव रखा। बैठक में टिंबर एसोसिएशन और चेंबर के सदस्यों ने नया इंडस्ट्रियल पार्क बनाने हेतु भूमि की उपलब्धता सरकार को कराने की बात रखी जिसे झारखंड चेंबर के पदाधिकारियों ने जल्द प्रशासनिक चिट्ठी भिजवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर चेंबर के वरिष्ठ सदस्यों के अलावा नए सदस्य राखी सोनी, संध्या अग्रवाल, फरहा खान, कंचन गुप्ता, जितेंद्र कुमार,अमरेश जायसवाल, राकेश दुबे, पंकज कुमार पांडे, ब्रजेश कुमार पांडे, राजेश कुमार राय, सुजीत कुमार पाठक, अमित श्रीवास्तव, विक्रम सिंघानिया, शंभू प्रसाद,रितेश कुमार, संजय अग्रवाल ,राहुल चंद्रा, अभय कुमार,नागेंद्र कुमार शुक्ला, संजय कुमार,किशन अग्रवाल, आलोक कुमार पांडे, राघवेंद्र सिंह,पंकज कुमार तिवारी, विशाल कुमार,प्रिंस कुमार सहित काफी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। सभा का संचालन इंद्रजीत सिंह डिंपल ने किया और सभी अतिथियों को रीजनल वाइस प्रेसिडेंट संजय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

27 से 20 दिसंबर तक हुसैनाबाद के गुलबाग स्टेडियम में होगा मिनी आइपीएल

140 खिलाड़ियों की लगी बोली, सबसे महंगे बिके एसएम रजा

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। आइपीएल के तर्ज पर आयोजित होने वाले एचपीएल प्रतियोगिता को लेकर हुसैनाबाद के क्रिकेट प्रेमियों में काफी उत्साह है। इस क्रिकेट महाकुंभ का आयोजन 27 नवंबर से 20 दिसंबर तक गुलबाग स्टेडियम में होना निश्चित किया गया है। वार्ड 13 के सामुदायिक भवन में ऑक्शन के जरिये आइकॉन खिलाड़ियों को टीम ऑनर द्वारा खरीदा गया। कुल 8 टीमो के ऑनर इस ऑक्शन प्रक्रिया में शामिल हुए। निबंधित 549 खिलाड़ियों में से 140 खिलाड़ियों पर बोली लगी, जिमसें सवार्धिक रुपये में एस एम रजा टीम ऑनर के द्वारा खरीदा गया। आइपीएल के तर्ज पर सारे मैच रखे गये है। मौके पर टीम ऑनर आकाशदीप कुमार, समाजसेवी मुन्ना कुमार देव, साइन कंप्यूटर इंस्च्यूट के निदेशक संजीत कुमार, अनिल, शाने अली, स्व. अंशु अग्रवाल के नाम पर हैदर नगर ब्लास्टर के मालिक वार्ड पार्षद नजीर अहमद, अनुराग बसु उर्फ राहुल जी के अथिति के रूप में आलोक रंजन, केदार सिंह, मोहम्मद आरिफ, मो कैफ सिद्दीकी, इंतियाज आलम, गोपाल प्रसाद, अफजल हुसैन उर्फ गुरु, रामजी पासवान आदि मौजूद थे। टीम 60000 हजार में खरीद सकेगी 18 खिलाड़ी को। एचपीएल टी 20 प्रतियोगिता में जपला जवान, हुसैनाबाद रॉयल, पिपरा पिस्टन, छतरपुर चैंपियन , डालटनगंज दबंग, हरिहरगंज फाइटर, मोहम्मदगंज मॉन्स्टर, हैदरनगर ब्लास्टर हिस्सा ले रही है। प्रत्येक टीम को साठ हजार तक मे अपनी टीम के 18 खिलाड़ी तैयार करने का नियम है। इसके तहत ऑनरो ने तय कीमत के तहत टीम तैयार की है।

ये खिलाड़ी बिके सबसे महंगे

एस एम रजा-हुसैनाबाद रॉयल: 7500
अक्षय कुमार-जपला जवान: 7000
देवरथ झा-जपला जवान: 7000
यमुना झा-जपला जवान: 7000
अहमद अली-हरिहरगंज फाइटर: 6000

मैच 20-20 ओवर का, टीमों के अलग- अलग ड्रेस

इस दौरान असगर खान ने बताया कि सभी टीम के अलग अलग ड्रेस कोड होंगे मैच 20-20 ओवर का होगा। हुसैनाबाद में आईपीएल के तर्ज पर इस प्रकार के मैच की शुरूआत पूर्व में ही कि गई थी। जिसका क्रेज क्रिकेट प्रेमियों और खिलाड़ियों में देखने को मिलेगा।

सदर थाना में विदाई और अभिनंदन समारोह संपन्न

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। सदर थाना प्रभारी कमलेश कुमार यादव, शमाल अंसारी ओर बासुदेव महतो के स्थानांतरण के अवसर पर सदर थाना में विदाई और नये थाना प्रभारी गौतम कुमार सिंह के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निवर्तमान थाना प्रभारी कमलेश कुमार ने कहा कि सदैव सतर्क रहने की जरूरत है। ग्रामीण क्षेत्र हिने के कारण कई तरह की घटनायें और अफवाह भी होते हैं। गौतमजी भी संवेदनशील अधिकारी है। कर्मठ हैं। सेवा में स्थानांतरण एक प्रक्रिया है। नवनियुक्त सदर थाना प्रभारी गौतम कुमार सिंह ने कहा कि अपराध और अपराधियों पर कोई रहम नही बरती जायेगी। जो लोग कानून व्यवस्था बिगड़ने के काम करेंगे उनकी खैर नही है।

स्पोर्ट्स

पैरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के तत्वधान में एवं एमपीएल के सौजन्य से आई एसएम ग्राउंड धनबाद में 22वां झारखंड स्टेट पारा एथलेटिक्स चैंपियनशिप संपन्न हुई।

22वां झारखंड स्टेट पारा एथलेटिक्स चैंपियनशिप हुई संपन्न

पूरे प्रदेश में इस खेल को क्रियाशील करना है, झारखंड सरकार सहयोग करें: शशि रंजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पैरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के तत्वधान में एवं एमपीएल के सौजन्य से आई एसएम ग्राउंड धनबाद में 22वां झारखंड स्टेट पारा एथलेटिक्स चैंपियनशिप संपन्न हुई। इस इस चैंपियनशिप में झारखंड के विभिन्न जिलों से लगभग 100 दिव्यांग खिलाड़ियों ने भाग लिया। चैंपियनशिप में एथलेटिक्स से जुड़े इवेंट दौड़ लॉन्ग जंप, हाई जंप, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो एवं अन्य विविध खेलों का आयोजन किया गया तथा सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन एवं उम्दा खेल का प्रदर्शन करते हुए सभी का मन मोह लिया। खेलों में शॉटपुट में मो. आजाद, डिसकस में आकाश कुमार सिंह, लांगजंप में अनीश शेख, जबकि 1000, 200 एवं 400 मीटर दौड में क्रमशः साहेब अंसारी, रोहित कुमार मिश्रा एवं आनंद महतो विजेता रहे। सभी खिलाड़ियों को आगंतुक अतिथियों ने मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। तथा खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पेरालिंपिक कमिटी ऑफ झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष शशि रंजन सिंह ने करते हुए पैरालिंपिक खेल का एक अलग ही महत्त्व एवं पहचान है पूरे प्रदेश में इस खेल को क्रियाशील करना है। जिसमें सरकार के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों का सहयोग अपेक्षित है। कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कुमार दत्ता ने कहा की झारखंड में हर जिले मे इस तरह की प्रतियोगितायें आयोजित कराने की योजना है। उन्होंने झारखंड सरकार से आग्रह किया कि दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए समुचित प्रशिक्षण के साथ-साथ आर्थिक एवं सभी सुविधाएं दी जाये। उन्होंने कहा कि झारखंड में प्रतिभावान खिलाड़ियों की कमी नहीं है। बस हम सबको मिलकर उन्हें बुलंदियों तक ले जाने की जरूरत है। एमपीएल के सीइओ विजयंत रंजन एवं एमपीएल के अधिकारी अजय कुमार ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इसमें एकजुट होने की अंतर्निहित शक्ति है। खेल लोगों को एक दूसरे से जोड़ता है तथा टीम की भावना विकसित होती है। विशेषकर बच्चे जीवन के हर क्षेत्र में अच्छा कर रहे हैं, बस उनके साथ अपनों की भावना विकसित करने और प्रोत्साहित करते रहने की जरूरत है। आइआइटी आइएसएम के उपनिदेशक धीरज कुमार, पीके राय कालेज के सहायक प्रध्यापक दृष्टिहिन गिरिश शांडिल्य, जिला खेल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने कार्यक्रम में पहुंचकर खिलाड़ियों की हौसला अफजायी की। प्रदेश कमेटी के उप सचिव कुमार गौरव ने भी सहयोग के लिए एमपीएल के प्रति आभार प्रकट किया।

बच्चों के ठहरने की व्यवस्था स्कूल प्रांगण में करायी

कमेटी के स्टेट मीडिया को-ऑर्डिनेटर संजय सर्राफ ने बताया कि इस चैंपियनशिप में पहला कदम स्कूल की संचालिका अनीता अग्रवाल के नेतृत्व में बच्चों ने भी भाग लिया तथा बाहर से आये बच्चों के ठहरने की व्यवस्था स्कूल प्रांगण में कराई गई। कार्यक्रम में कमेटी के सीइओ सुनील कुमार विश्वास, खेल निर्देशक सुगंध नारायण प्रसाद, स्टेट को-ऑर्डिनेटर कमल कुमार अग्रवाल, वित्त प्रबंधक विवेक राज, संदीप कुमार, रश्मि लकडा, के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

बकाया भुगतान को लेकर ऊर्जा मित्रों ने दी अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

झरिया (आजाद सिपाही)। 11 महीने के बकाया वेतन भुगतान को लेकर झरिया विद्युत प्रमंडल के ऊर्जा मित्र, ऑपरेटर और सुपरवाइजरों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। कार्यपालक विद्युत अभियंता को ज्ञापन सौंपते हुए ऊर्जा मित्रों ने बताया कि पूर्व में विद्युत विभाग का बिलिंग कार्य देख रही सार टेक्नोलॉजी कंपनी ने छह माह का वेतन और पीएफ का पैसा बकाया रखा है। वहीं वर्तमान में कार्यरत इएमडी सॉल्यूशन कंपनी ने भी पिछले पांच माह से वेतन का भुगतान नहीं किया है जिससे सभी की स्थिति दयनीय हो गई है। ऐसी परिस्थिति में कार्य करना संभव नहीं। विभाग को भी हस्तक्षेप करते हुए कंपनी से बकाया भुगतान दिलाने के लिए पहल करनी चाहिए। चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द ही दिए गए ज्ञापन पर निर्णय नहीं लिया गया तो एक दिसंबर से झरिया विद्युत प्रमंडल अंतर्गत कार्यरत सभी ऊर्जा मित्र, ऑपरेटर और सुपरवाइजर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे। इस मौके पर आकाश कुमार, अमित झा, अरुण कुमार, शैलेश कुमार, गाजी अनवर, राजू कुमार रविदास, मो शमीर अंसारी, अरशद इकबाल, दीपक कुमार गुप्ता, विवेक रंजन, मो मुस्ताक अंसारी आदि उपस्थित थे।

महाधिवेशन को लेकर भाकपा माले की निरसा क्षेत्रीय कमेटी की बैठक संपन्न

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। भाकपा माले के मैथन रोड स्थित कार्यालय में रविवार को निरसा एरिया कमेटी की बैठक संपन्न हुई। जिसमें केंद्रीय कमेटी सदस्य व धनबाद जिला प्रभारी कॉमरेड जनार्दन प्रसाद मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान फरवरी 2023 में बिहार के पटना में आयोजित होने वाले महाधिवेशन की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि पार्टी के जनसंगठनों के सदस्यता व सम्मेलनों के दूसरे-तीसरे दौर के बाकी कार्य को करना है। 20 नवंबर से 18 दिसंबर तक पार्टी सदस्यता नवीकरण व नए सदस्यों की भर्ती के काम को संपन्न कर लेना है। दिसंबर माह में ही सांगठनिक कामों को संपन्न कर लेना होगा। जनवरी से 10 फरवरी तक आमलोगों से आर्थिक गोलबंदी व प्रचार-प्रसार के कामों को संपन्न करना है। महाधिवेशन के अवसर पर पार्टी विस्तारिकरण कार्य करके ही केंद्र सरकार के फासीवादी व्यवस्था का मुकाबला किया जा सकता है। इस मौके पर एरिया सचिव नागेन्द्र कुमार, कृष्णा सिंह, मनोरंजन मलिक, हरेंद्र सिंह, जगदीश शर्मा, सुनील गिरि, असीम घोष, बीके सिंह, मुख्तार अंसारी, सत्येन्द्र चौहान, पंचानंद माजी, नोरेन राखा और रघुनाथ यादव आदि उपस्थित थे।

हिंसा मुक्त समाज निर्माण के लिए 16 दिवसीय अभियान पर किशोरियों के बीच की गई चर्चा

महुदा (आजाद सिपाही)। झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से तेतूलिया-2 पंचायत के बेलाखोंदा एवं पाथरगड़िया पंचायत के कंचनपुर में बाल विवाह के खिलाफ 16 दिवसीय अभियान की तैयारी को लेकर एकता किशोरी मंच के साथ बैठक हुई। जिसमें ट्रस्ट की सचिव हलिमा एजाज ने किशोरियों के बीच चर्चा करते हुए कहा कि इस वर्ष ट्रस्ट द्वारा हिंसा के खिलाफ हम सब की आवाज पर 16 दिवसीय अभियान चलाया जाएगा। इसकी शुरूआत 25 नवंबर से होगा, जिसका समापन 10 दिसंबर तक चलेगा। जिसमें किशोरियों के बीच फुटबॉल, निबंध लेखन एवं चित्रांकन, नुक्कड़ नाटक, गीत-संगीत एवं नृत्य कला प्रतियोगिता का आयोजन होना है। इसमें उत्तम प्रदर्शन करने वाले किशोरियों को संस्था की ओर से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, हलिमा एजाज ने कहा कि किशोरियां अभियान में भाग लेने के लिए काफी उत्साहित हैं। वहीं संस्था के जनक व बाल कल्याण समिति बोकारो के चेयरपर्सन शंकर रवानी ने कहा कि हिंसा मुक्त समाज का निर्माण से आदर्श समाज का निर्माण किया जा सकता है, झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट विगत 10 वर्षो से लिंग भेदभाव एवं हिंसा को समाप्त करने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने अभियान को सफल बनाने की अपील की। इस मौके पर सोनी कुमारी, रूपाली कुमारी, ज्योति, शोभा, रेणु, अंजली, गुड्डी, मोनिका, सुजाता, लखी, अंजू, रानी, ज्योति, अनीशा, प्रवीण, पायल, माही, जिया, मेनका, प्रमिला, गंगा यमुना, खुशी आदि ने निबंध एवं लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। मौके पर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के विनोद महतो, नईमुद्दीन अंसारी, पूजा कुमारी एवं माला देवी उपस्थित थीं।

चिरकुंडा नगर परिषद में भ्रष्टाचार को लेकर राजद का धरना

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। जन-जागरण अभियान यात्रा के तहत चिरकुंडा नगर परिषद में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर रविवार को राजद की ओर से चिरकुंडा शहीद चौक के समीप धरना प्रदर्शन किया गया। अपने संबोधन में राजद समर्थित नगर अध्यक्ष पद के भावी प्रत्याशी सुनिता सिंह ने कहा कि नगर परिषद में भ्रष्टाचार चरम पर है। क्षेत्र के तीन चौक चौराहे शहीद चौक, नेहरू रोड चौक व अंबेडकर चौक में एक करोड़ रुपये की लागत से सौदर्यीकरण किया गया, केवल नाम मात्र का है। शहीद चौक में सुंदरीकरण के नाम पर शहीदों के सर से छत तक छीन लिया गया। जरूरतमंद लाभुकों को सही रूप से प्रधानमंत्री आवास तक नहीं मिला। होल्डिंग टैक्स तो बढ़ा दी गई है पर जन सुविधा नदारद है मुख्य सड़क वार्डों में नाला की निकासी नहीं होने से सड़क पर गंदा पानी बहता है। स्टेडियम के नाम पर सरकारी भूमि का सौदा किया गया। 10 सालों में विकास कार्यों में केवल करोड़ों का घोटाला हुआ है जिसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। मौके पर सुनीता सिंह, बिट्टू मिश्रा, हरेराम यादव, उपेंद्र यादव, मक्केश्वर यादव, भीम साहब, संतोष यादव, नौशाद खान, मोहन यादव, बादशाह खान, सोनू खान और फरहान साहब आदि थे।

आरोप : कोयला चोरी में बीसीसीएल प्रबंधन और सीआइएसएफ के जवान ही शामिल

गोली चलाने वाले सीआइएसएफ जवानों पर दर्ज होगा हत्या का मामला: बन्ना गुप्ता

बाघमारा की घटना को बताया दुखद, नफरती सोच रखने वाली पार्टियों को भारत जोड़ो यात्रा ने दिया है करारा जवाब

आजाद सिपाही संवाददाता

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता।

जोड़ापोखर। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के शालीमार फुटबॉल मैदान स्थित कांग्रेस प्रदेश कमेटी के सदस्य शमशेर आलम कि बेटी बरखा आलम व दामाद मो अजरुद्दीन को आशीर्वाद देने रविवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी पहुंचे थे। उन्होंने बाघमारा की घटना को लेकर कहा कि सीआइएसएफ और बीसीसीएल प्रबंधन कोयला की चोरी सुनियोजित तरीके से करवा रहे हैं। वहीं, गरीब परिवार के चार युवकों को बाघमारा में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। कुछ घायलों का इलाजरत कराया जा रहा है। जवानों पर हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा। प्रदेश की पुलिस विधि व्यवस्था बनाने में लगी हुई है। वहीं कोयला चोरी रोकने का काम सीआइएसएफ का है जो पूरी तरह से विफल हो रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने केंद सरकार पर हमला करते हुए कहा कि केंद्रीय एजेंसियां बालू, गिट्टी का मामला बता रही है। जिसमें एक हजार करोड़ वसूली की बात कर रही हैं। दूसरी ओर राष्ट्रीय संपति कोयला करोड़ो रुपए की चोरी हो रही है, उस पर ध्यान नहीं है। नफरती सोच रखने वाले पार्टियो को जवाब देने के लिए राहुल गांधी पूरे देश में भारत जोड़ो यात्रा निकाल कर करारा जवाब दिया है। कहा कि जेलगोड़ा के रहने वाले अमर गोप हत्या कांड में पुलिस जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजे। इस मौके पर इम्तियाज अली, मिस्टर आलम, रुस्तम आलम, बीरेंद्र गुप्ता, मो जाहिर अंसारी, आसिफ रजा, राजू नोनिया, गणेश साव, एकराम कुरैशी आदि।

शिक्षा, बिजली व पानी की व्यवस्था करना होगी पहली प्राथमिकता : गौरी रानी

बोकारो (आजाद सिपाही)। नगर निगम चुनाव की घोषणा अभी बाकी है। लेकिन तमाम प्रत्याशी अभी से ही चुनाव की तैयारियों में जुट गए है। रांची में पहले पत्रकार रह चुकी गौरी रानी रविवार को अपने आवास पर प्रेस वार्ता कर मेयर प्रत्याशी उम्मीदवार के रूप में चुनाव में खड़े होने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनके लिए चास नया नहीं है। भले वह राजनीति में नई है, लेकिन वह आने भाई भोलू पासवान के अधूरे कार्यो को पूरा करेंगी।

उन्होंने कहा कि जन हित के मुद्दों को बतौर पत्रकार उठाती रहीं है, लेकिन अब चुनाव मैदान में है तो उन सब काम को पूरा करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि अगर जनता उन्हें आशीर्वाद देती है तो वह चास में शिक्षा व्यवस्था के साथ साथ बिजली और पानी की समस्याओं को दूर करेंगी।

वहीं, भोलू पासवान ने कहा कि मेयर रहते पांच वर्षों में मैंने जो कार्य किए वह किसी से छिपा नहीं है। स्वच्छता सर्वेक्षण में चास पहले स्थान पर आया। जनता से किए वादे पूरे किए। मेरी बहन चुनाव जीतती है तो चास में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। वहीं, जिला प्रशासन भी चुनाव को लेकर सक्रिय है। इस बार चुनाव आयोग ने चास नगर निगम को महिला आरक्षित सीट घोषित किया है। इस वजह से महिला उम्मीदवारों में उत्साह देखा जा रहा।

जलापूर्ति सामान्य होने में लगेगा दो-तीन दिनों का समय

धनबाद (आजाद सिपाही)। झरिया को लोगों को अभी भी कुछ दिनों तक आंशिक जलापूर्ति का सामना करना पड़ेगा। जामाडोवा स्थित झमाडा के नौ एमडीजी के क्लियर फाड़ टंकी का सफाई कार्य पूरा नहीं हो पाया है। कर्मियों के अनुसार काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। अगले दो-तीन दिनों में काम पूरा और जलापूर्ति सामान्य हो जाएगा। अभी झरिया ही नहीं पूरे क्षेत्र में आंशिक जलापूर्ति पर ही लोगों को गुजर बसर करना होगा। बतातें चलें कि करीब छह लाख की आबादी झमाडा की जलापूर्ति पर निर्भर है। पुटकी, कतरास और झरिया में जामाडोवा से जल की आपूर्ति की जाती है।

फाइलेरिया ग्रसित दो दर्जन लोगों को किया चिन्हित, दवा लेने की सलाह

जयरामपुर कोलियरी पहुंची विश्व स्वास्थ्य संगठन की तीन सदस्यीय टीम

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) जिनेवा की ओर से झारखंड समेत पांच राज्यों में फाइलेरिया से ग्रसित मरीजों को चिन्हित किया जा रहा है। इसके लिए डब्ल्यूएचओ से फाइलेरिया रोकथाम अभियान के प्रमुख जॉनाथन किंग को पूरे अभियान का जिम्मा सौपा गया है। इसी अभियान के तहत तीन सदस्यीय टीम ने रविवार को झरिया के जयरामपुर कोलियरी क्षेत्र का दौरा कर दो दर्जन लोगों को चिन्हित किया। लोगों से जनसंपर्क कर जॉनाथन किंग ने आग्रह किया कि इस बीमारी को छिपाने का प्रयास ना करे। इसके लिए सरकारी अस्पताल में डॉक्टर से सलाह लेकर दवा लें। इस अभियान में भारत के स्वास्थ्य संगठन से जुड़े सदस्य भी शामिल थे वहीं दौरे के दौरान धनबाद के सिविल सर्जन डॉक आलोक विश्वकर्मा, डॉ अवधेश, डॉ पंकज शरण के अलावा बीसीसीएल के स्थानीय डॉक्टर एसके मिश्रा आदि उपस्थित थे।

विधायक डॉ लंबोदर महतो ने चाहरदीवारी मरम्मती योजना का किया भूमिपूजन

गोमिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड के स्वांग उतरी पंचायत में रविवार को झारखंड सरकार एनआरईपी बोकारो ईकाई की ओर से जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट मद से 13 लाख 79 हजार 636 रुपए की स्वीकृत राशि से होने वाली मध्य विद्यालय स्वांग पुराना माइनर्स के चाहरदीवारी की मरम्मती योजना का भूमि पूजन रविवार को गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने किया। इस मौके पर स्वांग उतरी के मुखिया विनोद कुमार,पंसस धनेश्वरी देवी, आजसू नेता राजेश विश्वकर्मा एवं बबलू तिवारी उपस्थित थे।

कसमार प्रखंड भाजपा 23 नवंबर को जिला मुख्यालय पर करेगा धरना-प्रदर्शन

कसमार/बेरमो (आजाद सिपाही)। भाजपा कसमार प्रखंड कार्यालय में रविवार को भाजपाइयों की बैठक हुई। जिसमें बोकारो जिला उपाध्यक्ष सह कसमार प्रभारी अनिल स्वर्णकार मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता कसमार प्रखंड भाजपा उपाध्यक्ष भवानी प्रसाद मुखर्जी और संचालन प्रखंड महामंत्री परमेश्वर नायक ने किया। बैठक में 23 नवंबर को जिले में धरना प्रदर्शन में कसमार प्रखंड से अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता को लेकर चर्चा की गई। साथ ही लोगों से बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भाजपा कसमार प्रखंड से बाइक जुलूस के साथ विभिन्न गाड़ियों में करीब 200 लोग बोकारो पहुंचेंगे। इस मौके पर अनीश जयसवाल, राजेश्वर महतो, महामंत्री परमेश्वर नायक, आनंद महतो, कोषाध्यक्ष रामलाल ठाकुर, युवा प्रखंड मोर्चा के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार महतो, महामंत्री मदन महतो, उपाध्यक्ष विश्वजीत मिश्रा, एससी मोर्चा अध्यक्ष सुरेश कालिंदी, भाजपा के वरिष्ठ शैलेंद्र भूषण शर्मा, प्रताप सिंह, रफीक अंसारी, जागेश्वर महतो आदि उपस्थित थे।

टीटीपीएस के विस्तारीकरण के लिए मुख्यमंत्री गंभीर : योगेंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

ललपनिया। झारखंड राज्य समनव्य समिति सह मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो रविवार को ललपनिया स्थित तेनुघाट विद्युत मजदूर यूनियन कार्यालय पहुंचे। सरकार में मंत्री का दर्जा मिलने पर यूनियन की ओर से आयोजित स्वागत व अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। पदाधिकारियों, सदस्यों और ग्रामीणों ने मंत्री योगेंद्र महतो का गाजे बाजे के साथ जोरदार स्वागत किया। वहीं, बालिकाओं के दल ने स्वागत में पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया। यूनियन के महामंत्री बबूली सोरेन, पार्टी प्रखंड सह 20 सूत्री अध्यक्ष लुदु मांझी, सचिव बुधन सोरेन, मुखिया बबलू हेंब्रम, हरीश नारायण तिवारी और महिला समिति ने बुके भेंटकर मंत्री योगेंद्र महतो का स्वागत और अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जो सम्मान और पद मुझे दिया है, उसका श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं और गोमिया की जनता को जाता है। जिस अपेक्षा और विश्वास के साथ मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी गई है उसपर खरा उतरने का पूरा प्रयास रहेगा। हमसभी को सामंजस्य के साथ काम करते हुए आगे बढ़ना है। टीटीपीएस के विस्तारीकरण के लिए मुख्यमंत्री जी गंभीर हैं। वहीं, मंत्री ने बाबा तिलका मांझी की प्रतिमापर माल्यार्पण कर नमन किया। मौके पर जिला संगठन सचिव मितोन सोरेन, श्यामदेव सोरेन, मंझला मांझी, सतिशचंद्र मुर्मू, बालचंद बास्के, एतोराम किस्कू, सुखराम बेसरा, उपमुखिया याकूब अंसारी, राम प्रसाद सोरेन, सुशील मांझी, अंजन हेंब्रम, आशा मुर्मू, दिनेश मुर्मू, अनिल हांसदा, मेघराय मुर्मू, प्रभात कुमार, दीपक मरांडी, राजेश मुर्मू, कबीर अंसारी, वाहिद अंसारी, सुभानी अंसारी, जियाउल हक, जलालुद्दीन, रफीक, सुरेश कुमार टुडू, अनिल, कामेश्वर, तुलसी महतो आदि उपस्थित थे।

जिला परिषद बोर्ड की बैठक आज

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिला परिषद बोड की बैठक सोमवार को होगी। जिला सभागार में आयोजित होने वाली बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिन्हा करेंगीं। बैठक के लिए एजेंडा तैयार कर सभी सदस्यों को उपलब्ध भी करा दिया गया है। प्रस्तावित बैठक में जिला परिषद से सदस्यों को डीजल की सुविधा देने, जिला परिसद की आय बढ़ाने के उपाय पर भी विचार किया जाएगा। साथ ही काम में कोताही बरतने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई करने, जिला परिषद से संबंधित योजनाओं की शिलापट्ट पर सदस्यों के नाम भी अंकित करने, जिला परिषद की परिसंपत्तियों का ब्योरा भी सभी सदस्यों को उपलब्ध कराने, गोविंदपुर प्रखंड में स्थित रेजली बांध का सौंदर्यीकरण करने सहित कुल 18 प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी।

तेनुघाट जेल में कैदियों के लिए लगा जेल अदालत व जागरूकता शिविर

जेल से अच्छा इंसान बनकर बाहर निकलें : एसीजेएम

सजा पूरी होने पर एक कैदी को दी गई रिहाई

आजाद सिपाही संवाददाता

बंदियों के बीच आयोजित जेल अदालत व जागरूकता शिविर में मौजूद एसीजेएम व अन्य।

तेनुघाट। सुप्रीम कोर्ट, झारखंड हाई कोर्ट और बोकारो जिला के प्रधान जज रंजना अस्थाना के निर्देश पर तेनुघाट जेल में रविवार को जेल अदालत सह कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के एसीजेएम विशाल गौरव ने की। इसमें एक बंदी अर्जुन साव उर्फ टार्जन साव के बंदी आवेदन पर सुनवाई करते हुए उसके सजा की अवधि पूरी हो जाने के बाद जेल से रिहा किया गया। बताते चलें कि टार्जन साव के विरुद्ध आइएल थाना में वर्ष 2013 में चोरी का मामला दर्ज कराया गया था। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया और पिछले छह महीने 20 दिन तक वह जेल में रहा। उस आधार पर एसीजेएम विशाल गौरव की अदालत से जेल की अवधि पूरा हो जाने के बाद टार्जन साव को रिहा किया। वहीं जेल में बंदियों को जागरूकता शिविर में ऐसीजेएम विशाल गौरव द्वारा कानूनी की जानकारियां दी गई। बताया गया कि आप जेल में जो अपराध करके आए हैं वह या तो आवेश में हो गया है या फिर आपने गलतफहमी से यह काम किया है। इसलिए आप जेल में रहकर खुद उस पर विचार करते हुए सुधार कर अपने आप को जेल से बाहर निकाले। ताकि आपके घर एवं परिवार भी आपसे खुश रहे। अधिवक्ता रितेश जयसवाल ने भी बंदियों को कानून की जानकारियां दी। अधिवक्ता सुभाष कटारिया ने स्वागत भाषण एव मंच संचालन और जेलर नीरज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर भागीरथ कुमार और विजय कुमार आदि मौजूद थे।

केंदुआ में सामूहिक विवाह में 21 निर्धन जोड़ों का हुआ निकास

स्वास्थ मंत्री और जामताड़ा विधायक ने नव विवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। एक ओर समाज में जिस प्रकार दहेज जैसी कृतियों को शान समझा जाता है। वहीं आज भी ऐसे समाजसेवी और संस्था है जो इन सब से ऊपर उठकर गरीब और निर्धन परिवार के लोगों के बेटे-बेटियां की सामूहिक शादी कराकर पुण्य के भागी बन रहे हैं। रविवार को एक ऐसा ही सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन ख्वाजा गरीब नवाज फाउंडेशन की ओर से केंदुआ 4 नंबर ईदगाह मैदान में किया गया। यहां निर्धन मुस्लिम परिवार के 21 जोड़ों की सामूहिक रूप से शादी कराई गई। सामूहिक बारात भी निकली और ढोल नगाड़े भी बजे। शहनाईयों की गूंज के बीच 21 जोड़ों का निकाह संपन्न हुआ। बतौर मुख्य अतिथि नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए सूबे के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी भी पहुंचे थे। अपने संबोधन में मंत्री ने आयोजकों को बधाई और भविष्य में इस प्रकार के आयोजनों को लेकर शुभकामनाएं दी। कहा कि ऐसे पुण्य के काम हर जिले और हर प्रखंड में आयोजित होने चाहिए। वहीं स्थानीय लोगों ने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं से भी मंत्री को अवगत कराया जिस पर मंत्री बन्ना गुप्ता ने उन समस्याओं के निदान के लिए आश्वस्त किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष हाजी गुलाम ख्वाजा के अनुसार सामूहिक विवाह में नव दंपत्ति जोड़ों को दिनचर्या में इस्तेमाल की जाने वाले प्रमुख सामान सौगात के रुप में भेंट किये गए ताकि नव दंपत्तियों को नए वैवाहिक जीवन शुरू करने में कोई परेशानी न हो। इस कार्य में केंदुआ नंबर 4 के सदर मो कलाम, फाउंडेशन के सदस्य मो जमीर, मंजर अंसारी, जावेद आलम, समाजसेवी मुनव्वर हुसैन, डॉ रिजवान, गुलाम अहमद रजा उर्फ राजन, मुमताज आलम, कलामुद्दीन, मो निजाम, मिस्टर, शमशाद, बदरुद्दीन, सनाउल, वकार आदि सक्रिय रहे।

दलबदलू पदाधिकारियों का भी कटेगा टिकट

केंद्र सरकार दल-बदल कानून में बदलाव की तैयारी में

कई राजनीतिक दलों ने सहमति जतायी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार दल-बदल कानून में जल्द नया प्रावधान जोड़ने जा रही है। अब इस कानून के दायरे में रजिस्टर्ड पार्टियों पदाधिकारियों को शामिल किया जायेगा, भले ही वे निर्वाचित प्रतिनिधि न हों। अगर पार्टी पदाधिकारी चुनाव के वक्त दल बदलते हैं तो वे अगले पांच साल चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। सूत्रों के मुताबिक कानून मंत्रालय आगामी बजट सत्र के दौरान यह संशोधन लाने की तैयारी में है। दल-बदल कानून में संशोधन का मकसद चुनाव के वक्त पार्टी बदल कर टिकट पाने की परिपाटी पर अंकुश लगाना है। कानून मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार मान्यता प्राप्त नेशनल और रीजनल पार्टी चुनाव के वक्त दल-बदल को लेकर चिंता जताते रहे हैं। पार्टियों का कहना है कि यह खरीद-फरोख्त के साथ ही

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के खिलाफ है। भय या लालच की वजह से पार्टी बदलने की परंपरा कुछ सालों में बढ़ी है।

छह महीने से कम समय बचने पर पार्टी नहीं बदल सकेंगे पदाधिकारी : अब कानून मंत्रालय ऐसा प्रावधान करने जा रहा है जिसमें निर्वाचित प्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी विधानसभा या लोकसभा का कार्यकाल समाप्त होने में छह महीने से कम समय बचने पर पार्टी नहीं बदल सकेंगे। कानून में संशोधन होने के बाद यदि कोई पदाधिकारी ऐसा करता है तो 5 साल किसी दूसरी पार्टी के सिंबल पर चुनाव नहीं लड़ सकेगा। हालांकि, निर्दलीय चुनाव लड़ने की छूट रहेगी। गौरतलब है कि राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की सूची निर्वाचन आयोग के पास रहती है। किसी का पद बदला जाता है तो उसकी सूचना आयोग को दी जाती है। यदि कोई चुनाव के समय पार्टी बदलेगा तो पार्टी की सूचना पर आयोग उसके चुनाव लड़ने पर रोक लगा देगा।

बगावत से सभी दल परेशान : सभी दलों को चुनाव के दौरान बागी उम्मीदवारों से परेशानी होती है। कई बार टिकट न मिलने पर पदाधिकारी और निर्वाचित प्रतिनिधि दूसरे दल में चले जाते हैं। ऐसे में कई पार्टियों ने दल-बदल कानून में बदलाव की मांग की है।

दल-बदल कानून क्या है?

1967 में हरियाणा के विधायक गया लाल ने एक दिन में तीन बार पार्टी बदली। उसके बाद से राजनीति में आया राम गया राम की कहावत मशहूर हो गई। पद और पैसे के लालच में होने वाले दल-बदल को रोकने के लिए राजीव गांधी सरकार 1985 में दल-बदल कानून लेकर आई। इसमें कहा गया कि अगर कोई विधायक या सांसद अपनी मर्जी से पार्टी की सदस्यता छोड़कर दूसरी पार्टी ज्वॉइन कर लेता है तो वो दल-बदल कानून के तहत सदन से उसकी सदस्यता जा सकती है। अगर कोई सदस्य सदन में किसी मुद्दे पर मतदान के समय अपनी पार्टी के व्हिप का पालन नहीं करता है, तब भी उसकी सदस्यता जा सकती है।

एनटीपीसी स्वयंसिद्ध महिला क्लब ने बाल आश्रय गृह को आवश्यक खाद्य सामग्री दी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर/रांची। स्वस्थ जीवन के लिए अच्छा पोषण महत्वपूर्ण है। इस नेक सोच के साथ, स्वयंसिद्ध लेडीज क्लब, एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय, रांची ने सीएसआर पहल के तहत तुपुदाना, रांची में आशा बाल आश्रय गृह के जरूरतमंद बच्चों को आवश्यक खाद्य सामग्री वितरित की।

इस अवसर पर महुआ मजूमदार, अध्यक्ष, स्वयंसिद्ध लेडीज क्लब ने आश्रय गृह के बच्चों और पदाधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए स्वस्थ रहने के लिए अपने दैनिक आहार में पोषक तत्वों को शामिल करने पर जोर दिया और विशेष रूप से बच्चों के विकास के लिए यह आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लेडीज क्लब अपनी विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से नियमित रूप से जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

इस अवसर पर उपस्थित श्रीनिवास के मूर्ति, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय समाज के जरूरतमंद समुदाय को हर संभव मदद करने का इच्छुक है। महिला क्लब और उसके सदस्यों ने वितरण के माध्यम से उचित पोषण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए खाद्य सामग्री जैसे चावल, दाल, वनस्पति तेल, दालें, स्वास्थ्य पेय, अंडे, फल आदि वितरित किये।

क्लब के प्रत्येक सदस्य की उदारता और स्वैच्छिक योगदान ने इस कार्यक्रम को विशेष बना दिया। महिला क्लब की पहल की लाभार्थियों ने सराहना की। इस अवसर पर लेडीज क्लब की वरिष्ठ कमेटी सदस्य लक्ष्मी मूर्ति, किरण दुबे, कबिता सामल, स्निग्धा मांझी, मनसा वर्मा और अपूर्वा द्विवेदी उपस्थित थीं।

पेरतोल बनी 17वीं चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट की चैंपियन

चैंपियन टीम को पुरस्कार देते केके सोन और गोल्डेन बूट के रूप में तौहिद को दी गयी स्मार्ट टीवी। जशपरिया बीएड कॉलेज के संस्थापक जैलेंद्र कुमार ने रनर ट्रॉफी और चेक सौंपा।

गोल्डेन बूट रहे पेरतोल के तौहिद को मिली स्मार्ट टीवी

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। राजेंद्र यूनाइटेड गेतलसूद द्वारा आयोजित 17वीं चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट को केपीएल पेरतोल की टीम ने जीत लिया। रविवार को गेतलसूद फुटबाल मैदान में खेले गये रोमांचक फाइनल मैच में पेरतोल ने हेहल को 3-1 से हराया। पेरतोल की ओर से तौहिद आलम ने दो गोल व सचिन ने एक गोल किया। पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के भू-राजस्व सचिव व आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक केके सोन ने किया। इस मौके पर केके सोन ने कहा कि फुटबाल के सिद्धांत को अपने जीवन में उतारने की जरूरत है। हमें हमेशा खिलाड़ी की तरह जीवन जीने एवं सोचने की जरूरत है।

इससे पूर्व फाइनल मैच का शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, भाजपा के प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा, खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन एवं जशपरिया बीएड कॉलेज के संस्थापक जैलेंद्र कुमार ने की। पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र शाही मुंडा एवं संचालन सचिव अनिल कुमार चौधरी ने की। इस मौके पर राजेंद्र यूनाइटेड के महाप्रबंधक सागर साहू, कांके प्रमुख सोमनाथ मुंडा, प्रबंधक संतोष कुमार सिन्हा, पारसनाथ भोगता, ग्रामप्रधान रंथा महली, रामानंद बेदिया, अनगड़ा प्रमुख दीपा उरांव, जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुण्डा, पूर्व प्रमुख अनिता गाड़ी, मास के संस्थापक विजय भरत, समाजसेवी अजय साहू, डॉ बिरसा उरांव, भाजपा नेता राजेंद्र मुण्डा, संजय नायक, शिवदास गोस्वामी, शंकर बैठा, सौरव कुमार, राजेश लोहरा, वीरेन्द्र सिंह भोगता उपस्थित थे।

डेढ़ लाख नकद और ट्रैकशूट दिया गया

विजेता टीम पेरतोल को चैंपियन ट्रॉफी के अलावा डेढ़ लाख रुपया नकद, ट्रैकशूट, उपविजेता टीम हेहल को ट्राफी, एक लाख नकद, ट्रेकशूट व सेमीफाइनल में पहुंची इंडियन वारियर व गाड़ीहोटवार की टीम को 25-25 हजार नकद पुरस्कार दिया गया। समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए सालहन निवासी डॉ रिंझू नायक को महेंद्र महतो पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिषेक वस्त्रालय गोंदलीपोखर की ओर से तौहिद आलम को गोल्डेन बूट के रूप में स्मार्ट टीवी दी गयी। प्लेयर आफ मैच का पुरस्कार गोलकीपर साजिद को दिया गया।

श्रीमंदिर के गर्भगृह की फोटो वायरल, थाना में एफआइआर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पुरी श्रीमंदिर के गर्भगृह का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल को लेकर थाने में एफआइआर किया गया है। श्रीमंदिर प्रशासन की ओर से इसकी जानकारी सिंहद्वारा थाने में दी गयी। श्री मंदिर सुरक्षा प्रशासक वी चंद्रशेखर राव ने एफआइआर दिया है। आकाश चौधरी किस परिस्थिति में फेसबुक पर फटो वीडियो वायरल किया। इस एफआइआर में जांच और कार्रवाई की मांग की गयी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक आकाश चौधरी नाम के शख्स ने अपने फेसबुक अकाउंट पर श्रीमंदिर के गर्भगृह की तस्वीर को वायरल कर दिया। इसके बाद विवाद हो गया। विभिन्न महल से कार्रवाई की मांग की गयी थी। इसी कड़ी में रविवार को श्रीमंदिर के प्रशासक वी चंद्रशेखर राव ने सिंहद्वार थाने में एफआइआर दिया।

राज्यपाल ने भुवनेश्वर में एकाम्र बाटिका' का उद्घाटन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। हर बच्चा अनोखा होता है। उसे खुद होने दो। वे किसी की नकल न करें। राज्यपाल प्रो गणेशी लाल ने बच्चों में अनंत क्षमता और सामर्थ के प्रकट होने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की सलाह दी। राज्यपाल प्रोफेसर लाल ने रविवार को खारबेलनगर में एक शैक्षणिक संस्थान 'एकाम्र बाटिका' को उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रकृति से दूर जीवन कई समस्याओं का कारण है। इसलिए राज्यपाल ने कहा कि बच्चों को प्रकृति से जोड़े रखना शिक्षा व्यवस्था का मुख्य दृष्टिकोण होना चाहिए। प्रख्यात शिक्षाविद् शशांक वीरा ने प्राथमिक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर बल दिया। एकाम्र बटिका की चेयरपर्सन मेघना सिंहदेव ने शिक्षण संस्थान के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अनंग उदय सिंहदेव सहित कई बुद्धिजीवी और शिक्षाविद मौजूद थे।

किट डीयू के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 100 से अधिक कुलपति शामिल

एनइपी को एक बच्चे को एक अच्छे इंसान के रूप में आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए : प्रो गणेशी लाल

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। देश भर के 300 सिद्धांतों के साथ आइआइटी, आइआइएम और एनआइटी के 100 से अधिक कुलपति और निदेशक राष्ट्रीय शिक्षा पर चर्चा करने के लिए अपने रोप्य जयंती समारोह के साथ किट डीयू द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नीति (एनइपी) 2020 और इसका कार्यान्वयन के लिए रविवार को एकत्रित हुए। 'सद्भाव और शांति के साथ मानवता के निर्माण के लिए शिक्षा' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन ओड़िशा के राज्यपाल प्रो गणेशी लाल ने किया। उन्होंने कहा कि एनइपी को एक बच्चे को एक अच्छे इंसान के रूप में आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए, जो समाज में उच्च नैतिक मूल्यों को कायम रखता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों के अच्छे गुणों के लिए उनकी प्रशंसा करें और उन्हें बच्चों को दूसरों की नकल करने के लिए कहने के बजाय उन गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करें। उत्कल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सबिता आचार्य ने कहा कि मानव विकास के लिए एनईपी महत्वपूर्ण है। नयी एनइपी वास्तव में दूरदेशी नीति है, जो नयी पीढ़ी और राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं को संबोधित करती है। यह पहुंच, इक्विटी, जवाबदेही और गुणवत्ता पर केंद्रित है। इसके अलावा यह सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने और पाठ्यक्रम और सह-पाठयक्रम गतिविधियों के बीच की सीमा को दूर करने का प्रयास करता है।

किट और किस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने दो कमरे के किराए के आवास से देश के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक में विश्वविद्यालय के उल्कापिंड के उदय के बारे में एक भावनात्मक भाषण दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षाविदों से उनकी मुलाकात 25 वर्षों की छोटी सी अवधि में किट की अभूतपूर्व सफलता मिली है।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर की कुलपति पूनम सक्सेना ने सभी के लिए शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया। शिक्षा का मूल्य समाज के सभी वर्गों द्वारा महसूस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविध देश में शिक्षा ही एकमात्र ऐसी चीज है, जहां हर 100-200 किलोमीटर पर भाषा, कपड़ा और खाने की आदतें बदल जाती हैं।

आइआइएम नागपुर के निदेशक प्रो भीमाराया मेत्री ने पिछले 25 वर्षों के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए किट की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय पहले ही एनइपी में उल्लिखित कई आदेशों को पूरा कर चुका है, जैसे कि ट्रांस-डिसिप्लिनरी शिक्षा की पेशकश और किस के माध्यम से शिक्षा को सर्व-समावेशी बनाना जो गरीब आदिवासी छात्रों को मुफ्त में शिक्षण प्रदान करता है।

किट की कुलपति प्रो सस्मिता सामंत ने किट को देश के सबसे बड़े विश्वविद्यालय और दुनिया में सीखने के प्रमुख केंद्रों में से एक में बदलने की ओर इशारा किया। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टीवी कट्टिमणि ने राज्यपाल को उनके द्वारा लिखित एनइपी पर एक पुस्तक भेंट की।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**